राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
एक्शन इंडिया
वर्ष: 08 अंक: 66 पृष्ठ: 12
RNI : HARHIN/2016/68417
actionindiaharyana@gmail.com
हरियाणा संस्करण
दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड
RKB GROUP
Rakesh Bhardwaj Group

सीबीआई ने की लालू से पूछताछ

जॉब फॉर लैंड केस में लालू से दो राउंड पूछताछ, लालू 11 फरवरी को दिल्ली लौटे, तीन घंटे की पूछताछ के बाद टीम दोपहर लंच के लिए निकल गई

लालू पर शिकंजा

= रेलवे नौकरी घोटाले में लालू से सीबीआइ ने की पांच घंटे पूछताछ, मीसा भारती से भी हुई पूछताछ

नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया
भूखंड के बदले नौकरी मामले में सीबीआइ ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद एवं राज्यसभा सदस्य मीसा भारती से पांच घंटे पूछताछ की। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद सिंगापुर में किडनी का प्रत्यारोपण कराने के बाद फिलहाल अपनी बेटी मीसा भारती के दिल्ली स्थित आवास पर हैं। एक दिन पहले ही पटना में राबड़ी देवी से भी सीबीआइ की टीम ने पूछताछ की थी।

सीबीआइ के आठ अधिकारियों की टीम मंगलवार की सुबह लालू से पूछताछ के लिए दिल्ली के पंडारा पार्क में मीसा भारती के आवास पर दो कारों में पहुंची। लालू 11 फरवरी को दिल्ली लौटे तीन घंटे की पूछताछ के बाद टीम दोपहर लंच के लिए निकल गई। दोबारा सवा दो बजे फिर पूछताछ शुरू हुई, जो साढ़े चार बजे तक चलती रही। सिंगापुर में किडनी प्रत्यारोपण के बाद लालू 11 फरवरी को दिल्ली लौटे हैं। संक्रमण की आशंका को देखते हुए उन्हें मुलाकातियों से बचने की सलाह दी गई है। यही कारण है कि सीबीआइ अधिकारियों ने मास्क लगाकर एवं दूरी बनाकर ही पूछताछ की। सूत्रों ने बताया कि पूछताछ के दौरान वीडियोग्राफी भी की जा रही थी। लालू को एक कमरे में सीबीआइ की टीम ने कुछ कागजात दिखाए और उनसे प्रश्न किए।

लालू यादव से सीबीआई की पूछताछ पर भड़कीं रोहिणी

पटना/टीम एक्शन इंडिया
राजद सुप्रीमो लालू यादव को किडनी डोनेट करने के बाद काफी चर्चा में आयी उनकी बेटी रोहिणी पिछले दो दिनों से भड़की हुई हैं। नौकरी के बदले जमीन हड़पने के आरोप का सामना कर रहे राजद सुप्रीमो लालू यादव से मंगलवार को राजद सांसद मीसा भारती के दिल्ली स्थित आवास में सीबीआई ने पूछताछ की। उल्लेखनीय है कि लालू यादव का सिंगापुर में किडनी ट्रांसप्लांट हुआ है। लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने ही उन्हें किडनी डोनेट की थी। इसके पूर्व सोमवार को सीबीआई ने पटना स्थित आवास पर राबड़ी देवी से पूछताछ की थी।

लालू यादव से हुई सीबीआई पूछताछ पर लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने सख्त एतराज जताते हुए यहां तक कहा है कि लालू यादव को परेशान किया जा रहा है। अगर उन्हें कोई परेशानी होगी तो दिल्ली की कुर्सी हिला देंगे।

'जीडीपी ग्रोथ में सुस्ती अस्थायी'

नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया
भारत की असली ताकत घरेलू अर्थव्यवस्था है। यही विकास का प्राथमिक इंजन भी है। पिछले साल के आखिर में अर्थव्यवस्था में आई सुस्ती अस्थायी ही होगी। रेटिंग एजेंसी मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने जारी अपनी ताजा रिपोर्ट में यह बात कही है। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने मंगलवार को कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में आई कमजोरी अस्थायी है। इसमें जल्द ही सुधार हो सकता है। रेटिंग एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि व्यापार के बजाय देश की घरेलू अर्थव्यवस्था भारत की वृद्धि का प्रमुख इंजन है। रेटिंग एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि सालाना आधार पर वृद्धि में उल्लेखनीय कमी आई है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही में कोरोना महामारी का अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा था।

पीएफआई के हवाला नेटवर्क पर कार्रवाई

नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया
राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को बिहार, केरल और कर्नाटक से संचालित हो रहे प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की आतंकी गतिविधियों के लिए चल रहे हवाला नेटवर्क का खुलासा किया है। इस मामले में एनआईए ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। यह मामला फुलवारी शरीफ बिहार में एनआईए की पीएफआई से जुड़े एक मामले की जांच से

संबंधित है। एनआईए का कहना है कि फुलवारी शरीफ और मोतिहारी के पीएफआई कार्यकर्ताओं ने संगठन की गतिविधियों को जारी रखने का फैसला किया था और इसी क्रम में असलाह और बारूद इकट्ठा कर पूर्वी चंपारण जिले में विशेष समुदाय के युवाओं को निशाना बनाने का साजिश रची थी।

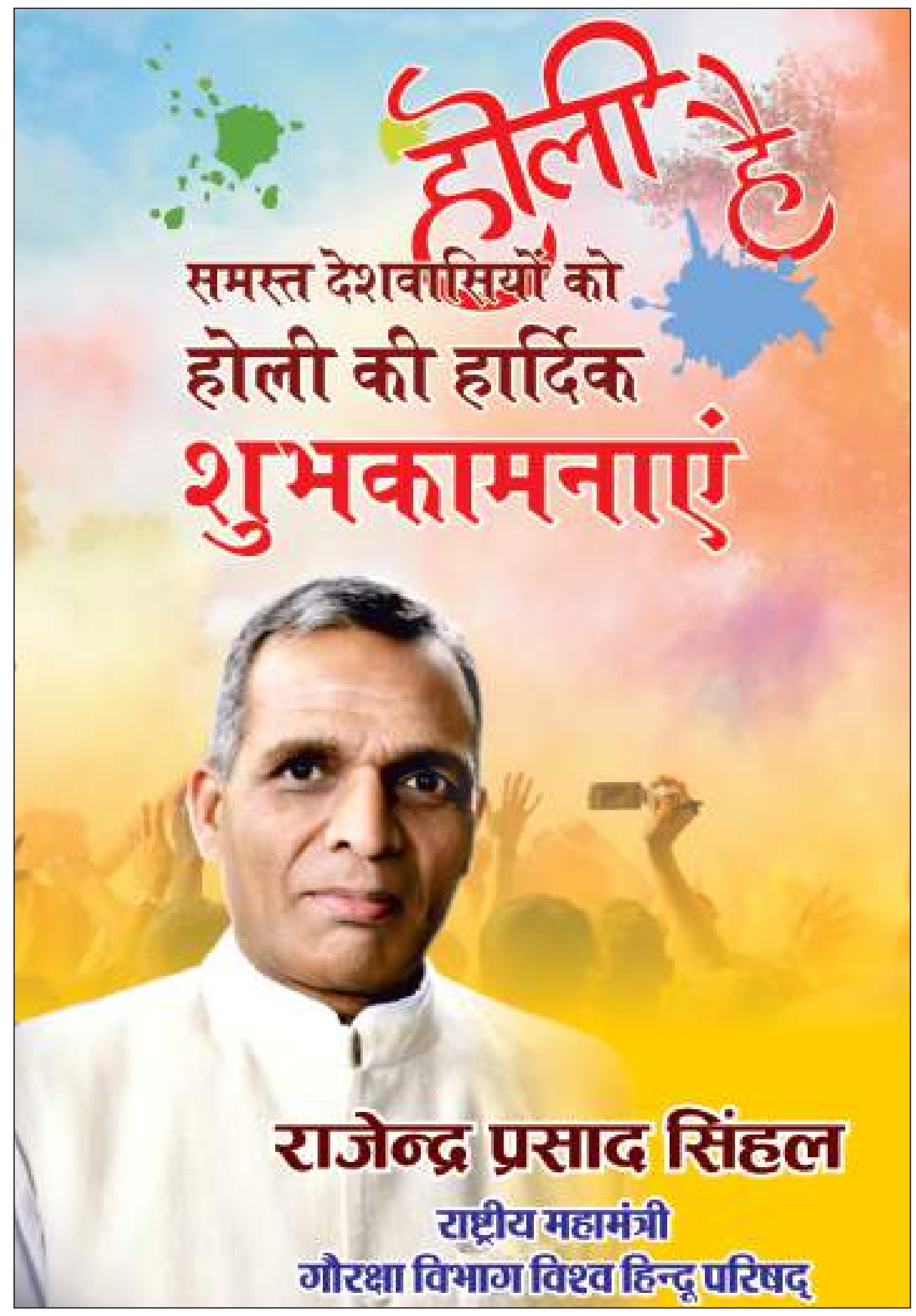

हरियाणा को टीबी मुक्त करने की कवायद

स्टेट टास्क फोर्स का होगा गठन; सरकारी और निजी डॉक्टर मिलकर करेंगे काम, रूपरेखा तैयार

8 स्टेट टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। सरकारी और गैर सरकारी डॉक्टर इस मिशन को पूरा करने के लिए साथ मिलकर काम करेंगे

चंडीगढ़/टीम एक्शन इंडिया
देश के दूसरे राज्यों से पहले हरियाणा टीबी मुक्त होगा। सीएम के इस दावे को साकार करने के लिए स्टेट टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। साथ ही सरकारी और गैर सरकारी डॉक्टर इस मिशन को पूरा करने के लिए साथ मिलकर काम करेंगे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने टीबी मुक्त हरियाणा अभियान को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों तथा निजी चिकित्सा संस्थानों के साथ एक अहम बैठक में यह निर्देश दिए।

हर घर में होगा टीबी टेस्टः मनोहर लाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्राइवेट क्लीनिक और नर्सिंग होम, जहां पर भी टीबी के मरीज इलाज के लिए जाते हैं, उन संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर उनका डाटा एकीकृत किया जाए। इससे प्रदेश में टीबी के मरीजों की वास्तविक स्थिति का पता लग सकेे। इसके बाद उनका इलाज जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि टीबी मरीजों का पता लगाने के लिए प्रत्येक जिले में मोबाइल यूनिट की व्यवस्था की जाए, जो घर-घर जाकर टीबी डायग्नोसिस टेस्ट करेगी।

प्रदेश में इग्रा लैब की बढ़ाई जाएगी संख्याः मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा को टीबी मुक्त करने के लिए विभिन्न पहलुओं पर फोकस किया जा रहा है। इसके तहत टीबी मरीजों का पता लगाना, उनका इलाज सुनिश्चित करना और ऐसे मरीजों को 6 माह तक इलाज की अवधि के दौरान पौष्टिक आहार प्रदान करने जैसे प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने प्रदेश में इग्रा लैब की संख्या बढ़ाने के भी निर्देश दिए। इग्रा (आईजीआरए) लैब की संख्या बढ़ने से टीबी जांच में और तेजी आएगी। लक्षण दिखने से पहले मिलेगी जानकारीः इग्रा लैब में सैंपल की जांच के बाद टीबी संक्रमण के लक्षण दिखाई देने से पहले ही पता लग जाता है कि व्यक्ति में टीबी संक्रमण शुरू हो गया है या नहीं। इससे मरीज को समय रहते ही उपचार मिल जाता है। निरोगी हरियाणा योजना के तहत किए जाने वाले 25 प्रकार के टेस्ट पर देने के मुख्यमंत्री ने निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए।

निरोगी हरियाणा में अब तक 2 लाख का टेस्ट

राज्य सरकार ने निरोगी हरियाणा योजना चलाई है, जिसके तहत पहले चरण में 1.80 लाख रुपए तक वार्षिक आय वाले परिवारों का हेल्थ चेकअप किया जा रहा है। अभी तक 2 लाख लोगों का चेकअप किया जा चुका है। इस दौरान टीबी के मरीजों का भी पता लगा है। इसलिए निरोगी हरियाणा योजना के क्रियान्वयन में और तेजी लेकर आएं। शहरों में भी निरोगी हरियाणा के क्रियान्वयन पर फोकस किया जाए।

हरियाणा का स्कोर राष्ट्रीय औसत से बेहतरः बैठक में बताया गया कि केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2022 के टीबी मुक्त स्कोर में हरियाणा का स्कोर 85 है, जबकि राष्ट्रीय स्कोर 82 है। प्रदेश में 63,060 टीबी मरीजों सफलतापूर्वक इलाज हुआ है। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आशा वर्कर घर-घर जाकर नागरिकों की स्क्रीनिंग कर रहे हैं, यदि उन्हें टीबी के लक्षणों लगते हैं, तो नागरिकों को क्लिनिक में ले जाकर उनकी जांच की जा रही है।

राहुल गांधी नकारात्मक ऊर्जा से सराबोरः अनिल विज

'राहुल विदेश में जाकर भी देश के खिलाफ नकारात्मक बातें करते हैं'

अम्बाला/टीम एक्शनन इंडिया
हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा कि सकारात्मक और नकारात्मक दो तरह की उर्जा होती है और राहुल गांधी में नकारात्मक उर्जा भरी है। वह देश में हो या विदेश में राहुल गांधी हमेशा नकारात्मक बातें ही करते हैं। वे मंगलवार को यहां पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह दुख की बात है। विदेश में लोग अपने देश की बड़ाई करते है, मगर राहुल गांधी वहां जाकर भी नकारात्मक बातें करते हैं। इससे पहले आज गृह मंत्री अनिल विज ने जम्मू-कश्मीर में अध्ययन के लिए हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों से लगभग 40 विद्यार्थियों के दल को अपने आवास से प्रातः रवाना किया और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम होते रहने चाहिए। कश्मीर में स्वयं जाकर वहां की स्थिति को देखना और उसका आंकलन करना यह आवश्यक है। बच्चे कश्मीर जाकर देखेंगे कि वहां धारा 370 हटने के बाद कितना सुधार आया है। अब कश्मीर देश के अन्य राज्यों की तरह ही है। गौरतलब है कि इंडिया मीडिया सेंटर संस्था की ओर से विद्यार्थियों के लिए जम्मू-कश्मीर अध्ययन यात्रा का आयोजन किया गया है। संस्था के सचिव नरेंद्र सिंह ने बताया कि विद्यार्थी अध्ययन के बाद जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद वहां क्या-क्या बदलाव उन्हें लिखेंगे। इस अवसर पर योग एसोसिएशन के चेयरमैन राजिंद्र विज, सरबजीत, राज कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

नीमका जेल में मिली ओपन जेल बनाने की अनुमति

फरीदाबाद/टीम एक्शन इंडिया
दिल्ली की तिहाड़ जेल की तरह नीमका जेल में भी ओपन जेल होगा। यहां उम्रकैद की सजा पाने वाले वह कैदी रह सकेंगे, जिनकी सजा पूरी होने में महज छह महीने से एक साल का वक्त बचा होगा। वह ओपन जेल में रहकर बाहर नौकरी भी कर सकेंगे। ओपन जेल में उन्हें एक फ्लैट मिलेगा। उसमें रहकर अपना मनपसंद खाना खुद ही बना सकेंगे। यह व्यवस्था जेल में लंबा वक्त गुजारे वाले कैदियों को सामाजिक परिवेश से जोड़ने के लिए की जा रही है, ताकि सजा पूरी करने के बाद जब वे समाज में जाएं तो ज्यादा परेशानी न हो। आराम से समाज में घुल मिल सकें।

बुधवार को मुख्यमंत्री यमुनानगर में कार्यकर्ताओं संग खेलेंगे होली

शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने 15 गांवों का दौरा कर आमजन को आने का दिया निमंत्रण

यमुनानगर/टीम एक्शन इंडिया
हरियाणा के शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने बुधवार 8 मार्च के जगाधरी में मुख्यमंत्री होली मिलन सम्मेलन के लिए नागरिकों को निमंत्रण देने के लिए मंगलवार को 15 से अधिक गांवों का दौरा किया। हरियाणा सरकार में शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने मंगलवार को जगाधरी विधानसभा क्षेत्र के 15 गांवों का तूफानी दौरा कर आमजनता से जनसंवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हरियाणा में 60 साल आयु होने पर बुजुर्गों को कोई टैंशन नहीं होगी। हरियाणा में परिवार पहचान पत्र योजना से अपने घर में बैठे-बैठे बुजुर्गों की बुढ़ापा पेंशन बन रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश के किसानों को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने के लिए हरियाणा भाजपा सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने होली के पावन पर्व की बधाई देते हुए सभी ग्रामीणों को 8 मार्च दिन बुधवार को सरस्वती विधा मंदिर जगाधरी में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के होली मिलन सम्मेलन के लिए नागरिकों को आने का निमंत्रण दिया।

8 शिक्षा मंत्री गुर्जर ने मंगलवार को जगाधरी विधानसभा क्षेत्र के 15 गांवों का तूफानी दौरा कर आमजनता से जनसंवाद किया

जहां पर मुख्यमंत्री कार्यकताओं और आमजन के साथ फूलो की होली खेलेंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश में बिना खर्चे, बिना पर्ची लगे 5 हजार 5 सौ पुरुष सिपाही की भर्ती प्रक्रिया शुरू होने पर सभी चयनित प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई एवम् शुभकामनाएं व इन नियुक्तियों के लिए मुख्यमंत्री का मनोहर लाल का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि हथनीकुंड, कलेसर,ताजेवाला क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। जगाधरी कैल से ताजेवाला तक नया बायपास बनने से इस ग्रामीण क्षेत्र में उन्नति होगी व क्षेत्र में दो नैशनल हाईवे बनने से व्यापारिक, कृषि, ट्रांसपोर्ट,रोजगार, निवेश,औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

'नागरिकों के जानमाल की सुरक्षा के लिए समय-समय पर अभियान चला रही पुलिस'

हिसार/टीम एक्शन इंडिया
हांसी की पुलिस अधीक्षक नितिका गहलोत ने कहा है कि पुलिस पुलिस हर समय नागरिकों की सुरक्षा के लिए तरह-तरह के अभियान चलाकर जान-माल की सुरक्षा करने का भरसक प्रयास करती है। ऐसे में नागरिकों को चाहिए कि वे किसी के गलत बहकावे में ना आएं और अफवाहों पर ध्यान न दें। क्षेत्र में कानून व्यवस्था व शांति बनाए रखने में नागरिक जिला पुलिस को सहयोग करें। पुलिस अधीक्षक नितिका गहलोत मंगलवार को पुलिस महानिदेशक के निर्देशों पर चलाए गए हश्यता दिवस के पूर्व जिला के नागरिकों से अपील कर रही थीं। उन्होंने बताया कि पुलिस हश्यता दिवस अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन में पुलिस द्वारा सुरक्षा की भावना पैदा करना तथा असामाजिक तत्वों में भय का माहौल बनाना है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपराध व नशीले पदार्थों पर रोक लगाने के लिए पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान में पुलिस का सहयोग करें। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस जिला हांसी ने हश्यता दिवस के दौरान स्पेशल नाके लगाकर, गश्त व चैकिंग की गई ताकि जिला पुलिस के क्षेत्र मे किसी भी प्रकार की समस्या ना हो। पुलिस हश्यता दिवस के तहत कार्रवाई करते हुए हांसी पुलिस के सभी थाना प्रबधक व सभी चौकी प्रभारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में चैकिंग अभियान किया गया।

फरीदाबाद में 5 विदेशी नागरिकों को प्रदान किए भारतीय नागरिकता पत्र

पूरे देश में 13 जिलाधीशों को ही भारत सरकार ने यह विदेशी नागरिकों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने की शक्ति प्रदान की गई है

फरीदाबाद/टीम एक्शन इंडिया
मंगलवार को जिलाधीश विक्रम सिंह ने 5 विदेशी नागरिकों को भारतीय नागरिकता पत्र प्रदान किए। उल्लेखनीय है कि पूरे देश में 13 जिलाधीशों को ही भारत सरकार ने यह विदेशी नागरिकों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने की शक्ति प्रदान की गई है। इनमें फरीदाबाद का जिलाधीश भी शामिल है। केंद्र सरकार ने नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 16 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, पाकिस्तान देश के अल्पसंख्यक समुदायों के किसी भी व्यक्ति इनमें हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई को भारतीय नागरिकता देने का अधिकार जिलाधीश को भारतीय नागरिकता अधिकार देने का अधिकार प्रदान किया गया है। नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 5 के अधीन भारत के नागरिक के रूप में रजिस्ट्री कृत करने अथवा धारा 6 के अधीन उसे देशीकरण संबंधी प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए उसके द्वारा प्रयोग की जाने वाली शक्तियों के तहत यह नागरिकता जिलाधीश विक्रम सिंह ने प्रदान की है। देश के गुजरात राज्य के मोरबी, राजकोट, पाटन एवं बड़ोदरा और छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग तथा बलोदा बाजार, राजस्थान प्रांत के जालौर, उदयपुर, पाली, बाड़मेर और सिरोही, हरियाणा प्रांत के फरीदाबाद तथा पंजाब प्रांत के जालंधर के जिलाधीश को भारत सरकार ने नागरिकता प्रदान करने का अधिकार दिया है। मंगलवार को विदेशी नागरिकों को उपायुक्त विक्रम ने 5 विदेशी नागरिकों को भारतीय नागरिकता प्रदान पत्र प्रदान किए। नागरिकता लेने वालों में अफगानिस्तान से भारत और गुजी लाल शामिल हैं। पाकिस्तान से सीता, बलराम और बख्तावरी शामिल है।

हरियाणा में सियासतदानों की होली

सीएम यमुनानगर में खेलेंगे रंग, हुड्डा दिल्ली में रहेंगे, डिप्टी सीएम दुष्यंत छोटे भाई की शादी में व्यस्त

चंडीगढ़/टीम एक्शन इंडिया
हरियाणा के सियासतदानों की होली का कार्यक्रम फिक्स हो गया है। सूबे के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर यमुनानगर में रंगों का त्योहार मनाएंगे। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा दिल्ली में परिवार के साथ होली खेलेंगे। डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला 10 मार्च को होने वाली छोटे भाई की शादी की तैयारियों में व्यस्त हैं। हालांकि होली के दिन बुधवार को वह दिल्ली स्थित अपने फार्म पर परिवार के साथ होली का त्योहार मनाएंगे।

सीएम के कार्यक्रम में बदलावः हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल इस बार चंडीगढ़ के बाहर होली मनाएंगे। वैसे अमूमन वह चंडीगढ़ स्थित संत कबीर कुटीर में ही होली का त्योहार मनाते रहे हैं, लेकिन इस बार उनके कार्यक्रम में बदलाव करते हुए यमुनानगर में होली मनाने का कार्यक्रम तय किया गया है। यहां से वह दिल्ली रवाना हो जाएंगे, जहां वह कई सामाजिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

दीपेंद्र के आवास में रहेंगे भूपेंद्र हुड्डाः पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा इस बार होली का त्योहार बेटे राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा के दिल्ली आवास में मनाएंगे। परिजनों के अलावा वह अपने करीबी नेताओं के साथ रंग खेलेंगे। इस दौरान उनसे मिलने के लिए रोहतक क्षेत्र से लोगों का आना जाना लगा रहेगा। मेहमानों के लिए पूर्व सीएम की ओर से कोठी पर विशेष इंतजाम किए गए हैं।

दिग्विजय की शादी में व्यस्त दुष्यंत चौटालाः हरियाणा के डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला 10 मार्च को होने जा रही छोटे भाई दिग्विजय चौटाला की शादी को लेकर व्यस्त हैं। हालांकि वह होली का त्योहार परिजनों के साथ अपने दिल्ली स्थित फार्म हाउस पर मनाएंगे। बताया जा रहा है कि चौटाला परिवार इस शादी को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है।

अंबाला में रहेंगे अनिल विजः हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज होली के दिन अंबाला में रहेंगे। बताया जा रहा है कि वह कैंट स्थित अपने आवास में अपनों के संग ही रंग खेलेंगे। हालांकि उनकी ओर से अभी इसको लेकर कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी गई है, लेकिन उनके कुछ घनिष्ठ लोगों के अनुसार वह होली के दिन अंबाला में रहकर क्षेत्र के लोगों से मुलाकात करेंगे।

छात्रा के साथ मौसेरे भाई ने किया दुष्कर्म

फतेहाबाद/टीम एक्शन इंडिया
राजस्थान में अपनी मौसी के पास पढ़ने गई फतेहाबाद की एक छात्रा के साथ उसके ही मौसेरे भाई द्वारा दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। 9वीं कक्षा की इस छात्रा ने फतेहाबाद पुलिस को शिकायत देते हुए अपने मौसेरे भाई पर 4 माह तक उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। इस मामले में फतेहाबाद पुलिस ने आरोपी युवक व उसकी मां के खिलाफ मंगलवार को जीरो एफआईआर कर पोक्सो एक्ट सहित विभिन्न आपराधिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में 17 वर्षीय पीड़िता ने बताया कि बीते वर्ष राजस्थान के संगरिया क्षेत्र के गांव में रहने वाली उसकी मौसी उसे 9वीं कक्षा में पढ़ने के लिए अपने साथ ले गई।

आदमपुर की जनता व भजनलाल परिवार के बीच रिश्ता अटूटः भव्य बिश्नोई

हिसार/टीम एक्शन इंडिया
आदमपुर के विधायक भव्य बिश्नोई ने कहा है कि होली का त्यौहार आपस में मिल-जुलकर रहने व रंगों और खुशियों का पर्व है। उन्होंने कहा कि आदमपुर के साथ चौ. भजनलाल परिवार का रिश्ता सिर्फ रंग, गुलाल का नहीं, बल्कि दिलों का है। होली का रंग भले ही साफ करने से छूट जाए, परंतु आदमपुर के साथ प्रेम, आपसी भाइचारे और पारिवारिक रिश्ता है, उसका रंग न तो पिछले 55 वर्षो से छूटा है और न ही आने वाले दशकों तक छूट पाएगा। वे मंगलवार को आदमपुर कार्यालय के समक्ष कार्यकर्ताओं के साथ रंग, गुलाल के साथ होली खेलते हुए उन्हें होली की शुभकामनाएं दे रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने श्री गुरू जंभेश्वर मंदिर में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. भजनलाल, महासभा के संरक्षक बिश्नोई रत्न कुलदीप बिश्नोई की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए पाहल कलश पर हाथ रखकर गुरू महाराज को नमन किया। उन्होंने कहा कि हमेशा की तरह आदमपुर में अपनों के बीच होली पर्व मनाने का आनंद ही कुछ और है। उन्होंने बताया कि आदमपुर मे विकास कार्य प्रगति पर हैं और हलके के चहुंमुखी विकास के लिए वे दृढ़ संकल्प हैं। विकास पुरुष मुख्यमंत्री मनोहर लाल के आशीर्वाद से आदमपुर में वर्षो से ठप पड़े विकास कार्य तेज गति से शुरू हो चुके हैं और आने वाले समय में आदमपुर की हर छोटी से बड़ी समस्या को दूर होगी। उन्होंने कहा कि उनका एकमात्र ध्येय लोगों के काम करना है। चौ. कुलदीप बिश्नोई और हम सबके सांझा प्रयासों से आदमपुर विकास के पथ पर अग्रसर है। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

ट्रैफिक उल्लंघन में विज का जिला सबसे आगे

अंबाला में 7 दिन में 756 ने तोड़े ट्रैफिक रूल्स, हरियाणा पुलिस की स्पेशल ड्राइव में खुलासा

चंडीगढ़/टीम एक्शन इंडिया
हरियाणा में ट्रैफिक रूल्स तोड़ने में हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज का जिले अंबाला के लोग सबसे आगे हैं। हरियाणा पुलिस की 7 दिन की स्पेशल ड्राइव में यह खुलासा हुआ है। पुलिस की टीम ने ड्राइव के तहत 756 लोगों को रूल्स तोड़ने पर चालान किए। अनिल विज ने कहा है कि सभी को ट्रैफिक रूल्स का पालन अवश्य करना चाहिए ताकि हम एक सभ्य समाज की स्थापना में अपना योगदान यातायात नियमों का पालन करके दे सकें।

27 फरवरी तक चली ड्राइवः होली से पहले राज्य में सुचारू यातायात सुनिश्चित करने के लिए ट्रैफिक पुलिस द्वारा 20 फरवरी से 27 फरवरी तक स्पेशल ड्राइव चलाई। इस ड्राइव के तहत प्रदेश भर में यातायात नियमों की उल्लंघन करने पर कुल 5021 चालान किए गए, जिसमें 2794 लेन ड्राइविंग और 2227 गलत साइड ड्राइविंग के चालान शामिल है।

किस जिले में कितने हुए चालानः लेन ड्राइविंग और गलत साइड ड्राइविंग के अंबाला में 756, कैथल में 238, सिरसा में 84, कुरुक्षेत्र में 123, मेवात में 95, रोहतक में 140, करनाल में 111, हिसार में 89, यमुनानगर में 84, पानीपत में 352, झज्जर में 386, नारनोल में 283, सोनीपत में 250, फरीदाबाद में 673, भिवानी में 157, पंचकूला में 145, चरखी दादरी में 144, गुरुग्राम में 408, रेवाड़ी में 117, जींद में 92, हांसी में 55, फतेहाबाद में 94 और पलवल में 145 चालान किए गए है।

विज ने की अपीलः विज ने अपील करते हुए कहा कि ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन से न सिर्फ व्यक्ति अपने जीवन को खतरे में डालते है अपितु दूसरे नागरिकों की जान को भी खतरा रहता है और इससे दूसरे लोगो के लिए भी मुश्किलें उत्पन्न होती है। यातायात नियमों के उलंघन से सड़क दुर्घटना होने की संभावनाएं बढ़ जाती है और ट्रैफिक जाम होने से अन्य दिक्कतें पैदा होती है।

जनवरी में भी चल चुकी स्पेशल ड्राइवः विज ने बताया कि प्रदेश में 5 जनवरी से 15 जनवरी, 2023 तक भी विशेष अभियान चलाकर यातायात नियमों की उल्लंघना करने पर लेन ड्राइविंग और गलत साइड ड्राइविंग के कुल 5230 चालान किए गए थे। जिसमें 3256 लेन ड्राइविंग और 1974 गलत साइड ड्राइविंग के चालान शामिल थे।

हरियाणा में नहीं होगी बिजली की किल्लत: रणजीत

हमने बिजली की व्यवस्था में सुधार किया है। इससे हरियाणा के लोगों को आने वाले दिनों में बिजली की किल्लत नहीं होगी

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
94.5 माय एफएम की ओर से नूरमहल में हरियाणा एक्सीलेंस अवॉर्ड कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जेल एवं ऊर्जा मंत्री रणजीत सिंह चौटाला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रणजीत सिंह चौटाला ने कहा कि इस बार हरियाणा में गर्मी ज्यादा रहने की उम्मीद है। हमने बिजली की व्यवस्था में सुधार किया है। इससे हरियाणा के लोगों को आने वाले दिनों में बिजली की किल्लत नहीं होगी। उद्योगों को भी प्रॉपर रूप से बिजली मिलेगी। उन्होंने कहा कि सबसे पहले देश में कोई इंडस्ट्री आती है तो वह हरियाणा को ही प्राथमिकता देते हैं। इसके अलावा जेलों में भी खाने की बेहतर व्यवस्था की गई है।
कार्यक्रम में पहुंची बॉलीवुड अभिनेत्री कायनात अरोड़ा के साथ अतिथियों से सेल्फी ली। आरजे चक्षु ने कार्यक्रम का संचालन किया। मंत्री और बॉलीवुड अभिनेत्री कायनात अरोड़ा ने हरियाणा के बिजनेसमैनों को सम्मानित किया। इस दौरान जिम्नास्टिक वर्ल्ड अकादमी के बच्चों ने देशभक्ति गीत पर परफोंमेंस दिया। कार्यक्रम का समापन चार स्टेट्स ने अपने लाइव बैंड में मधुर गीतों के साथ किया।
हरियाणा माय एफएम हेड विनय बंसल ने कहा कि हरियाणा एक्सीलेंस अवार्ड के सफल कार्यक्रम में माय एफएम की टीम का योगदान है। हरियाणा एक्सीलेंस अवार्ड कार्यक्रम में तोमाशी, ओपीएस ज्वैलरी हाउस, सह संचालक 3सी चैतन्या, नैनो बासमती राइस और गीता यूनिवर्सिटी ने संचालक की भूमिका निर्वहन की। इस अवसर पर मेयर रेनू बाला गुप्ता, जसविंदर कालरा, अमन बंसल, अमित जैन, अशोक छाबरा, निशांत बंसल, सुभाष वर्मा और अमित कुमार उपस्थित रहे।
स्टार एसोसिएट को भी मिला हरियाणा एक्सीलेंस अवार्ड: रियल एस्टेट के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाली स्टार एसोसिएट को भी हरियाणा एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया।
स्टार एसोसिएट के डायरेक्टर गौरव खुराना ने 94.5 माय एफएफ की सराहना करते हुए कहा कि यह समय-समय पर लोगों को प्रोत्साहित करने का काम करते रहे हैं।

कैटरिंग लेबर की पीट-पीटकर हत्या करने वाले चार गिरफ्तार

6 हजार रुपए व फोन चोरी करने का आरोप लगाया था। जिसको लेकर झगडा हो गया था। आरोपी व मृतक सभी कैटरिंग लेबर का काम रहे थे

फरीदाबाद/टीम एक्शन इंडिया
कैटरिंग लेबर की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में चार आरोपियों को क्राइम ब्रांच डीएलएफ की टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने मंगलवार बताया कि गिरफ्तार में बिजेन्द्र,विनोद उर्फ चिंकी,दीपक और सौरव उर्फ सन्नी का नाम शामिल है। आरोपी बिजेन्द्र उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के गांव जैनपुर का हाल में दिल्ली के चान्दनी चौक का, आरोपी विनोद उत्तर प्रदेश के आजमगढ के गांव अली नगर का हाल में दिल्ली के नन्दनगरी का, आरोपी दीपक हरियाणा के झज्जर जिले के गांव छुछकवास का हाल में दिल्ली के रेन बसेरा का तथा आरोपी सौरव उर्फ सन्नी उत्तर प्रदेश के उधमसिंह नगर के गांव काशीपुर का हाल रेन बसेरा कम्पनी बाग दिल्ली का रहने वाला है। गौरतलब है कि 26/27 फरवरी को हरमीटेज सूरजकुंड में एक शादी का प्रोग्राम था, जिसके बाद कैटरिंग लेबर का काम करने वालों की आपस मे लड़ाई हो गई थी। आरोप था कि एक लेबर (नाम पता ना मालूम मृतक) ने किसी दूसरे लेबर का मोबाइल और 6000 चुरा लिए। इसी बात के झगड़े को लेकर आरोपियो ने पीट-पीटकर उसकी हत्या कर शव को छुपा दिया था। सुशील कुमार ठेकेदार की शिकायत पर थाना सूरजकुंड में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों ने मृतक पर 6 हजार रुपए व फोन चोरी करने का आरोप लगाया था। जिसको लेकर झगडा हो गया था। आरोपी व मृतक सभी कैटरिंग लेबर का काम रहे थे। चारों आरोपियो को अदालत में पेश मामले में गहनता से पूछताछ के लिए 5 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। मामले में संलिप्त अन्य आरोपियों की क्राइम ब्रांच टीम तलाश कर रही है। जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

100 करोड़ के घोटाले केस से नाम हटवाने के बदले आईएएस अधिकारी से मांगे 5 करोड़

महिला आईएएस अधिकारी अनीता यादव से 5 करोड़ रुपये की रकम की मांग की गई है

गुरुग्राम/टीम एक्शन इंडिया
एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) में चल रहे केस से नाम हटाने के बदले महिला आईएएस अधिकारी अनीता यादव से 5 करोड़ रुपये की रकम की मांग की गई है। उन्हें कॉल करके कहा गया है कि 5 करोड़ रुपये दो और इस केस में जांच से नाम हटवा लो। अगर यह रकम नहीं देतीं हैं तो परिणाम भुगतने की भी धमकी उन्हें दे डाली। मामला गृह मंत्री अनिल विज तक भी पहुंचा। अब गुरुग्राम में अधिकारी अनीता यादव की शिकायत पर 5 करोड़ रुपये की मांग करने वाले व धमकी देने के आरोपी पर केस दर्ज किया गया है।
जानकारी के अनुसार एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) में एक मामले में जांच चल रही है। इस मामले में आईएएस अधिकारी अनीता यादव का भी नाम शामिल है। अनीता यादव को एक व्यक्ति ने कॉल की। आरोप है कि उसने अधिकारी अनीता यादव से एसीबी में चल रहे केस से नाम हटवाने की एवज में 5 करोड़ रुपये की मांग कर डाली। अधिकारी अनीता यादव ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि 3 मार्च 2023 को उनके पास एक अनजान व्यक्ति की कॉल आई। उसने अपना नाम ऋषि बताया और कहा कि उसे किसी राजनेता ने उनसे संपर्क करने के लिए कहा गया है। एसीबी में जिस केस में उनका नाम है, उस केस से नाम हटवाने के लिए 5 करोड़ रुपये देने होंगे। अगले दिन 4 मार्च को फिर से उसने अधिकारी अनीता यादव से संपर्क किया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने कहा कि अगर 5 करोड़ रुपये देने से इंकार किया तो इसके परिणाम भुगतने होंगे। उसकी पूरी बात को अधिकारी अनीता यादव ने रिकॉर्ड भी कर लिया। इसके बाद पुलिस में उन्होंने शिकायत दी है। सेक्टर-50 थाना में के एसएचओ राकेश कुमार के मुताबिक आईएएस अधिकारी अनीता यादव की शिकायत पर रंगदारी का मामला दर्ज करने के साथ आरोपी द्वारा की गई कॉल की जांच शुरू कर दी गई है।
फरीदाबाद नगर निगम में घोटाले का है केस: आईएएस अधिकारी अनीता यादव को लेकर जिस मामले में एसीबी जांच कर रही है, वह फरीदाबाद नगर निगम का है। हाल ही में यह जांच एसीबी को सौंपी गई है। फरीदाबाद के निगम पार्षदों की ओर से आरोप लगाए गए थे कि फरीदाबाद निगम में साल 2017 से 2019 के बीच सड़कों से लेकर अन्य कार्यों में करोड़ों रुपए का घोटाला हुआ था।

आरटीओ टीम की रेकी कर चालकों को दे रहा था सूचना, बाइक छोड़ भागा

कैथल/टीम एक्शन इंडिया
मंगलवार को ओवरलोड वाहनों को रोकने के मामले में कार्रवाई करने वाली आरटीओ की टीम का एक व्यक्ति पीछा कर उसकी लोकेशन की जानकारी चालकों के साथ शेयर कर रहा था। टीम के सदस्यों ने उसे पकड़ना चाहा, लेकिन वह अपना मोटरसाइकिल छोड़कर खेतों में फरार हो गया। टीम ने उसका मोटरसाइकिल कब्जे में लेकर उसका चालान कर दिया है। रेकी करने वाले व्यक्ति की पहचान होने के बाद उसके खिलाफ आगामी कार्रवाई की जाएगी। आरटीओ गिरीश चावला ने बताया कि सोमवार को उनकी टीम भारी वाहनों का चालान करने के लिए निकली थी। तभी उनकी गाड़ी के पीछे एक मोटरसाइकिल चालक लगा हुआ था। वह टीम की लोकेशन की जानकारी चालकों को दे रहा था। टीम जैसे ही चालान करते हुए नए बस अड्डे के पास पहुंची तो टीम के सदस्यों को लगातार पीछा कर रहे मोटरसाइकिल चालक पर शक हुआ। टीम के सदस्यों ने अपनी गाड़ी उसकी मोटरसाइकिल के आगे कर उसे पकड़ने का प्रयास किया। लेकिन वह सड़क पर मोटरसाइकिल छोड़कर पैदल ही खेतों में फरार हो गया। मोटरसाइकिल के नंबर के अनुसार उसका मालिक संदीप कुमार है। मोटरसाइकिल का चालान कर पीछा करने वाले की पहचान की जा रही है। जैसे ही उसका पता चलेगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

चीनी उत्पाद गायब, बाजार में छाई भारतीय पिचकारियां और रंग

फतेहाबाद/टीम एक्शन इंडिया
होली-फाग त्यौहार की धूम देखनी है तो बाजार में आइए। त्योहार के दृष्टिगत शहर व गांवों के बाजार रंगों व पिचकारियों से अटे पड़े हैं और और लोग इनकी जमकर खरीदारी भी कर रहे हैं। इस बार बाजार में चीन में बने रंग व पिचकारियां लगभग न के बराबर है। हर तरफ भारतीय उत्पाद बेचा और खरीदा जा रहा है। पिछले सालों की तुलना में इस बार फूलों से तैयार ऑर्गेनिक रंगों की अच्छी खासी बिक्री हो रही है। थोक बाजार के एक प्रमुख विक्रेता राजेन्द्र आहूजा ने बताया कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ? के कारण लोग केमिकल से बने रंगों की बजाय ऑर्गेनिक रंगों की तरफ ज्यादा आकर्षित हो रहे है। ये रंग बेशक महंगे हैं लेकिन इनके खरीददार ज्यादा है। पिछले वर्ष की तुलना में ऑर्गेनिक रंगों की बिक्री तीन गुना बढ़ी है।
रंगों के थोक विक्रेता राजू ने बताया कि चीनी रंग और पिचकारियां बाजार से इसलिए गायब हैं क्योंकि दिल्ली के अधिकांश थोक व्यापारियों ने चीन से माल नहीं मंगवाया। जिनके पास पिछले सालों के स्टॉक बचा हुआ था वही थोड़ा बहुत चीनी माल बिक रहा है। राजू ने बताया कि चीनी पिचकारियों की तुलना में भारत में बनी पिचकारियां मजबूत मानी जाती है। चीन विरोधी माहौल के चलते ग्राहक भी अब भारतीय उत्पाद खरीदकर खुश नजर आता है।
खुदरा विक्रेता रमेश सैनी ने बताया कि बच्चों को आकर्षित करने के लिए इस बार रंगयुक्त पटाखों की भी जमकर बिक्री हो रही है। प्रदूषण रहित ये पटाखे बजाने से रंगों का गुब्बार निकलता है। एक अन्य विक्रेता प्रवीण ने बताया कि बाजार में 10 रुपये से लेकर 200 रुपये तक मूल्य की पिचकारियां उपलब्ध है। इस बार गुलाल वाली गन और सिलेंडर पिचकारी खूब बिक रही है। इसके अलावा बच्चों के लिए टैंक, छोटा भीम, बार्बी डॉल, स्पीडरमैन, मोनो फिश आदि नाम और मॉडल की पिचकारियां भी खूब बिक रही हैं। होली के रंग में भंग न पड़े और इस त्योहार को सुरक्षित मनाने के लिए स्किन स्पेशलिस्ट डॉ. रमा बंसल ने कहा कि केमिकल रंगों का प्रयोग बिल्कुल न करे। इससे त्वचा खराब हो सकती है।

त्यौहार के मद्देनजर भिवानी में पुलिस ने चलाया सर्च अभियान

भिवानी/टीम एक्शन इंडिया
होली के पर्व की खुशियां में कोई असाजिक तत्व किसी प्रकार का खलन ना डालने पाए, इस उद्देश्य को लेकर मंगलवार को पुलिस ने शहर में सर्च अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने होटलों, ढाबों व धर्मशाला सहित अन्य सार्वजनिक स्थान पर छापेमारी की। सर्च अभियान के तहत होटल के रिकॉर्ड की जानकारी भी ली गई व होटल संचालकों को होली के त्यौहार पर सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए। भिवानी सिटी थाना प्रभारी बलदेव सिंह ने बताया कि होली के पर्व पर किसी प्रकार की अप्रिय घटना ना हो व कानून व्यवस्था बनी रहे और कोई भी संदिग्ध व्यक्ति त्योहार पर खलल ना डाले, इसको लेकर भिवानी पुलिस द्वारा शहर के दर्जनों होटल, ढाबे व धर्मशालाओं पर सर्च अभियान चलाकर चेकिंग की गई है। उन्होंने कहा कि इस दौरान होटल, धर्मशालाओं पर रुकने वाले व्यक्तियों में कोई संदिग्ध तो

भिवानी में जगह-जगह हुआ होली पूजन

भिवानी/टीम एक्शन इंडिया
जिला में होली के त्यौहार को लेकर लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया। लोगों ने शहर में कई जगह होली बनाई। सुबह से ही लोगों ने होली का पूजन करना शुरू कर दिया, जो शाम तक जारी रहा। लोगों ने होली पर गोबर के बने हुए बडकुल्ले भी चढ़ाए। महिलाएं सज-धजकर पूजा करने के लिए पहुंची। महिलाओं ने धागा लेकर होली के चारों ओर चक्कर लगाया तथा होली को पानी चढ़ाया। महिलाओं के साथ-साथ युवकों व पुरूषों ने भी होली पूजन किया। वही समाजसेवी संस्थाओं ने पानी बचाने के उद्देश्य से तिलक होली मनाने की शपथ ली तथा पानी व पर्यावरण को बचाने का संकल्प दोहराया। वही पुलिस व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही। शहर के हर होली पूजन स्थल पर 10 पुरूष व दो महिला कर्मियों को तैनात किया गया, ताकि असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाया जा सके। किसानों ने खेतों में तैयार हुई नई फसल गेहूं, चने, जौ का भोग लगाया और अच्छी फसल की कामना की गई। महिलाओं ने गोबर से बने ढ़ाल, बिडकुल्ले व नाल से पूजा कर प्राचीन परम्पराओं के अनुसार पूजा की। वही बच्चों में भी होली पर्व को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। पूजा करने आई महिलाओं ने बताया कि होली पूजन को लेकर उनकी गहरी आस्था है। महिलाओं का कहना था कि जिस तरह भक्त प्रहलाद की रक्षा भगवान ने की उसी तरह वे अपने बच्चों की रक्षा की कामना के लिए होली का पूजन करती हैं तथा व्रत रखती है। यही नहीं होली की विधिवत पूजा के साथ-साथ नाल के धागे को रक्षा सूत्र के रूप में भी होलिका पर बांधा जाता है। उन्होंने कहा कि होली का मतलब सिर्फ और सिर्फ रंग हैं और होली का रंग इंसान के सिर्फ बाहरी आवरण को नहीं, बल्कि मन को भी अंदर से रंग देता है। इस मौके पर एएसआई दशरथ ने बताया कि भिवानी शहर के सभी प्रवेश द्वारों पर होली के त्यौहार को देखते हुए नांके लगाए गए है। होलिका दहन वाले हर स्थल पर 10 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है, जिनमें दो महिला पुलिस कर्मी भी तैनात है।

देह व्यापार मामले में पांच लड़कियां कराई मुक्त

रेवाड़ी/टीम एक्शन इंडिया
रेवाड़ी के नाईवाली चौक स्थित एक होटल में पुलिस ने सोमवार रात को छापामारी कर पांच लड़कियों को मुक्त कराया है। होटल संचालक द्वारा जबरदस्ती लड़कियों से देहव्यापार कराया जा रहा था। होटल संचालक सहित दो आरोपितों को भी गिरफ्तार किया गया है। होटल से मुक्त कराई गई लड़कियों को पुलिस ने वन स्टाप सेंटर में भेज दिया है। सभी लड़कियां अन्य राज्यों की रहने वाली है।

एससी समाज की महिलाओं से यौन शोषण के आरोपियों को बचाने के एंगल से जांच: रजत कलसन

हिसार/टीम एक्शन इंडिया
हिसार पुलिस रेंज के जिलों व शहरों में खासकर एससी समाज की महिलाओं व बालिकाओं के खिलाफ बढ़ रहे यौन अपराधों तथा इन अपराधों की जांच में पुलिस के पक्षपाती रवैया से आक्रोशित दलित समाज के लोगों ने मंगलवार को पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय के सामने एकत्रित होकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व नेशनल अलायन्स फॉर दलित ह्यूमन राइट्स के संयोजक अधिवक्ता रजत कल्सन ने किया। कार्यकताओं ने इस दौरान पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान आईजी कार्यालय के बाहर एससी समाज के जमावड़े को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया हुआ था। इस प्रदर्शन में मौजूद सैंकड़ों की संख्या में मौजूद प्रदर्शनकारियों व सामाजिक कार्यकताओं ने अपने भाषणों में एससी समाज की महिलाओं के खिलाफ बढ़ते हुए अपराधों के लिए पुलिस को जिम्मेदार बताया। उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाया की दलित महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न के केसों में पुलिस जानबूझकर पीड़ित पक्ष के खिलाफ जांच करती है तथा आरोपियों को बचाने का प्रयास करती है। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए अधिवक्ता रजत कलसन ने कहा की एससी समाज की बच्चियों के साथ ही यौन उत्पीड़न के अपराधों में अधिकतर मामलों में पुलिस पीड़िता की शिकायत भी दर्ज नहीं करती है। अगर शिकायत दर्ज करती है तो पुलिस द्वारा ही समाज में बदनाम होने का भय दिखाकर पीड़ित पक्ष पर समझौते का दबाव बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा पीड़िता के जो बयान दर्ज किए जाते हैं उसमें जानबूझकर पीड़िता द्वारा कही गई सारी बातों को नहीं लिखा जाता है। रोष प्रदर्शन में हांसी के समीप एक गांव की दलित नाबालिक स्कूली छात्रा के साथ हुए यौन उत्पीड़न के मामले में उसके परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके मामले में आरोपियों का पक्ष में जांच की तथा उनके घर पर आकर खाप पंचायतों ने समझौते का दबाव बनाया तथा इस मामले की मुख्य आरोपी स्कूल की प्रिंसीपल को भी पुलिस ने अभी तक गिरफ्तार नहीं किया है।

गन्ना कैलेंडर में गड़बड़ी करने के विरोध में किसानों ने दिया धरना

कैथल/टीम एक्शन इंडिया
मंगलवार को किसानों ने गन्ना कैलेंडर में हेराफेरी करने के विरोध में कैथल शुगर मिल में धरना दिया। धरने की अगुवाई भारतीय किसान संघ के प्रदेश प्रचार महासचिव गलतान सिंह नैन ने की। धरना स्थल पर पहुंचे कैन मैनेजर के साथ इस मसले को लेकर किसानों की खूब बहस हुई। किसानों ने कैन मैनेजर पर पक्षपात करने के आरोप लगाए। सुबह 10:00 बजे शुगर मिल के बाहर किसानों ने धरना शुरू कर दिया। धरने में बोलते हुए गुलतान नैन ने कहा कि गन्ना लेने के लिए 103 तालियों को टोकन जारी किया गया था। जब किसानों ने यार्ड में जाकर देखा तो वहां केवल 90 ट्राली मिली। इसी तरह गन्ना कैलेंडर के अंदर 21 हजार दो शो किसानों का नाम दिखाया गया था। लेकिन कैन मैनेजर ने कैलेंडर को बाईपास करके अपने चहेतों को उसमें शामिल कर लिया और यह संख्या 27 हजार हो गई। दो किसानों ने इसकी शिकायत डीसी कैथल को की। इससे नाराज होकर कैन मैनेजर ने उन दो किसानों के बांड बंद कर दिए। जो डीसी को शिकायत करने के बाद दोबारा शुरू किए गए। कैन मैनेजर रामपाल किसानों के धरने पर पहुंचे और उनसे बात की। वह 103 टोकन जारी करने की बात का कोई जवाब नहीं दे सके। रामपाल ने किसानों से बहस करने के बाद उन्हें आश्वासन दिया कि आइंदा किसी भी प्रकार की उन्हें कोई शिकायत तो शुगर मिल से नहीं मिलेगी। इसके बाद किसानों ने धरना समाप्त कर दिया।

अलमारी का ताला ठीक करने के बहाने चुराए लाखों के आभूषण

हिसार/टीम एक्शन इंडिया
अलमारी का ताला ठीक करने के बहाने मकान मालिक को बातों में उलझाकर ताला ठीक करने आए कारीगरों ने लगभग चार लाख रुपये के आभूषण चुरा लिए। चोरी का पता चलने पर मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी, जिस पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की। पुलिस को दी शिकायत में मकान मालिक विनोद वर्मा ने बताया कि वह रामपुरा मोहल्ला की गली नंबर चार में रहता है। सोमवार को उसकी गली में ताला ठीक करने के लिए दो व्यक्ति आए। उसकी अलमारी का भी ताला खराब था तो उसने उनको बुलाया और अपना ताला दिखाया। उन्होंने चाबी लगाई, लेकिन ताला नहीं खुला। साथ ही चाबी भी लॉक के अंदर ही फंसा दी। इसी दौरान आरोपियों ने उससे पानी मांगा। वह पानी लेने चला गया और उन्हें पानी पिलाया। इसी दौरान आरोपियों ने अलमारी से सोने के जेवर, जिसमें पांच अंगूठी, दो सैट, एक मंगलसूत्र, तीन टॉप्स जोड़ी सहित 18 से 20 तोला सोना था।

जींद पुलिस ने दबोचा एंटी करप्शन ब्यूरो का सरगना

जींद/टीम एक्शन इंडिया
हरियाणा में एंटी करप्शन ब्यूरो के नाम से लोगों को ब्लैकमेल करके ठगने वाले एक फर्जी गिरोह का जींद पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से फर्जी नंबर प्लेट, प्रशासनिक फ्लैग, आई कार्ड बरामद किए हैं। इनका नेटवर्क जींद के अलावा पानीपत, सोनीपत, हिसार में फैला हुआ था। गिरोह का सरगना पानीपत निवासी वेद प्रकाश है, जो कि यूट्यूबर और 10वी पास है। ये 21 हजार रुपए तक लेकर सदस्यता देते थे।
3 मार्च से चल रही कार्रवाई: डीएसपी रोहताश सिंह ढुल, सिविल लाइन थाना प्रभारी सोमबीर ढाका ने बताया कि 3 मार्च को जींद पुलिस को सूचना मिली थी कि लघु सचिवालय के सामने की हूडा कॉम्प्लेक्स में एलआईसी के पास एक गाड़ी खड़ी हुई है। इस पर एंटी करप्शन ह्यूमन राइट्स डिप्टी डायरेक्टर की प्लेट तथा झंडी भी लगी हुई है। कार में सवार 3 युवक लोगों को ठगने का कार्य कर रहे हैं। गांव बुढ़ा खेड़ा निवासी दिनेश कुमार, खटकड़ गांव निवासी लवली और अनिल को गिरफ्तार किया।
अब ये हुए गिरफ्तार: जींद पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद 2 दिन रिमांड पर लिया और सख्ती से पूछताछ की तो बड़े गिरोह का पर्दाफाश हुआ। पुलिस ने 2 और आरोपियों पानीपत निवासी साहिल खुराना और वेद प्रकाश दुआ को गिरफ्तार कर लिया
कई जिलों में फैला है नेटवर्क: सिविल लाइन थाना प्रभारी सोमबीर ढाका ने बताया कि आरोपियों ने जींद के अलावा पानीपत, सोनीपत, हिसार में भी अपना नेटवर्क फैलाया हुआ है। पानीपत का वेद प्रकाश युवाओं को बहका कर उनसे एंटी करप्शन ब्यूरो में काम करने के लिए मनाता था। उसने 2100 रुपए सदस्यता के तौर पर लिए जाते थे।

जल मंत्री ने जल के नए स्रोतों और प्रदूषण नियंत्रण उपायों पर की चर्चा

नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया

दिल्ली के जल मंत्री कैलाश गहलोत ने आज दिल्ली में गर्मी के मौसम से पहले निर्बाध जलापूर्ति की तैयारियों की समीक्षा के लिए दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) और जल विभाग के अधिकारियों के साथ एक बैठक की। बैठक के दौरान जल मंत्री ने दिल्ली के लिए पानी के सभी मौजूदा स्रोतों, पानी के संभावित नए स्रोतों और पानी में प्रदूषण के कारणों के बारे में विस्तृत चर्चा की। दिल्ली के जल मंत्री कैलाश गहलोत ने एक बयान में कहा, "दिल्ली में आगामी गर्मी के मौसम में निरंतर पानी की आपूर्ति की तैयारियों पर चर्चा करने के लिए दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के साथ बैठक की। स्वच्छ पानी-भोजन और बिजली की तरह प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है। डीजेबी 15,300 किमी के अपने विस्तृत नेटवर्क के साथ दिल्ली की सभी कॉलोनियों में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कई रणनीतियों पर काम कर रहा है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि दिल्लीवासियों को स्वच्छ पानी मिले।" भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (क्टऊ) की भविष्यवाणी के अनुसार, इस वर्ष दिल्ली में गर्मी की लंबी अवधि हो सकती है, जिससे शहर में पीने के पानी की मांग बढ़ सकती है। जल मंत्री ने पानी की बढ़ती मांग के बारे में अपनी चिंता व्यक्त करते हुए सूक्ष्म स्तर पर समाधान खोजने के लिए समय-समय पर बैठकें करने और स्वयं और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लगातार दौरे करने का निर्णय लिया। दिल्ली जल बोर्ड 990 टञ्ळ्ळ पानी की आपूर्ति करता है जिसमें 864 सतही पानी और 126 टञ्ळ्ळ भूजल शामिल है। दिल्ली में 21.5 मिलियन आबादी की वर्तमान मांग 1290 टञ्ळ्ळ है। डीजेबी अब 9 जल उपचार संयंत्र (डब्ल्यूटीपी), 16 रेनी वेल और 4681 नलकूप संचालित करता है। 9 डब्ल्यूटीपी सोनिया विहार, भागीरथी, चंद्रावल, वजीराबाद, हैदरपुर, नांगलोई, ओखला, बावन और द्वारका में हैं। प्राथमिक भूमि जलाशय और बूस्टर पम्पिंग स्टेशनों की संख्या 117 है जबकि वाटरलाइन नेटवर्क 15300 कि.मी. का है। दिल्ली में पानी की कमी वाले क्षेत्रों में डीजेबी 1200 टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति करता है। दिल्ली में पानी की आपूर्ति बढ़ाने के लिए, डीजेबी भूजल वृद्धि पर काम कर रहा है जिसमें उच्च जल स्तर वाले क्षेत्रों में नलकूप, झीलों में अच्छी गुणवत्ता वाले उपचारित प्रवाह का पुनर्भरण, 6 स्थानों पर आरओ संयंत्रों की निकासी और स्थापना, विकेंद्रीकृत स्थापना शामिल है। इसके अलावा पूर्वी दिल्ली में अमोनिया रिमूवल ट्रीटमेंट प्लांट, ओखला में 6 एमजीडी अमोनिया रिमूवल डब्ल्यूटीपी का पुनर्वास और बवाना में रिसाइकिलिंग प्लांट शामिल हैं ।

स्वास्थ्य मंत्री ने इहबास में मरीजों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य व व्यवस्थाओं के बारे में ली जानकारी

नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया

केजरीवाल सरकार,दिल्ली में सभी नागरिकों को बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं देने और पब्लिक हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में युद्धस्तर पर काम कर रही है। इसी के मद्देनजर दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री राजकुमार आनंद मंगलवार को दिलशाद गार्डन स्थित दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट और इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहैवियर एंड अलाइड साइंसेज (इहबास) का अचानक औचक निरीक्षण करने पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने दोनों संस्थानों के विभिन्न वार्डों और ओपीडी का दौरा किया। इन संस्थानों में इलाज करा रहे मरीजों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और व्यवस्थाओं को बारीकी से जांचा। संस्थानों में अव्यवस्थाओं को दूर कर मरीजों को किफायती और गुणावत्तायुक्त स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य मंत्री ने कैंसर रोगियों को तत्परता से राहत पहुंचाने के दिए निर्देश

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री राजकुमार आनंद मंगलवार सुबह अचानक दिलशाद गार्डन स्थित दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में व्यवस्थाओं को जायजा लेने पहुंचे। यहां विभिन्न वार्डों में जाकर मशीनों और उपकरणों के बारे में जानकारी ली। साथ ही जांच प्रक्रियाओं का मुआयना कर कैंसर रोगियों के इलाज संबंधी प्रक्रियाओं का जायजा लिया। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री ने कैंसर रोगियों के इलाज में आने वाली अड़चनों को खत्म कर मरीजों को तत्परता से राहत पहुंचाने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य मंत्री राजकुमार आनंद ने कहा कि वर्तमान समय में कैंसर एक भयानक बीमारी के रूप में उभरकर सामने आई है। यह एक ऐसा रोग है जो किसी भी उम्र में हो सकता है। अगर हमें देश को कैंसर मुक्त राष्ट्र बनाना है तो सबसे पहले इस रोग से जुड़े मिथकों व विकृत मानसिकता को मिटाने के लिए जन-जागृति कार्यक्रमों में तेजी लानी होगी। केजरीवाल सरकार का लक्ष्य कैंसर मरीजों को बेहतर जिंदगी देना है। दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में केजरीवाल सरकार की ओर से बेहद किफायती व कैंसर की गुणवत्तायुक्त चिकित्सा उपलब्ध की जा रही है।

इहबास में व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री राजकुमार आनंद

इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री राजकुमार आनंद, इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहैवियर एंड अलाइड साइंसेज (इहबास) में व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे। मरीजों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य व व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

दिल्ली हाईकोर्ट ने महिला को दी 27 हफ्ते का भ्रूण हटाने की अनुमति

नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया

दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महिला को अपने 27 हफ्ते के भ्रूण को हटाने की अनुमति दे दी है। जस्टिस प्रतिभा सिंह की बेंच ने एम्स की मेडिकल रिपोर्ट पर गौर करने के बाद एम्स को आदेश दिया कि महिला के पेट में पल रहा भ्रूण 9 मार्च को हटा दिया जाए। दरअसल, एम्स के छह सदस्यीय मेडिकल बोर्ड ने रिपोर्ट दी थी कि भ्रूण के दिल में गंभीर असामान्यता है। इससे पहले हाईकोर्ट ने 3 मार्च को एम्स को मेडिकल बोर्ड गठित कर रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया था। कोर्ट का दरवाजा खटखटाने से पहले याचिकाकर्ता 32 वर्षीय महिला ने अल्ट्रासाउंड कराया था, जिसमें उसके 27 हफ्ते के भ्रूण के दिल में गंभीर असामान्यता दिखी थी। एमटीपी कानून में हुए संशोधन के बाद 24 माह तक के भ्रूण को भी कुछ विशेष परिस्थितियों में हटाने की इजाजत दी जा सकती है।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निविदा संख्या : 28A–क.वि.– नई दिल्ली–2022–23 दिनांक: 06.03.2023

वरिष्ठ मंडल वि. अभि./क. वि. डी. आर. एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली निविदायें आमंत्रित करते है।

1	कार्य का नाम व स्थान	दिल्ली डिवीजन में मौजूदा टीएसएस और स्विचिंग पोस्ट में अर्थिंग व्यवस्था का प्रतिस्थापन / प्रावधान।
2	अनुमानित लागत	रू. 11815578.5 /–
3	बयाना राशि	रू. 209100 /–
4	ई–निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि	17.03.2023 (10:30 बजे)
5	ई–निविदा समापन की अंतिम तथा ई–निविदा खुलने की तारीख और समय	31.03.2023 (15:00 बजे)
6	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in

723/23

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

"एक स्टेशन एक उत्पाद"

हजरत निजामुद्दीन, दिल्ली, गाजियाबाद, सोनीपत, पानीपत, मेरठ सिटी, मुजफ्फरनगर, गुड़गांव, रोहतक, पलवल, करनाल, कुरुक्षेत्र, पटौदी रोड, मेरठ कैंट, दिल्ली शाहदरा, बहादुरगढ़, सब्जी मंडी, दिल्ली कैंट, समालखा और गन्नौर स्टेशनों पर 'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना के तहत स्टॉल/कियोस्क स्थापित करने हेतु आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं।

- उक्त योजना 10.03.2023 से शुरू की जाएगी।
- स्टॉल/कियोस्क स्थापित करने की अवधि हर बार एक महीने की होगी।
- 2000 रु. का टोकन शुल्क एक महीने की प्रत्येक अवधि के लिए हर बार अलग से लिया जाएगा।
- प्रतिभागी के लिए पात्रता मानदंड निम्नलिखित हैं: [illegible]
- आवेदक को स्टेशन अधीक्षक को एक वचन पत्र प्रस्तुत करना होगा जिसमें यह संकेत दिया जाएगा कि ट्रेन संचालन, यात्री सुरक्षा और रेलवे की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए कोई गतिविधि नहीं की जाएगी।
- आवेदक द्वारा आवेदन इस अधिसूचना के जारी होने के बाद 10.03.2023, 15:00 बजे तक स्टेशन अधीक्षक को संबोधित व जमा किया जा सकता है।
- [illegible]
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना रेलवे बोर्ड वाणिज्यिक परिपत्र संख्या: 12/2022 के तहत/अधीन मान्य होगी, उपरोक्त परिपत्र वेबसाइट: www.indianrailways.gov.in & URL: https://indianrailways.gov.in/railwayboard/uploads/directorate/traffic_comm/Comm_Cir_2022/OSOP%20Policy.pdf पर उपलब्ध है।
- इस से सम्बंधित किसी भी जानकारी के लिए आवेदक संबंधित स्टेशनों के स्टेशन अधीक्षक या सीएमआई से संपर्क कर सकता है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 726/23

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: JHS-N-W-12-23 दिनांक: 06.03.2023

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल सिगनल व दूरसंचार अभियंता उत्तर मध्य रेल झांसी भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टैन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

ई-निविदा सूचना संख्या	JHS-N-W-12-23
कार्य का नाम	प्रोविजन ऑफ सिगनल एंड टेलीकॉम वर्क्स इन कनेक्शन विथ दी वर्क ऑफ सैंटीबर, टीटीआर एंड टीक्यूप्स वर्क इन झांसी-कानपुर सेक्शन ऑफ झांसी डिवीजन।
कार्य लागत लगभग	₹ 63681114.49
धरोहर राशि	₹ 467900/-
निविदा प्रपत्र का मूल्य	Nil
निविदा खुलने की तिथि	28.03.2023 Time 15:00
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधि	18 माह

निविदा दिनांक 28.03.2023 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in (NORTH CENTRAL RLY / JHANSI DIVISION-S AND T) पर देखें। 355/23 (A)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @northcentralrailway | @CPRONCR

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

ई–प्रापण प्रणाली के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित करना।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110001, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, निम्नलिखित मदों की आपूर्ति के लिए ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम के माध्यम से ई–निविदा आमंत्रित करता है:–

क्र.सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	82234982	ऑर्थोपेडिक फ़ैक्चर फिक्सेशन सेट विद पेनेट्रेशन रॉड	18 नग	05.04.2023

निविदा शर्तें 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी।

टेंडर नोटिस सं. सर्जरी मद दिनांक : 07.03.2023 716/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

ई–प्रापण प्रणाली के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित करना।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110001, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, निम्नलिखित मदों की आपूर्ति के लिए ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम के माध्यम से ई–निविदा आमंत्रित करता है:–

क्र.सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	82233731ए	[illegible]	66 नग	05.04.2023

ध्यान दें– 1. निविदा IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर जा सकते हैं। विवरण के लिए। 2. किसी भी मैनुअल प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जाएगा।

निविदा सूचना क्रमांक सर्जरी मद दिनांक: 07.03.2023 717/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: JHS-N-W-13-23 दिनांक: 04.03.2023

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल सिगनल व दूरसंचार अभियंता उत्तर मध्य रेल झांसी भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

ई-निविदा सूचना संख्या	JHS-N-W-13-23
कार्य का नाम	एस एंड टी वर्कस इन कनेक्शन विथ प्रोविजन ऑफ आर.ओ.बी./आर.यू.बी. एट एलसी गेट्स 402, 403, 404, 407, 407A, 412 & 451) इन झांसी-ग्वालियर सेक्शन ऑफ झांसी डिवीजन।
कार्य लागत लगभग	₹ 9704297.34
धरोहर राशि	₹ 194100.00
निविदा प्रपत्र का मूल्य	Nil
निविदा खुलने की तिथि	27.03.2023 Time 15:00
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधि	12 माह

निविदा दिनांक 27.03.2023 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in (NORTH CENTRAL RLY / JHANSI DIVISION-S AND T) पर देखें। 346/23 (A)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @northcentralrailway | @CPRONCR

दिल्ली वक्फ बोर्ड की 123 संपत्तियों पर हाईकोर्ट 15 मार्च को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया

दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली वक्फ बोर्ड की ओर से उसकी 123 संपत्तियों पर केंद्र के कब्जे संबंधी आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई टाल दिया है। जस्टिस मनोज कुमार ओहरी की बेंच ने केंद्र सरकार के आदेश पर यथास्थिति बहाल करने का आदेश देने से इनकार कर दिया। मामले की अगली सुनवाई 15 मार्च को होगी। वक्फ बोर्ड की ओर से पेश वकील राहुल मेहरा ने कहा केंद्र सरकार ने वक्फ बोर्ड की संपत्तियों को अपने कब्जे में लेने के लिए काफी तुच्छ वजह बताई है कि वक्फ बोर्ड का इन संपत्तियों में कोई रुचि नहीं है। उन्होंने कहा कि इन संपत्तियों की कम से कम पांच बार पड़ताल हो चुकी है और हर बार ये पता चला कि वे वक्फ की हैं। अंतिम पड़ताल केंद्र सरकार की ओर से नियुक्त एक सदस्यीय कमेटी ने की थी। केंद्र ने इन संपत्तियों का कब्जा लेने का फैसला लिया है, जिसका वक्फ बोर्ड विरोध कर रहा है। दिल्ली वक्फ बोर्ड ने अर्जी दाखिल कर केंद्र सरकार की ओर से 8 फरवरी को जारी उस पत्र को चुनौती दी है जिसमें दिल्ली वक्फ बोर्ड की 123 संपत्तियों को कब्जे में लेने की बात कही गई है। दिल्ली वक्फ बोर्ड की ओर से वरिष्ठ वकील राहुल मेहरा ने कहा कि केंद्र सरकार को वक्फ बोर्ड की संपत्ति अपने कब्जे में लेने का अधिकार नहीं है।

एक्शन इंडिया

(राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक)

समाचार पत्र में वर्गीकृत, अदालती सूचना, पासपोर्ट में नाम परिवर्तन, खोया-पाया, नाम परिवर्तन, नाम सुधार, बेदखली सूचना, मजहब परिवर्तन, बैंक नोटिस सहित सभी प्रकार की सूचना एवं विज्ञापन प्रकाशित कराने के लिए सम्पर्क करें :-

एक्शन इंडिया मीडिया हाउस

ए-15, जी टी करनाल रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, दिल्ली- 33

संपर्क सूत्र: 8447314925, 9999889104

विज्ञापनों के लिये भारत सरकार सहित दिल्ली सरकार, हरियाणा सरकार, उत्तराखंड सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार, हिमाचल प्रदेश सरकार, राजस्थान सरकार सहित सभी सरकारी विभागों द्वारा मान्यता प्राप्त।

क्लासीफाइड

टूर एण्ड ट्रैवल्स

कैनेडा-ऑस्ट्रेलिया फ्री वीजा, रहना, खाना, 2 साल का वर्क परमिट। कमाएं 3 लाख महीना। कोई पैसा ना वीजा से पहले ना बाद में। चाहिए हेल्पर, कारपेंटर, मेसन, वैल्डर, प्लम्बर, ड्राइवर, ऑपरेटर, स्टोरकीपर, वेटर, सुपरवाईजर, मैनेजर, कुक इत्यादि। सरकारी रजिस्टर्ड कंपनी से ही अप्लाई करें। **फोन : 73476708**

वर्क वीजा कैनेडा, ऑस्ट्रेलिया, कंस्ट्रक्शन/स्टोर/आईटी कंपनियों में जरूरत : स्टोर कीपर, कम्प्यूटर आपरेटर, फूड पैकर, ड्राईवर, इलेक्ट्रीशियन, प्लम्बर, सिक्योरिटी, गार्ड, वेटर, कुक, नो एडवांस, रहना, खाना, टिकट, बीमा फ्री। एजेंट्स वैलकम। **रूद्राश 9815119633, 9855577523**

कैनेडा-ऑस्ट्रेलिया 3 साल का वीजा, फ्री रहना, खाना और टिकट कम्पनी देगी। सैलरी 2 से 3 लाख महीना। हैल्पर, कारपेन्टर, मैसन, प्लम्बर, ड्राईवर, कुक, वेटर, आपरेटर, सुपरवाईजर इत्यादि चाहिये। रजिस्टर्ड कम्पनी से ही अप्लाई करें। **फोन : 7087033731**

कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, दुबई, कुवैत, सऊदी, रशिया, सिंगापुर, में पढ़े-लिखे और अनपढ़ कारीगरों और हैल्पर की भारी जरूरत। वीजा के पैसे सैलरी से कटवाएं। फोन : 7710404041

खोया-पाया

मैं श्वेता पाठक, पुत्री श्री प्रशांत कुमार शर्मा, मकान नं. 62 गांव पोशंगीपुर, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 की निवासी हूं। त्रुटिवश मेरी 10वीं की मार्कशीट महावीर नगर में कही खो गई है, जिसका अनुक्रमांक नंबर 0122362 है। जिस किसी को मिले कृप्या उपरोक्त पते पर संपर्क करे।

बेदखली सूचना

मैं सुरेश पुत्र संजय सिंह बी1, तिलक नगर का निवासी हूं। मेरा पुत्र रमेश कुमार शादीशुदा है व उसकी पत्नी का नाम महिमा है। दोनों अपनी मनमानी करते है व परिवार में दिन-रात झगड़ा करते हैं। वहीं मेरी पुत्रवधू महिमा दहेज उत्पीड़न के केस में फंसाने की धमकी देती है। जिस कारण पूरा परिवार परेशान है। मैं अपने पुत्र व उसकी पत्नी को अपनी चल-अचल संपित्त से बेदखल करता हूं। भविष्य में उनसे जो भी संबंध रखेगा या लेन-देन करेगा वो खुद जिम्मेवार होगा। मेरे या मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। २

बेदखली सूचना

मैं महेश कुमार पुत्र शनि सिंह बी1, मंगोलपुरी का निवासी हूं। मेरा पुत्र महेश कुमार शादीशुदा है व उसकी पत्नी का नाम सीमा है। दोनों अपनी मनमानी करते है व परिवार में दिन-रात झगड़ा करते हैं। वहीं मेरी पुत्रवधू सीमा दहेज उत्पीड़न के केस में फंसाने की धमकी देती है। जिस कारण पूरा परिवार परेशान है।

बेदखली सूचना

मैं सतीश शाह पुत्र मनीष शाह सी2 , पटेल नगर का निवासी हूं। मेरा पुत्र संचित शाह शादीशुदा है व उसकी पत्नी का नाम मनोरमा शाह है। दोनों अपनी मनमानी करते है व परिवार में दिन-रात झगड़ा करते हैं। वहीं मेरी पुत्रवधू मनोरमा शाह दहेज उत्पीड़न के केस में फंसाने की धमकी देती है। जिस कारण पूरा परिवार परेशान है। मैं अपने पुत्र व उसकी पत्नी को अपनी चल-अचल संपित्त से बेदखल करता हूं। भविष्य में उनसे जो भी संबंध रखेगा या लेन-देन करेगा वो खुद जिम्मेवार होगा। मेरे या मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

बेदखली सूचना

मैं दयशंकर पुत्र राम सिंह बी1, जनकपुरी का निवासी हूं। मेरा पुत्र राजू सिंह शादीशुदा है व उसकी पत्नी का नाम पूजा है। दोनों अपनी मनमानी करते है व परिवार में दिन-रात झगड़ा करते हैं। वहीं मेरी पुत्रवधू महिमा दहेज उत्पीड़न के केस में फंसाने की धमकी देती है। जिस कारण पूरा परिवार परेशान है। मैं अपने पुत्र व उसकी पत्नी को अपनी चल-अचल संपित्त से बेदखल करता हूं। भविष्य में उनसे जो भी संबंध रखेगा या लेन-देन करेगा वो खुद जिम्मेवार होगा। मेरे या मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। २

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री उदय प्रदाप पुत्र स्व. श्री मजोल लाल व चंदा पत्नी श्री मजोल लाल, निवासी- नंगली जालिब, जनकपुरी, बी-1 ब्लॉक , नई दिल्ली-58 के पुत्र राधेश्याम व उसकी पत्नी रमावती को उनके व्यवहार ठीक नहीं होने के कारण दिनांक 16-01-2015 को बेदखल कर दिया था लेकिन अब उनके व्यवहार मेरे मुवक्किल के प्रति अच्छे हो गये हैं। अब उनसे अपने सभी प्रकार के संबंध अपना लिए हैं तथा अब उपरोक्त दोनों उनके समस्त चल व अचल सम्पत्ति में हकदार होंगे और भविष्य में अब दोनों मेरे मुवक्किल के साथ रहेगें। अब उन दोनों से मेरे मुवक्किल को कोई शिकायत नहीं है।

खोया-पाया

मैं राधा सचदेवा, पुत्री श्री संजय सचदेवा, मकान नं. 62 गांव पोशंगीपुर, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 की निवासी हूं। त्रुटिवश मेरी 10वीं की मार्कशीट महावीर नगर में कही खो गई है, जिसका अनुक्रमांक नंबर 0224532 है। जिस किसी को मिले कृप्या उपरोक्त पते पर संपर्क करे।

प्रेम और सद्भावना के साथ शांतिपूर्ण व सुरक्षित तरीके से मनाएं रंगों का त्यौहारः एसपी

होली पर करनाल वासियों की सुरक्षा के लिये अतिरिक्त सतर्क रहेगी पुलिस

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
होली के इस पावन अवसर पर पुलिस अधीक्षक गंगाराम पूनिया ने सभी करनाल वासियों को होली की शुभकामनाएं दी और साथ ही अधिक सतर्क रहते हुये रंगों व खुशियों के पर्व होली को सुरक्षित एंव इको-फ्रेंडली तरीके से आपसी भाईचारा बनाए रखते हुये मनाने के लिये आग्रह भी किया गया।
पुलिस अधीक्षक ने शांतिपूर्वक व सुरक्षित तरीके से होली का त्योहार मनाने और इस दौरान किसी भी प्रकार का नशा इत्यादि का सेवन न करने की अपील की। लोग सावधानी बरतें, प्रेम और सद्भाव के साथ रंगों का पर्व मनाएं।
होली पर्व के अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी थाना प्रबंधक व पुलिस चौकी इंचार्जों को होली पर वाले दिन अपने अपने एरिया में अलर्ट रहकर ड्यूटी करने व उचित गश्त करने के निर्देश दिए गए हैं। हुड़दंगबाजी व नशा करके वाहन चलाने वाले असामाजिक तत्व पर अंकुश लगाने के लिए जिले में विभिन्न जगहों पर 14 जगहों पर नाकाबंदी की गई है। इसके अलावा पुलिस की पांच रिजर्व फोर्स जिले में अलग-अलग जगह पर अलर्ट पर रहेंगी, ताकि किसी भी प्रकार की सूचना मिलने पर तुरंत स्थिति

को संभाला जा सके। इसके अलावा जिलेभर में राइडर व डायल 112 की गाडिंयों द्वारा निरंतर पेट्रोलिंग की जाएगी।
पुलिस अधीक्षक गंगाराम पूनिया द्वारा जिला पुलिस के तमाम पुलिस थानों, पुलिस चौकियों व विशेष यूनिटों की टीमों को जिलाभर में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिये अतिरिक्त सतर्कता बरतने के लिये निर्देश दिये गये। होली पर्व के पावन अवसर पर किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिये पर्याप्त व व्यापक पुलिस प्रबंध किये गये हैं।
शराब पीकर गाडी चलाने व हुडदंगबाजी करने वालों पर नजर रखने के लिये जिले में विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी की गई है। इसके अतिरिक्त होली समारोह स्थलों और सभाओं में सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये सार्वजनिक स्थानों पर गश्त करने के लिये पुलिस टीमें भी बनाई गई हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि असमाजिक तत्वों पर पुलिस की विशेष निगरनी बनी रहेगी और किसी भी गैर कानूनी गतिविधी में शामिल पाए जाने पर कानूनन सख्त कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि कोई भी संदिग्ध सूचना या अपराधिक गतिविधि होने पर तुरंत अपने नजदीकि पुलिस थाना, पुलिस चौकी, डायल 112 या करनाल पुलिस के कण्ट्रोल रूम को सूचित करें।

योग तनाव और चिंता का प्रबंधन करने में करता है सहायता : दिनेश गुलाटी

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
मेरा मिशन स्वस्थ भारत के तहत सेक्टर-13 ग्रीन बेल्ट में आयोजित दो दिवसीय योग एवं ध्यान साधना शिविर में योग गुरु दिनेश गुलाटी ने लोगों को योग करवाते हुए योग का महत्व समझाया। शिविर में उपस्थित सभी साधकों ने योग की सभी क्रियाएं और आसन प्राणायाम किया। दिनेश गुलाटी ने बताया कि आज हजारों लोग उनके साथ ऑनलाइन रहकर भी स्वस्थ हो रहे हैं। आज स्वस्थ जीवन शैली बहुत आवश्यक है और योग इसमें बहुत मदद करता है। इस विशेष शिविर में उन्होंने प्राणायाम का महत्व बताते हुए कहा कि शरीर और आत्मा को नियंत्रित करने में योग सहायता करता है। मन को शांत करने के लिए शारीरिक और मानसिक संतुलन बनाता है।

न्यूज फ्लैश

सीएम का होली पर्व पर हरियाणा पुलिस में चयनित उम्मीदवारों के लिए एक अनुपम उपहार

करनाल/टीम एक्शन इंडिया।
रंगों का त्यौहार होली का पर्व हरियाणा पुलिस में चयनित उम्मीदवारों के लिए वास्तव में रंग भरा साबित हो रहा है। हरियाणा सरकार का होली के पर्व पर चयनित उम्मीदवारों के लिए एक अनुपम उपहार है। मधुबन पुलिस अकादमी में मंगलवार को पुलिस सिपाही ज्वाईनिंग प्रक्रिया तेजी से जारी रही। सभी चयनित उम्मीदवारों को मेडिकल चैकअप के लिए स्वास्थ्य विभाग में भेजा गया। मेडिकल करवाने उपरांत प्रार्थी ज्वाईनिंग के लिए मधुबन पुलिस अकादमी पहुंचे। ज्वाईनिंग के लिए पहुंचने वाले उम्मीदवारों के चेहरे पर खुशी की झलक स्पष्ट दिख रही थी। जब इस विषय में करनाल जिला के गांव नरूखेडी के चयनित युवा गुरूदेव से बात कि तो गुरूदेव ने बताया कि हरियाणा सरकार ने होली के त्यौहार पर उनके जीवन में रंग भरने का काम किया है, इसके लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल का तह दिल से आभार प्रकट करता हूँ। गुरूदेव का कहना है कि परिवार में पहले किसी के पास भी सरकार नौकरी नही है और मुझे इसी सरकार से उम्मीद थी कि मेरी योग्यता के आधार पर नौकरी जरूरी मिलेगी और ऐसा ही बिना खर्ची व पर्ची के आधार पर मुझे यह नौकरी मिली है। इसी प्रकार रोहतक जिला के गांव बोहर निवासी अंकित ने बताया कि उसने गणित विषय से एमएससी की है और लगभग 6 वर्ष पूर्व पिता के देहांत के बाद परिवार की जिम्मेवारी का दबाव भी मेरे ऊपर था। ऐसे में उनकी उम्मीद मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व वाली सरकार से थी जो प्रदेश में हजारों युवाओं को पारदर्शिता के आधार पर नौकरी दे चुकी है। अंकित ने बताया कि वह और उसका परिवार इस नौकरी के मिलने से बहुत खुश है और सरकार के प्रति धन्यवादी है। ज्वाईनिंग देने के लिए पहुंचे अम्बाला जिला के गांव धनाना के संदीप भी गणित विषय से एमएससी है, ने सरकार का धन्यवाद करते हुए कहा कि पारदर्शिता के साथ परीक्षा आयोजित करवाई और योग्य उम्मीदवारों का चयन हुआ, मुझे किसी मंत्री व विधायक के पीछे पर्ची लेकर नही जाना पडा और ना ही किसी दलाल को खर्ची देनी पडी। जब मेरे पास चयन होने का संदेश पहुंचा तो मेरी खुशी का ठिकाना नही रहा। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री मनोहर लाल का बारम बार धन्यवाद करता हूं। समालखा में इलैक्ट्रीशयन का काम करने वाले के बेटे अंकित शर्मा का हुआ चयन ज्वाईनिंग के लिए मधुबन पुलिस अकादमी पहुंचे समालखा के अंकित शर्मा ने बताया कि उसके पिता समालखा में एक छोटी सी दुकान पर इलैक्ट्रीशयन का काम करते है। परिवार की सीमित आमदनी के बावजूद भी विज्ञान विषय से स्नातक अंकित शर्मा के लिए सरकारी नौकरी पाना एक सपने से कम नही था और उनका यह सपना पूरा हो यह केवल मनोहर लाल की नेतृत्व वाली सरकार में ही सम्भव था। अंकित शर्मा ने बताया कि प्रदेश के हर पढे-लिखे युवा को वर्तमान सरकार से आशा है कि नौकरी पारदर्शिता के आधार पर मिलेगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला हुई लापता

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
थाना इंद्री क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली विवाहिता संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। महिला के पति ने मामले की शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक इन्द्री थाना एरिया के एक गांव के रहने वाले व्यक्ति ने शिकायत में बताया है कि उसकी पत्नी बगैर बताए घर से चली गई है और दोनों बच्चे घर पर छोडकर गई है। वह घर से चांदी सोने के आभूषण व बैंक कॉपी और अपने कपड़े वगैरह भी ले गई है। काफी तलाश करने पर भी उसका कहीं कोई पता नहीं चला। महिला के पति ने बताया कि घर पर कोई भी नाराजगी नहीं थी। हमने सारी अपनी रिश्तेदारी में देख लिया है, लेकिन कोई भी सुराग नहीं लगा। खोजबीन करने के बाद मामले की शिकायत पुलिस को की है। जांच अधिकारी धर्मेंद्र ने बताया है कि महिला के संदिग्ध हालत में लापता होने का मामला सामने आया है। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस इस मामले में हर पहलू पर गहनता से जांच कर रही है।

कंपनी के निदेशक व प्लांट हैड कर्मचारियों को होली की बधाई देते हुए।

गन्नौर। कामी रोड स्थित इविया ब्यूटी प्रा. लि. में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कंपनी के निदेशक अभिषेक आर्य, प्लांट हैड मनोज शर्मा ने कर्मचारियों को होली के बारे में बताते हुए एक दूसरे को गुलाल लगाया। इस मौके पर चन्द्रशेखर बालेश, अनुज, राहुल पठानिया, रितेश, प्रताप वर्मा, सुखदीप, प्रदीप, सुभाष, रमित, संजीव राणा आदि मौजूद थे।

ओल्ड डीसी रोड़ से कबीरपुर तक 50 लाख रुपये से बनेगी नई सड़क : सुरेंद्र पंवार

सोनीपत। विधायक सुरेंद्र पंवार ने कहा कि 50 लाख 59 हजार की लागत से कबीरपुर में ड्रेन नम्बर-6 से ओल्ड डीसी रोड़ तक नई सड़क बनाई जाएगी। इस सड़क के बनने से वार्ड-13 के साथ-साथ अन्य कालोनियों को फायेदा पहुंचेगा। विधायक सुरेंद्र पंवार वार्ड-13 में कालोनीवासियों की समस्याएं सुनने पहुंचे थे। विधायक सुरेंद्र पंवार ने कहा कि उन्होंने अपने कोष से 25 करोड़ रुपये से शहर की सड़कों को नई बनवाने के लिए सड़को की सूची पीडब्ल्यूडी विभाग को भेजी थी। जिसमे कबीरपुर की रोड़ भी शामिल थी। इसी के तहत ओल्ड डीसी रोड़ से ड्रेन नम्बर-6 तक 50 लाख 59 हजार रुपये की लागत से सीसी ब्लॉक की सड़क बनाई जाएगी।

स्वच्छ भारत मिशन को होली के त्यौहार की तरह ही बनाएं : पूर्णचंद सैनी

करनाल/टीम एक्शन इंडिया।
स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की तरफ से खंड करनाल में होली महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें नरेगा एबीपीओ गोविंद की अध्यक्षता रही तथा ब्लॉक कोऑर्डिनेटर स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण पूर्ण चंद सैनी भी उपस्थित रहे। नरेगा एबीपीओ गोविंद व पूर्णचंद सैनी ने कहा कि ग्रामीण आँचल में चल रहे सफाई अभियान को और अधिक महत्व के साथ बढ़ाने के लिए संकल्प लेना होगा। जिस प्रकार होली पर बुराई को त्याग कर

अच्छाई को अपनाने की रीत है, उसी प्रकार गांव में गंदगी को खत्म करने के लिए भी एक प्रण के साथ एकजुट होकर कार्य करने की आवश्यकता है, ताकि हमारे गांव बीमारियों से बच सके ओर एक सभ्य समाज की स्थापना कर सके। जिस प्रकार से होली का त्यौहार रंगीन होता है, उसी प्रकार हमें स्वच्छ भारत मिशन को ग्रामीण अंचल पर रंगीन बनाने की आवश्यकता है।

घर में फांसी का फंदा लगाकर व्यक्ति ने की आत्महत्या

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
जिले में एक व्यक्ति ने अपने घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। व्यक्ति घर में अपनी मां के साथ रहता था और शराब पीने का आदी था। व्यक्ति के फांसी लगाने के सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और उसे फंदे से नीचे उतारा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान घरौंडा के रहने वाले 68 वर्षीय सोनू के रूप में हुई है। घर में जब उसकी मां धर्मो देवी ने उसे आवाज लगाई तो कोई जवाब नहीं आया। अंदर जाकर देखा तो सोनू फंदे पर लटका हुआ था। इसके बाद उसकी मां के हाथ पांव फूल गए और उसने शोर मचाया तो आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए और मामले की जानकारी पुलिस को दी। मृतक के भाई रमेश ने बताया कि उसका भाई नशे का आदी था। उसका करीब 14 साल पहले तलाक हो चुका था और उसका लडका चिनु भी अपनी बुआ के पास ही रह रहा था। उसका भाई उसकी मां के साथ रह रहा था। घरौंडा थाना के जांच अधिकारी बंसी लाल ने बताया कि सोनू द्वारा सुसाइड की सूचना मिली थी। एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया है और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

नगर पालिका क्षेत्रों में 2 से 5 किमी लम्बाई वाली सडकों का होगा नवीनीकरण एवं सौंदर्यकरण : अभिषेक मीणा

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
नगर निगम और नगर पालिकाओं के अधीन महत्वपूर्ण सडकों को चिन्हित करके उनका नवीनीकरण और सौंदर्यकरण किया जाएगा। बीती 15 फरवरी को शहरी स्थानीय निकाय विभाग के मंत्री कमल गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया था कि प्रत्येक उक्त क्षेत्रों में ऐसे सडक खंड़ों के नवीनीकरण और सौंदर्यकरण के लिए सार्वजनिक महत्व की ऐसी सडकों की पहचान और चयन करें और निर्धारित मानदंडों के अनुसार उन पर काम करें। नगर निगम आयुक्त अभिषेक मीणा ने बताया कि करनाल जिला में नगर निगम करनाल और 6 नगर पालिकाओं के अधीन क्षेत्र में ऐसी सडकों की पहचान का कार्य किया जा रहा है और इसके बाद उनका नवीनीकरण और सौंदर्यकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शहरी स्थानीय निकाय विभाग की ओर से निर्धारित मानदंडों के अनुसार नगर निगम क्षेत्र में 10 से 15 किलोमीटर लम्बाई वाली तथा नगर पालिका क्षेत्रों में 2 से 5 किलोमीटर लम्बाई वाली सडकों का सौंदर्यकरण किया जाएगा।
चौक-चौराहों को दिया जाएगा नया रूप- निगमायुक्त ने बताया कि शहरी स्थानीय निकाय विभाग के इन आदेशों में शहर के चौको की मरम्मत और पेंट के कार्य किए जाएंगे। जहां जरूरत होगी, चौको पर लगे महापुरूषों की मूर्तियों की भी मरम्मत करेंगे। चौको पर स्टेनलेस स्टील की ग्रिल लगाई जाएंगी तथा उनकी बाउण्डरी पर ग्रेनाईट पत्थर लगाया जाएगा। विविध रंगों की एलईडी के साथ फाउंटेन भी लगाएंगे तथा सडकों के साथ-साथ वाल पेंटिंग की जाएंगी।
रोड फर्नीचर के होंगे काम- उन्होंने बताया कि सडकों पर सोलर कैटआई लगाई जाएंगी। रोड डिवाईडरों पर फलैक्सिबल रिफलेक्टर लगाए जाने हैं। डेलीनेटर भी लगाए जाएंगे, जो रात्रि के समय वाहनो की लाईट पडने पर चमकते हैं। इनसे वाहन चालक को वाहन को सडक की सही दिशा में रखने की सहायता मिलती है। इसके साथ-साथ यूनिपोल/होवरहैड बोर्डों पर साईनेज लगाए जाएंगे। पार्किंग की मार्किंग की तर्ज पर सडकों पर थर्मोप्लास्टिक से पेंट करवाए जाएंगे। इसी पेंट से जेबरा क्रॉसिंग मार्किंग भी की जाएगी।
इलैक्ट्रिक वर्क्स के कार्य भी होंगे- निगमायुक्त ने बताया कि स्ट्रीट लाईट खम्बों पर लगाई गई ट्राई कलर एलईडी लाईटों की मरम्मत की जाएगी तथा सडक के किनारे स्टैच्यू व फाउंटेन जैसी जगहों पर बहुरंगी एलईडी फ्लड लाईट लगाई जाएंगी।

एकजुट होकर लोगों को पार्टी की नीतियों से अवगत करवाएं : रणबीर

गन्नौर। आज आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता रणवीर छिक्कारा ने राजलू गढ़ी पांची जाटान, भोगीपुर, तेवड़ी, दतौली आदि गांव का दौरा कर लोगों को पार्टी की नीतियों से अवगत करवाया और होली मिलन समारोह में शामिल हुए । रणबीर छिक्कारा ने संबोधित करते हुए कहा अब समय आ चुका है जब हम सबको एकजुट होकर पार्टी को आगे बढ़ाना है और आने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनाव में पार्टी को जीत दिलाने के लिए तन मन धन से काम करना है। उन्होंने कहा घर घर जाकर जनता को आम आदमी पार्टी की नीतियों के बारे में जागरूक करना है।

फार्मासिस्ट की वैल्यू हम सबकी नजरों में कहीं ज्यादा : संजय सुरी

करनाल/टीम एक्शन इंडिया।
प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अंतर्गत आओ जनऔषधि मित्र बनें विषय पर सेमिनार का आयोजन दून वैली फामेर्सी इंस्टिट्यूट एंड मेडिसिन में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रिटायर्ड अंडर द सेक्रेटरी डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्यूटिकल केमिकल एंड फर्टिलाइजर गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के संजय सुरी ने शिरकत की। इस मौके पर पीएमबीआई हरियाणा के नोडल अधिकारी ओम प्रकाश वर्मा भी उपस्थित रहे। दून वैली फामेर्सी इंस्टिट्यूट की हेड ऑफ डिपार्टमेंट

मनीता ने मुख्य अतिथि और सभी मेहमानों का स्वागत किया। कार्यक्रम में संजय सुरी ने सभी फामेर्सी स्टूडेंट को कहा कि युवा देश का भविष्य है, फार्मासिस्ट की वैल्यू हम सबकी नजरों में कहीं ज्यादा है और आप सभी लोग जन औषधि परियोजना से जुड़ सकते हो। वहीं डॉ अंकुर अरोड़ा ने सभी फामेर्सी स्टूडेंट से टेक्निकल सेशन के माध्यम से बताया कि जन औषधि की दवाइयां हम सबके लिए कितनी उपयोगी हैं और बहुत ही कम कीमत में जन औषधि केंद्रों से मिल सकती हैं। इस अवसर पर ओम प्रकाश वर्मा (नोडल अधिकारी) ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से सभी फामेर्सी स्टूडेंट को जन औषधि परियोजना से अवगत कराया व जन औषधि कैसे खोला जा सकता है।

एडीसी ने 10 मार्च को होने वाले राज्य स्तरीय समारोह को लेकर किया अनाज मंडी का दौरा

करनाल/टीम एक्शन इंडिया।
अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने 10 मार्च को करनाल की नई अनाज मंडी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह के सफल आयोजन को लेकर जिला प्रशासन के अधिकारियों की टीम के साथ समारोह स्थल का दौरा किया और प्रबंधों का जायजा लिया तथा सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।
अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस राज्य स्तरीय समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल बतौर

मुख्यातिथि शिरकत करेंगे तथा हरियाणा महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री कमलेश ढांडा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों की गरिमापूर्ण उपस्थिति रहेगी। मुख्यमंत्री द्वारा इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को अवार्ड देकर पुरस्कृत किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रदेशभर से करीब 10 हजार महिलाओं के पहुंचने की सम्भावना है।
उन्होंने कहा कि समारोह की गरिमा को देखते हुए सभी अधिकारी अपने-अपने विभागों से सम्बन्धित तैयारियों को समय रहते पूरा करे, कहीं पर भी कोई कमी नहीं छोडें। समारोह स्थल पर साफ-सफाई के साथ-साथ स्वच्छ पेयजल, सुलभ शौचालय, बैठने की अच्छी व्यवस्था करवाना सुनिश्चित करें।

करनाल के खेतों में पड़े मिले शव की हुई शिनाख्त

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
जिले के बलहेड़ा गांव के खेतों से मिले व्यक्ति के शव की आज शिनाख्त हो गई। पुलिस ने आज दोपहर को मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के हवाले कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा।
प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार शाम को अमृतपुर खुर्द निवासी नितेश घर से गया था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन उसका कहीं कोई सुराग नहीं लगा। मंगलवार को परिजन मृतक की शिनाख्त के लिए पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और मृतक की शिनाख्त की।
पोस्टमार्टम हाउस में पहुंचे मृतक के परिजनों ने बताया कि नितेश दिहाड़ी मजदूरी करता था और दिहाडी मजदूरी करके ही अपने परिवार का पालन पोषण करता था। रविवार रात को जब बलहेडा गांव के पास खेतों में मृतक नितेश का शव मिला था तो उसके पास एक इंजेक्शन भी मिला था।
आशंका जताई जा रही है कि नशे की ओवरडोज लेने के कारण ही नितेश की मौत हुई है। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है।
घरौंडा थाना के प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के उपरांत परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

खेल स्कूल राई में हुआ होलिका दहन, बच्चों को बताया गया होली का महत्व

राई। मोतीलाल नेहरू खेलकूद विधालय में होली का त्योहार बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य और निदेशक कर्नल अशोक मोर ने कहा कि आज के आधुनिक युग में बच्चे अपने त्योहारों और संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं। ज्यादातर बच्चे मोबाईल फ़ोन को ही अपनी दुनिया बना चुके हैं और इस तरफ किसी का भी ध्यान नहीं है। कर्नल मोर के अनुसार अगर समय रहते हमने इसका संज्ञान नहीं लिया तो हमारी सभ्यता और संस्कृति का अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा। कर्नल मोर ने कहा की खेलकूद विधालय राई में सिर्फ़ होलिका दहन या रावण दहन नहीं होता बल्कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों में जागरुकता लाने का काम किया जाता है और बच्चों को त्योहारों के महत्व के बारे में भी समझाया जाता है।

फौजी पति ने क्रेटा गाड़ी के लिए विवाहिता को घर से निकाला

दूसरी महिला से अवैध संबंध के लगाए आरोप

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
जिले के गांव घीड की एक विवाहिता ने अपने फौजी पति व ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताडना के आरोप लगाए हैं। विवाहिता का आरोप है कि उसके ससुराल वाले क्रेटा कार लाने पर ही घर में एंट्री देने की बात कह रहे हैं। इसके बाद उसने मामले की शिकायत पुलिस को दी। घीड गांव की विवाहिता ने शिकायत में बताया है कि उसकी शादी 4 साल पहले कैथल के हरीश के साथ हुई थी। हरीश फौज में है। शादी के दो महीने तक वह उसके साथ ही रही। बाद में वह नौकरी करने के लिए चला गया। हरीश ने उससे कहा कि तू अपनी मां के पास चली जा। मैं तुझे रखना नहीं चाहता, क्योंकि तू मेरी हैसियत के हिसाब से दहेज नहीं लेकर आई। घर तभी वापस आना जब तू क्रेटा कार ले आए।
विवाहिता का कहना है कि उसके पिता की कार देने की हैसियत नहीं है। इसलिए वह अपने माता-पिता के साथ गांव घीड में ही रह रही है। उसके पति हरीश के दूसरी महिला के साथ अवैध संबंध है। वह उसे अपने साथ नहीं रखना चाहता, इसलिए उसने कुरुक्षेत्र कोर्ट में तलाक का केस फाइल किया हुआ है, जिसकी अगली तारीख 2 नवम्बर लगी हुई है। मैं अपने पति के साथ रहना चाहती हूं। उसने अपने पति के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी है।
कुंजपुरा थाना के जांच अधिकारी सुमित ने बताया कि विवाहिता की शिकायत पर उसके पति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शराब ठेके से लूट की वारदात को अंजाम देने वाले दो काबू

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
सीआईए वन की टीम ने 27 फरवरी की रात को तरावडी जीटी रोड पर स्थित एक शराब के ठेके से पिस्तौल के बल पर पचास हजार रुपए लूट की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल 32 बोर का एक अवैध पिस्तौल, दो जिंदा कारतूस, एक रिट्ज गाडी व सत्रह सौ रुपए की नगदी बरामद की गई है।
पुलिस टीम द्वारा गत दिवस दो आरोपियों अनुज पुत्र अनिल कुमार वासी नरेला रोड बवाना दिल्ली व दीपक तोमर पुत्र वेदप्रकाश वासी गन्नौर जिला सोनीपत को विश्वसनीय सूचना पर

नमस्ते चौक करनाल के पास से गिरफ्तार किया गया।
उक्त वारदात के संबंध में 28 फरवरी को थाना तरावडी में एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें शिकायतकर्ता प्रदीप पुत्र रमेश शर्मा वासी गांव फफडाना जिला करनाल ने बताया कि वह तरावडी के पास जीटी रोड पर एक शराब ठेके पर सेल्समैन का काम करता है। 27 फरवरी को रात के समय शराब ठेके पर एक अज्ञात व्यक्ति आया और उसके उपर पिस्तौल तानकर पचास हजार रुपए लूट कर ले गया। इस संबंध में प्रदीप उपरोक्त के ब्यान पर थाना तरावडी में अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा-379बी व शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।
आरोपियों से पूछताछ व अन्य विश्वसनीय साक्ष्यों के आधार पर जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी आदतन अपराधी है। आरोपी वारदात वाले दिन मनाली घूमने के लिए जा रहे थे और रास्ते में आरोपियों ने शराब का नशा भी किया हुआ था। आरोपी उक्त ठेके पर और शराब लेने के लिए रूके थे। उसी समय आरोपियों ने पिस्तौल के बल पर उपरोक्त ठेके से पचास हजार रुपए लूट की वारदात को अंजाम दिया और मौका से फरार हो गए।
आरोपियों ने लूट की रकम को घूमने फिरने व खाने पीने में खर्च दिया था। आरोपी कल मनाली से घूम-फिरकर वापिस आ रहे थे। उसी समय पुलिस टीम द्वारा विश्वसनीय सूचना पर दोनों आरोपियों को काबू कर लिया। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी अनुज के खिलाफ पहले एक मामला अपहरण करने का सोनीपत में दर्ज है और आरोपी दीपक के खिलाफ एक मामला शस्त्र अधिनियिम व एक मामला हत्या का प्रयास करने का गन्नौर जिला सोनीपत में दर्ज हैं।

संपादकीय

सहज उल्लास और समरसता का उत्सव है होली

प्रकृति के सौंदर्य और शक्ति के साथ अपने हृदय की अनुभूति को बांटना वसंत ऋतु का तकाजा है। मनुष्य भी चूंकि उसी प्रकृति की एक विशिष्ट कृति है इस कारण वह इस उल्लास से अछूता नहीं रह पाता। माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को वसंत की आहट मिलती है। परंपरा में वसंत को कामदेव का पुत्र कहा गया है इसलिए उसके जन्म के साथ इच्छाओं और कामनाओं का संसार खिल उठता है। फागुन और चैत्र के महीने मिल कर वसंत ऋतु बनाते हैं। वसंत का वैभव पीली सरसों, नीले तीसी के फूल, आम में मंजरी के साथ, कोयल की कूक प्रकृति सुंदर चित्र की तरह सज उठती है। फागुन की बयार के साथ मन मचलने लगता है और उसका उत्कर्ष होली के उत्सव में प्रतिफलित होता है। होली का पर्व वस्तुतः जल, वायु, और वनस्पति से सजी संवरी नैसर्गिक प्रकृति के स्वभाव में उल्लास का आयोजन है। वसंत में ऋतु परिवर्तन का यह रूप सबको बदलने पर मजबूर करता है। वह परिवेश में कुछ ऐसा रसायन घोलता है जो बेचैन करने वाला होता है। वह किसी को भी वह नहीं रहने देता। जो भी जो वह होता है वह नहीं रह जाता। परिष्कार से वह कुछ और बन जाता है। वैसे भी मनुष्य होने का अर्थ ही होता है जुड़ना क्योंकि स्वयं में कोई अकेला व्यक्ति पूरा नहीं हो सकता। अधूरा व्यक्ति अन्य से जुड़ कर ही अपने होने का अहहास हो पाता है। पारस्परिकता में ही जीवन की अर्थवत्ता समाई रहती है। यह पारस्परिकता भारतीय समाज में उत्सवधर्मिता के रूप में अभिव्यक्त होती है जो ऊर्जा के अवसर उपस्थित करती है। रंगोत्सव या होली का पर्व हर्ष और उल्लास के साथ आबालबृद्ध सबको अनूठे ढंग से जीवंत और स्पंदित कर उठता है। पूर्णिमा तिथि की रात को होलिका दहन से जो शुरूआत होती है वह सुबह रंगों के एक अनोखे त्योहार का रूप ले लेती है जिसमें ह्यमैंह्ल और ह्यतुमह्ल का भेद मिटा कर नकली दायरों को तोड़कर, झूठ-मूठ के ओढ़े लबादों को उतार कर सभी ह्यहमह्ल बन जाते है। यह उत्सव आमंत्रण होता है उस क्षण का जब हम अहंकार का टूटना देखते हैं और उदार मन वाला हो कर, अपने को खो कर पूर्ण का अंश बनने के साक्षी बनते हैं। रंग, गुलाल और अबीर से एक दूसरे को सराबोर करते लोग अपनी अलग-अलग पहचान से मुक्त हो कर एक दूसरे छकाने और हास-परिहास का पात्र बनाने की छूट ले लेते हैं। छोटे-बड़े और ऊंच-नीच के घरौंदों से बाहर निकल कर लोग गाते बजाते टोलियों में निकल कर प्रसन्नता के साथ मिलते-जुलते हैं। होली के अवसर पर खुलापन और ऊष्मा के साथ लोग स्वयं का अतिक्रमण करते हैं। अहंकार छोड़ कर आत्म-विस्तार का यह उत्सव नीरसता के विरुद्ध हल्लाबोल चढ़ाई भी होता है। जीने के लिए जीवंतता के साथ सबको साथ लिए चलने के उत्साह के साथ होली कठिन होते जा रहे दौर में रस का संचार करती है। वस्तुतः सुख की चाह और दुःख से दूरी बनाए रखना सभी जीवित प्राणियों का सहज स्वाभाविक व्यवहार है। इसलिए पशु मनुष्य सब में दिखता है । मोटे तौर पर सुख दुःख का यह सूत्र जीवन के सम्भव होने की शर्त की तरह काम करता है। पर इसके आगे की कहानी हम सब खुद रचते हैं। आहार, निद्रा, भय और मैथुन भी संस्कृति से प्रभावित होते हैं और बहुत सारी व्यवस्था धन, दौलत, पद, प्रतिष्ठा, आदर, सम्मान, प्रेम, दया, दान आदि के इर्द-गिर्द आयोजित होती है।

ढपली भी गाने लगी, अब तो बदले राग...

प्रियंका सौरभ

> दूसरी ओर, होली के दिन खान-पान में भी अब अंतर आ गया है। गुझिया, पूड़ी-कचौड़ी, आलू दम, महजूम (खोवा) आदि मात्र औपचारिकता रह गई है। अब तो होली के दिन भी मेहमानों को कोल्ड ड्रिंक्स और फास्ट फूड जैसी चीजों को परोसा जाने लगा है। वहीं, होलिका के चारों तरफ सात फेरे लेकर अपने घर के सुख शांति की कामना करना, वो गोबर के विभिन्न आकृति के उपले बनाना, दादी-नानी का मखाने वाली माला बनाना, रंग-बिरंगे ड्रेसअप में अपनी सखी-सहेलियों संग घर-घर मिठाई बांटना, गेहूं के पौधे भूनना और होली के लोकगीतों को गाना। अब यह सब परंपराएं तो मानो नाम की ही रह गई हैं। होली रोपण के बाद से होली की मस्ती शुरू हो जाती थी। छोटी बच्चियां गोबर से होली के लिए वलुडिये बनाती थी

फीके -फीके रंग है, सूना-सूना फाग।
ढपली भी गाने लगी, अब तो बदले राग।।

पहले की होली और आज की होली में अंतर आ गया है, कुछ साल पहले होली के पर्व को लेकर लोगों को उमंग रहता था, आपस में प्रेम था। किसी के भी प्रति द्वेष भाव नहीं था। आपस में मिल कर लोग प्रेम से होली खेलते थे। मनोरंजन के अन्य साधानों के चलते लोगों की परंपरागत लोक त्यौहारों के प्रति रुचि कम हुई है। इसका कारण लोगों के पास समय कम होना है। होली आने में महज कुछ ही दिन शेष हैं, लेकिन शहर में होली के रंग कहीं नजर नहीं आ रहे हैं। एक माह तो दूर रहा अब तो होली की मस्ती एक-दो दिन भी नहीं रही। मात्र आधे दिन में यह त्योहार सिमट गया है। रंग-गुलाल लगाया और हो गई होली। जैसे-जैसे परंपराएं बदल रही हैं, रिश्तों का मिठास खत्म होता जा रहा है। होली एक ऐसा रंगबिरंगा त्योहार है, जिसे हर धर्म के लोग पूरे उत्साह और मस्ती के साथ मनाते रहे हैं। होली के दिन सभी बैर-भाव भूलकर एक-दूसरे से परस्पर गले मिलते थे। लेकिन सामाजिक भाईचारे और आपसी प्रेम और मेलजोल का होली का यह त्योहार भी अब बदलाव का दौर देख रहा है। फाल्गुन की मस्ती का नजारा अब गुजरे जमाने की बात हो गई है। कुछ सालों से फीके पड़ते होली के रंग अब उदास कर रहे हैं। शहर के बुजुर्गों का कहना है कि न हंसी- ठिठोली, न हुड़दंग, न रंग, न ढप और न भंग ऐसा क्या फाल्गुन न पानी से भरी खेली और न ही होली का .....रे का शोर। अब कुछ नहीं, कुछ घंटों की रंग-गुलाल के बाद सब कुछ शांत। होली की मस्ती में अब वो रंग नहीं रहे। आओ राधे खेला फाग होली आई....ताम्बा पीतल का मटका भरवा दो...सोना रुपाली लाओ पिचकारी...के स्वर धीरे धीरे धीमे हो गए हैं।

बदले-बदले रंग है, सूना-सूना फाग ।
ढपली भी गाने लगी, अब तो बदले राग ।।

फाल्गुन लगते ही होली का हुड़दंग शुरू हो जाता था। मंदिरों में भी फाल्गुन आते ही फाग शुरू हो जाता था। होली के लोकगीत गूंजते थे। शाम होते ही ढप-चंग के साथ जगह-जगह फाग के गीतों पर पारंपरिक नृत्य की छटा होली के रंग बिखेरती थी। होली खेलते समय पानी की खेली में लोगों को पकडकर डाल दिया जाता था। कोई

नाराजगी नहीं, सब कुछ खुशी-खुशी होता था। वसन्त पंचमी से होली की तैयारियां करते थे। चौराहो पर समाज के नोहरे व मंदिरों में चंग की थाप के साथ होली के गीत गूंजते। रात को चंग की थाप पर गैर नृत्य का आकर्षण था। बाहर से फाल्गुन के गीत व रसिया गाने वाले रात में होली की मस्ती में गैर नृत्य करते थे। पहले की होली और आज की होली में अंतर आ गया है, कुछ साल पहले होली के पर्व को लेकर लोगों को उमंग रहता था, आपस में प्रेम था। किसी के भी प्रति द्वेष भाव नहीं था। आपस में मिल कर लोग प्रेम से होली खेलते थे। मनोरंजन के अन्य साधानों के चलते लोगों की परंपरागत लोक त्यौहारों के प्रति रुचि कम हुई है। इसका कारण लोगों के पास समय कम होना है। होली आने में महज कुछ ही दिन शेष हैं, लेकिन शहर में होली के रंग कहीं नजर नहीं आ रहे हैं। एक माह तो दूर रहा अब तो होली की मस्ती एक-दो दिन भी नहीं रही। मात्र आधे दिन में यह त्योहार सिमट गया है। रंग-गुलाल लगाया और हो गई होली।
जैसे-जैसे परंपराएं बदल रही हैं, रिश्तों का मिठास खत्म होता जा रहा है। जहां तक होली का सवाल है तो अब मोबाइल और इंटरनेट पर ही हैप्पी होली शुरू होती है और खत्म हो जाती है। अब पहले जैसा वो हर्षोल्लास नहीं रह गया है। पहले बच्चे टोलियां बनाकर गली-गली में हुड़दंग मचाते थे। होली के 10-12 दिन पहले ही मित्रों संग होली का हुड़दंग और गली-गली होली का चंदा इकट्ठा करना और किसी पर बिना पूछे रंग उड़ेल देने से एक अलग प्यार दिखता था। इस दौरान गाली देने पर भी लोग उसे हंसी में उड़ा देते थे। अब तो लोग मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। पहले परायों की बहू-बेटियों को लोग बिल्कुल अपने जैसा समझते थे। पूरा दिन घरों में पकवान बनते थे और मेहमानों की आवभगत होती थी। अब तो सबकुछ बस घरों में ही सिमट कर रह गया है। आजकल तो मानों रिश्तों में मेल-मिलाप की कोई जगह ही नहीं रह गई हो। मन आया तो औपचारिकता में फोन पर हैप्पी होली कहकर इतिश्री कर लिए। अब रिश्तों में वह मिठास नहीं रह गया है। यही वजह है कि लोग अपनी बहू-बेटियों को किसी परिचित के यहां जाने नहीं देते। पहले घर की लड़कियां सबके घर जाकर खूब होली की हुल्लड़ मचाती थीं। अब माहौल ऐसा हो गया है कि यदि कोई लड़की किसी रिश्तेदार के यहां ही ज्यादा देर तक रुक गई तो परिवार के लोग चिंतित हो जाते हैं कि क्यों इतना देर हो गया। तुरंत फोन करके पूछने लगते हैं कि क्या कर रही हो, तुम जल्दी घर आओ। क्यों अब लोगों को रिश्तों पर भी उतना भरोसा नहीं रह गया है।

दूसरी ओर, होली के दिन खान-पान में भी अब अंतर आ गया है। गुझिया, पूड़ी-कचौड़ी, आलू दम, महजूम (खोवा) आदि मात्र औपचारिकता रह गई है। अब तो होली के दिन भी मेहमानों को कोल्ड ड्रिंक्स और फास्ट फूड जैसी चीजों को परोसा जाने लगा है। वहीं, होलिका के चारों तरफ सात फेरे लेकर अपने घर के सुख शांति की कामना करना, वो गोबर के विभिन्न आकृति के उपले बनाना, दादी-नानी का मखाने वाली माला बनाना, रंग-बिरंगे ड्रेसअप में अपनी सखी-सहेलियों संग घर-घर मिठाई बांटना, गेहूं के पौधे भूनना और होली के लोकगीतों को गाना। अब यह सब परंपराएं तो मानो नाम की ही रह गई हैं। होली रोपण के बाद से होली की मस्ती शुरू हो जाती थी। छोटी बच्चियां गोबर से होली के लिए वलुडिये बनाती थी। उसमें गोबर के गहने, नारियल, पायल, बिछियां आदि बनाकर माला बनाती थी। अब यह सब नजर नही आता है। होली से पूर्व घरों में टेशु व पलाश के फूलों को पीस कर रंग बनाते थे। महिलाएं होली के गीत गाती थी। होली के दिन गोठ भी होती थी जिसमें चंग की थाप पर होली के गीत गाते थे। होली रोपण से पूर्व बसंत पंचमी से फाग के गीत गूंजने लगते थे। आज के समय कुछ मंदिरों में ही होली के गीत सुनाई देते हैं। होली के दिन कई समाज के लोग सामूहिक होली खेलने निकलते थे। साथ में ढोलक व चंग बजाई जाती थी, अब वह मस्ती-हुड़दंग कहां अब होली केवल परंपरा का निर्वहन रह गया है। हाल के समय में समाज में आक्रोश और नफरत इस कदर बढ़ गई है कि सभ्रांत परिवार होली के दिन निकलना नहीं चाहते हैं। लोग साल दर साल से जमकर होली मनाते आ रहे हैं। इस पर्व का मकसद कुरीतियों व बुराइयों का दहन कर आपसी भाईचारा को कायम रखना है। आज भारत देश मे समस्यायों का अंबार लगा हुआ है। बात सामाजिक असमानता की करें, इसके कारण समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा, मानवता, नैतिकता खत्म होती जा रही हैं। कभी होली पर्व का अपना अलग महत्व था, होलिका दहन पर पूरे परिवार के लोग एक साथ मौजूद रहते थे। और होली के दिन एक दूसरे को रंग लगा व अबीर उड़ा पर्व मनाते थे। लोगों की टोली भांग की मस्ती में फगुआ गीत गाते व घर-घर जाकर होली का प्रेम बांटते थे। अब हालात यह है कि होली के दिन 40 फीसदी आबादी खुद को कमरे में बंद कर लेती है। हर माह, हर ऋतु किसी न किसी त्योहार के आने का संदेसा लेकर आती है और आए भी क्यों न, हमारे ये त्योहार हमें जीवंत बनाते हैं, ऊर्जा का संचार करते हैं, उदास मनों में आशा जागृत करते हैं। अकेलेपन के बोझ को थोड़ी देर के लिए ही सही, कम करके साथ के सलोने अहसास से परिपूर्ण करते हैं, यह उत्सवधर्मिता ही तो है जो हमारे देश को अन्य की तुलना में एक अलग पहचान, अस्मिता प्रदान करती है। होली पर समाज में बढ़ते द्वेष भावना को कम करने के लिए मानवीय व आधारभूत अनिवार्यता की दृष्टि से देखना होगा।

बढ़ती जाए कालिमा, मन-मन में हर साल।
रंगों से कैसे मलें, इक दूजे के गाल ।।

कविता

होली

जो बिछड़े हैं उन को मिलाती है होली
न पूछो के कितनी सिफाती है होली

बहुत सारे रँगों से रँगी हुई ये
हमें एक होना सिखाती है होली

जो नफरत ओर अलगाव के हैं पुजारी
उन्हें देखो कैसे चिढ़ाती है होली

धनक अफशां पिचकारियों से ब हर सू
जमीं को गगन सा बनाती है होली

जो मैं ने तेरे साथ खेली थी हमदम
मुझे वो बहुत याद आती है होली

सदा के लिए काश हो जाएं कायम
जो एकता के मंजर दिखाती है होली

जो कलबी सुकूँ इस में पिंहाँ नहीं तो
यूँही क्या ये खिलकत मनाती है होली

यकीं मान बिन तेरे ऐ जाने- जानाँ
मुझे शिद्दतों से सताती है होली

जकी तारिक

होली के गिरगिटिया रंग

रेखा शाह आरबी

होली मिलन समारोह के कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए देश के अलग-अलग क्षेत्रों से महानुभाव इकट्ठे होने वाले थे । अभी समारोह शुरू होने में कुछ समय कुछ देरी थी अतः आयोजक व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त करने में जी-जान से लगे हुए थे । आखिर देश के बड़े-बड़े धुरंधरों का आगमन होना था। जिनके चेहरे के रंग कुछ और भीतर के रंग कुछ और रहते हैं उन पर रंग जमाना था और यह काम इतना आसान भी नहीं था जो सब पर अपनी मक्कारी का रंग जमा लेते हैं उन पर रंग जमाना कोई हंसी ठठ्ठा तो था नहीं। सबसे पहले फिल्म जगत से एक मशहूर हस्ती महानुभाव पधारें उनके चेहरे का रंग देखकर लगा । इन पर तो कोई भी रंग लगा लो.. रंग चढ़ना ही नहीं है लगता है जनता ने अपने बाय काट कर इन के ऊपर ऐसे रंग लगा दिया है। कि इनका रंग ही उतर चुका है। इसीलिए तो यह आसमान पर रहने वाले अपने आप को सितारा समझने वाले आजकल धरती पर आम इंसानो के जैसे समय से नजर आ रहे हैं। दूसरे आए कारपोरेट जगत से मशहूर हस्ती पूरे देश में अपने नाम का डंका बजाने वाले महोदय को देखकर लगा । इनके ऊपर भी हिंडनवर्ग के डर जैसा कुछ भूत चढ़ा हुआ है कि कहीं इनको भी लपेटे में ना ले ले और इनका भी रंग उतर जाए । डर है कहीं इनकी भी दुर्गति ना हो जाए इसलिए इनके चेहरे का भी रंग उड़ा उड़ा नजर आया। लेकिन इन लोगों को क्या डरना.. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया है ना इन लोग की आरती उतारने के लिए इन लोग को गंगाजल जैसा पाक साफ बताने के लिए... पर फिर भी इनके चेहरे का रंग उड़ा ही हुआ है। बड़े ही आश्चर्य की बात है। तीसरे आए पुलिस विभाग के एक आला अधिकारी उन्होंने तो आते ही व्यवस्था करने वालों को धमकाना शुरू कर दिया। व्यवस्थापक अगवानी में हंसते हुए इधर से उधर भाग रहे थे । सारी व्यवस्था हुजूर के मन मुताबिक करने के लिए ..पता नहीं थोड़ी भी अगर कमी रह गई तो पुलिस वालों का क्या भरोसा आयोजन को अवैधानिक बता दें । जरूरी नहीं है कि कमी होने पर ही आपको कोपभाजन बनना पड़े इनका विभाग तो इस काम के लिए पहले ही मशहूर है वैधानिक को अवैधानिक और अवैधानिक को वैधानिक साबित करना इनके तो बाएं हाथ का काम है। वैसे साहब का चेहरा खूब खिला हुआ था एक तो आवभगत अच्छा खासा देखकर दूसरा इनका हर पार्टी के साथ सामंजस्य करने की कला अभूतपूर्व होती है अतः यह हर खांचे में फिट बैठते हैं। चेहरा तो चमकना ही था। चौथे पहुंचे लेखक महोदय जिनकी हालत देखकर ही उनको दिलासा देने का मन करने लगा। उनके चेहरे का तो रंग ऐसे भी हर दम उड़ा ही रहता है तो मैंने हाल-चाल पूछ लिया तो लगे सुबकते हुए बताने-- अरे लेखक को तो कोई भाव नहीं देता आज टेंपो मिलने में एक तो घोर परेशानी हुई दूसरे टेंपो वाले ने पैसे भी अधिक ले लिए" उनका दुख सुनकर तो मुझे भी रोना आ गया।

विचार

मनभावन होली का सांस्कृतिक पक्ष

मृत्युंजय दीक्षित

भारतीय संस्कृति में होली के पर्व का अद्वितीय स्थान है। यह पर्व उमंग, उल्लास, उत्साह और मस्ती का पर्व है। होली का पर्व सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने वाला पर्व है। होली का पर्व जलवायु परिवर्तन का भी संकेत देता है । होली का पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला पर्व है। वर्तमान में यह पर्व दो दिन तक मनाया जाता है। पर्व का प्रारम्भ होलिकादहन से होता है। अगले दिन जनमानस अबीर, गुलाल और गीले रंगों के साथ तथा पर्यावरण प्रेमी टेसू के फूलों के रंग के साथ होली खेलने का आनंद लेते हैं। कहीं-कहीं यह पर्व आज भी अपनी प्राचीन परम्परा के अनुरूप रंगभरी एकादशी से प्रारंभ होकर सप्ताह भर तक मनाया जाता है। होली के पर्व को धुरंडी, धुलेंडी, धुरखेल या धूलिवंदन भी कहा जाता है। इस दिन लोग एक दूसरे के साथ प्रेम के रस में सराबोर हो जाते हैं। होली के पर्व को 'वसंतोत्सव' या 'कामोत्सव' भी कहा गया है। भक्त प्रहलाद की श्री हरि विष्णु के चरणों में अनन्य भक्ति इस उत्सव की आध्यात्मिक प्राण रेखा है। संस्कृत साहित्य में होली के विभिन्न रूपों का वर्णन मिलता है। श्रीमद्भागवत महापुराण में रसों के समूह रास का वर्णन मिलता है। होली पर्व का वर्णन किस साहित्य में मिलता है उसमें जैमिनी के पूर्व मीमांसा सूत्र और कथा ग्राह सूर्य उल्लेखनीय हैं। नारद और भविष्य पुराण जैसे पुराणों की प्राचीन हस्तलिपियों और ग्रंथों में भी इस पर्व का उल्लेख मिलता है। हर्ष की प्रियदर्शिका व रत्नालीला तथा कालिदास की कुमारसंभवम् तथा मालविकाग्निमित्रम् में होली का वर्णन मिलता है। भारवि, माघ और कई अन्य संस्कृत के कवियों ने वसंत और होली की खूब चर्चा की हैं। चंदबरदाई के पृथ्वीराज रासो में होली का वर्णन मिलता है। आदिकालीन कवि विद्यापति से लेकर सूर, रहीम, रसखान ,जायसी ,मीरा, कबीर और रीतिकालीन बिहारी, केशव आदि कवियों का प्रिय विषय होली रहा है। महाकवि सूरदास ने होली पर 78 पद लिखे हैं। अवध में रघुवर और सिया, ब्रज में कृष्ण और राधिका होली के नायक नायिका हैं । इसके अतिरिक्त प्राचीन चित्रों भित्तिचित्रों, मंदिरों की दीवारों पर होली उत्सव के चित्र देखने को मिलते हैं। विजयनगर की राजधानी हंपी के 16वी शताब्दी के एक चित्रफलक में दंपति के होली मनाने का चित्र अंकित किया गया है। इस चित्र में राजकुमार और राजकुमारी को दासियों सहित रंग और पिचकारी के साथ होली खेलते दिखाया गया है। 16वीं शताब्दी में अहमदनगर की एक चित्र आकृति का विषय वसंत रागिनी भी है। इस चित्र में राज परिवार के एक दंपत्ति को बगीचे में झूला झूलते दिखाया गया है। साथ ही अन्य सेवक - सेविकाएं रास रंग में व्यस्त हैं। वे एक-दूसरे पर पिचकारियों से रंग भी डाल रही हैं। मध्यकालीन भारतीय मंदिरों के भित्तिचित्रों और आकृतियों में होली के रंग देखने को मिल जाते हैं। उदाहरण के रूप में 17 वीं शताब्दी में मेवाड़ की एक कलाकृति में महाराणा को अपनी रानियों के साथ चित्रित किया गया है। एक अन्य चित्र में राजा को हाथी दांत के सिंहासन पर बैठा दिखाया गया है जिसके गाल पर महिलाएं रंग मल रही हैं। होली का पर्व पूरे भारत में, हर प्रांत में अलग-अलग प्रकार से मनाया जाता है। सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र बिंदु ब्रज की होली है। जिसमें बरसाने की लट्ठमार होली सर्वाधिक प्रसिद्ध है। मथुरा-वृंदावन में होली का पर्व 15 दिनों तक मनाया जाता है। कुमाऊं में गीतों की होली में संगोष्ठियों का आयोजन होता है जिसे बैठकी होली कहते हैं इससे मिलती जुलती परंपरा झारखंड में भी देखने को मिलती है । हरियाणा के धुलेंडी क्षेत्र में भाभी द्वारा देवर को उठाने की प्रथा है। महाराष्ट्र में होली का पर्व रंग पंचमी के रूप में मनाया जाता है। पंजाब में होली का पर्व होला मोहल्ला के रूप में मनाया जाता है। तमिलनाडु में यह पर्व कामदेव की कथा पर आधारित वसंतोत्सव है। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ की होल्ल१ में लोकगीतों की अदभुत परम्परा है। मालवा के अंचलों में यह पर्व भगोरिया नाम से बड़े धूमधाम के साथ मनाया जाता है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआईः HARHIN / 2016 / 68417

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक रवि भारद्वाज, 261 ग्लबोल स्पेसिज, पार्ट-2, सेक्टर-33, करनाल, हरियाणा ने मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

स्थानीय संपादक: राजकुमार शर्मा (प्रिन्स)
समूह संपादक : रवि भारद्वाज
9999889104, 9250706656
ई-मेल : actionindiaharyana@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

नारींयों के दमन के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता

संजीव ठाकुर

देश में शहरों और गांवों में नारियों पर हो रहे अत्याचारों की खबरें मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख देती है। आसपास और पास पास इतनी दिल दहला देने वाली घटनाएं प्रकाश में आती हैं की मानवता केवल आंसू बहा कर रह जाती है। क्या इतना बड़ा सशक्त पुरुषों का समाज इसे रोकने में सक्षम नहीं है। देश में यह प्रश्न यक्ष प्रश्न की तरह हम सबके सामने खड़ा है। भारत में गरीब तबके में महिलाओं की स्थिति अभी भी दयनीय है मजदूरी करने से लेकर घरों में झाड़ू पोछा बर्तन मांजने तक औरत अपनी आजीविका चलाने के लिए मजबूर है। नारी उत्पीड़न की शुरूआत यहीं से होती है ।भारत में नारी अभी भी बहुत उपेक्षित प्रताड़ित तथा उत्पीड़ित है। हजारों उत्पीड़न तथा प्रताड़ना की घटनाएं प्रकाश में ही नहीं आ पाती हैं, और हम नारी दिवस पर जोर जोर से नारी उत्थान की दलीलें देते फिरते हैं। यह अत्यंत पीड़ा दायक तथा विचारणीय है।स्त्री जागरण के परिपेक्ष में भारत में नई स्त्री की संकल्पना उभरती है। भारत की स्त्री जागरण स्थितियों में पश्चिम नारीवाद का सर्वाधिक प्रभाव दिखाई देता है, इसमें बुनियादी नारी अधिकारों के जरिए सशक्तिकरण की बात की गई है। भारत में नारी उत्थान और समानता का संकल्प एवं विमर्श मूलतः मध्यम वर्गीय, शहरी और अभिजात्य इसमें स्त्रियों के बुनियादी अधिकार शिक्षा रोजगार आर्थिक स्वतंत्रता की बात का जोर शोर से जिक्र किया गया है। गांव की स्त्रियों पर घरेलू हिंसा तथा कस्बाई स्त्रियों के शोषण की समस्याएं लगभग हाशिए पर हैं। इसके अलावा भारत की परंपरागत विशेषताएं हैं जो भारतीय जनमानस में इस तरह घुली मिली हैं कि यकायक दलित स्त्री को सबला या सर्व शक्तिमान मानना पुरुष समाज को स्वीकार्य नहीं होगा। भारतीय स्त्री पति को परमेश्वर एवं मातृत्व के दायित्व को निभाने वाली एक अबला स्त्री ही है। पिता, भाई तथा पति के संरक्षण में पलने, बढ़ने के बाद उनके अधिकारों से परे जाने में अभी भी सक्षम नहीं हुई है। जबकि यूरोपीय देशों का नारीवाद एवं नारी सशक्तिकरण एक अलग दृष्टि तथा नई दिशा को दशार्ता है। भारत की नारी अपनी "स्त्री"होने के दायित्व को यकायक ठुकरा कर उसकी बेड़ियों से बाहर नहीं निकल सकती।

घरेलू मिठाई की महत्ता

विजय गर्ग

इसी परिप्रेक्ष्य में हर जगह के स्वादिष्ट व्यंजन विभिन्न प्रकार से मशहूर भी हैं, जिनमें मिठाई और पकवान की विशिष्ट पहचान है। मीठे का मतलब खुशी का वह पल, जहां व्यक्ति किसी सुखद अवसर पर इसे खाकर या खिलाकर खुश होता है। देश के हर कोने में लोगों को मिठाई अत्यंत पसंद होती है। केवल होली जैसे बाकी लोकपर्व नहीं, बल्कि जन्मदिन से लेकर शादी और पूजा-पाठ तक सब कुछ मधुर व्यंजन से शुरू होता है। कहा जाता है कि दिल और दिमाग का रास्ता पेट से होकर गुजरता है। दरअसल, सामान्य भोजन जहां हमारे शरीर के लिए पोषक तत्त्वों का असीम स्रोत है, वहीं मधुर व्यंजन के स्वाद जिह्वा की चाह की पूर्ति करती है। गांव में बीते बचपन की स्मृतियां ज्यादातर लोगों को आज भी जीवंत लगती होंगी। शरद ऋतु में गुड़ और देशी घी के मिश्रण से निर्मित मेथी के लड्डू मिट्टी के पात्र में पूरे जाड़े के मौसम के लिए सुरक्षित रखा जाता था। पड़ोस के घरों में भी ह्यबैनाह्ल के रूप में इस लड्डू के कुछ अंश का वितरण परस्पर सहयोग और स्नेह में गतिशीलता बनाए रखता था। वहीं, लड्डू की मिठास की सुस्वादु महक छोटे बच्चों को सबकी नजरों से बचते हुए चुपचाप एक-दो लड्डू चट करने में घर के सभी अनुशासन से मुक्त कर देती थीं। विशेषकर वैवाहिक कार्यक्रमों में पारंपरिक व्यंजनों में बेसन लड्डू, खाजा, बालूशाही, जलेबी, बुंदिया आदि घर में तैयार किए जाते थे। इसके लिए इसकी कच्ची सामग्री कुछ तो बाजार से खरीदी जाती थी, जबकि अधिकांश चीजें घर के खेत से उपजी हुई होती थीं। इन मिठाइयों की तैयारी में गांव के जानकर लोग खुद बिना किसी पारिश्रमिक के दूसरे के घर में होने वाले समारोह, खासकर बेटी की शादी में पूरी तल्लीनता से हाथ बंटाते थे। शादी-विवाह के बाद वापस जाने वाले कुटुंब को एक पोटली में इन मिठाइयों के कुछ भाग को देने की परंपरा थी। मधुर व्यंजन की उत्पत्ति के बारे में पाक विशेषज्ञों और पूर्वजों का कथन है कि दैनिक जीवन में सबसे पहले खीर, हलवा का स्थान प्रमुख था। रसोईघर में उपलब्ध आटे, घी, चावल, गुड़ से ये व्यंजन बनाए जाते थे। गर्मी के दिनों में गांव पधारे अतिथियों को सबसे पहले गुड़ और पानी पेश कर उन्हें थकावट से मुक्ति दिलाने की कोशिश की जाती थी। मौसमी गन्ने के रस से निर्मित खीर, जिसमें दूध की भी पर्याप्त मात्रा दी जाती थी, उसके स्वाद आज भी जिह्वा को ललचा देते हैं।

पानीपत पुलिस ने एक ही परिवार के 4 लापता बच्चों को बरामद करने में पाई सफलता

पानीपत/टीम एक्शन इंडिया
एक साथ सर्च अभियान चलाकर एक ही परिवार के गुमशुदा 4 बच्चों को सकुशल बरामद करने में पानीपत पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने थाना मॉडल टाऊन क्षेत्र के अंतर्गत एक कॉलोनी से एक ही परिवार से गुम हुए 4 बच्चों को 3 घंटे की कड़ी मेहनत के बाद थाना तहसील कैंप क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया हैं। बच्चों की उम्र 7 से 15 साल के बीच है। थाना मॉडल टाऊन में रविवार देर सांय यूपी के जिला कुशीनगर के एक गांव निवासी व्यक्ति ने शिकायत देकर बताया की वह

परिवार सहित पानीपत थाना मॉडल टाऊन क्षेत्र के अंतर्गत एक कॉलोनी में किराये पर रहता है। उसके पास 5 बच्चे हैं। सबसे बड़ी 15 वर्षीय बेटी 3 मार्च को बिना बताए घर से कहीं चली गई, जो 12 व 8 वर्षीय भाई व 7 वर्षीय बहन को भी साथ ले गई। शिकायत पर थाना माडल टाउन में मामला दर्ज कर पुलिस टीम ने बच्चों की क्षेत्र में तलाश शुरू कर दी थी। वहीं पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन के संज्ञान में उक्त मामला आते ही उन्होंने मामले की गंभीरता को देखत हुए सोमवार अल सुबह ही सहायक पुलिस अधीक्षक मयंक मिश्रा के नेतृत्व में 200 जवानों की 20 टीमें गठित कर बच्चों को ढूंढने की जिम्मेवारी सौंपी। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन के मार्गदर्शन में सभी टीमें सुबह 8 बजे से ही एक साथ जिला में विभिन्न स्थानों पर बच्चों की तलाश में जुट गई। टीमों ने पानीपत व समालखा में विभिन्न स्थानों पर करीब 100 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज को चैक करने के साथ ही रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड सहित विभिन्न कॉलोनियों में सर्च करने के साथ ही गांव चुलकाना में लगे श्याम बाबा के मेले में बच्चों की तलाश करने में जुटी रही। पुलिस टीम को करीब 10:30 बजे गुमशुदा चारों बच्चे तहसील कैंप थाना क्षेत्र में मिले। पुलिस टीम ने गुमशुदा चारों बच्चों को सकुशल ढूंढकर मेडिकल करवाने के बाद काउंसिलिंग के लिए चाइल्ड वेल्फेयर कमेटी के सम्मुख पेश किया।

सनातन धर्म मंदिर मॉडल टाउन में होली का दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित

पानीपत/टीम एक्शन इंडिया
सनातन धर्म मंदिर मॉडल टाउन में होली का दो दिवसीय रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। प्रथम दिन धीरज छाबड़ा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की एवं ठाकुर जी की जोत जगा कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वहीं बृज रसिक गायक जतिन अग्रवाल ने ठाकुर जी के भजनों का गुणगान किया।श्रद्धालुओं ने जमकर फूलों से होली खेली। होली उत्सव के दूसरे दिन नगर विधायक प्रमोद विज एवं नीरु विज ने जोत जगा कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जबकि रवि आहूजा एवं शिखा शर्मा ने भजन प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि के रूप में अनिल दुआ, ललित जावा एवं मुकेश मदान उपस्थित रहे। इस अवसर पर चेयरमैन मदद डूडेजा, प्रधान तरण गांधी, मीडिया प्रभारी स्वाति मित्तल, महासचिव मनोहर लाल सेतिया, सह सचिव मोहित जग्गा, उपप्रधान शिव मल्होत्रा, राजेश्वर गर्ग, करनजीतराय सेठ, जोगिंद्र चुघ, अमनदीप वधवा, सतीश मित्तल, रामरखा,अंकुर भांबरी, मोहित तलोजा, तरुण सोनी, विनीत बजाज, वैभव छाबड़ा, मनोज गुप्ता, मोहित चोपड़ा, मोहित छाबड़ा, बब्बू शर्मा, आर्यन व लक्ष्य आदि उपस्थित रहे।

नई अनाज मंडी अम्बाला शहर में होली मिलन समारोह आयोजित

अंबाला (मनीष कुमार)
आपसी भाई-चारे एवं प्रेम के महापर्व होली के अवसर पर आज विधायक असीम गोयल की अध्यक्षता में नई अनाज मंडी अम्बाला शहर में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर पंजाबी गायक सुरजीत खान ने अपने पंजाबी गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध करने का काम किया गया। इस अवसर पर विधायक असीम गोयल ने पंजाबी गायक सुरजीत खान व भाजपा कार्यकताओं के साथ फूलों की होली (पुष्प वर्षा) व रंग लगाकर होली पर्व को मनाने का कार्य किया।
इस मौके पर विधायक असीम गोयल ने होली पर्व की सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह होली का पर्व आपके जीवन को खुशियों से भर दें और दूसरे के जीवन में भी खुशियां लाए, सभी के जीवन में आनन्द और प्रेम के रंग सराबोर कर दें। उन्होंने कहा कि कार्यकत्रा पार्टी की रीढ की हड्डी होती है और कार्यकत्राओं के साथ आज इस होली के पर्व को मनाने का काम किया गया हैं। उन्होंने यह भी कहा कि होली का त्योहार भगद प्रलार्द से शुरू हुआ था। होली के पर्व से पहले होलिका दहन भी होता हैं। यानि जो भी बैर, दुश्मनी या अन्य कुरूतीयां हैं उन्हें जला देना चाहिए। हमें भी इस पर्व पर अपने जीवन रूपी जो भी बुरी कुरूतीयां है उसे जला देना चाहिए। उन्होंने इस अवसर पर यह भी कहा कि पंजाबी गायक सुरजीत खान ने आज होली मिलन समारोह में अपने पंजाबी गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध किया गया हैं। उनके पंजाबी गीतों की विदेशों में भी धाक है। उन्होनें पंजाबियों का नाम उंचा करने का काम किया हैं। वर्ष 2004 में गांव नन्यौला में उनका एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था, 19 साल बाद यहां पर जो कार्यक्रम किया गया हैं उसमें सुरजीत खान का वहीं जोश व अनदांज नजर आता है जो पहले था। उनके हर एक गाने के बोल में एक संदेश भी हैं। भगवान उनकी गायकी को इसी प्रकार तरक्की बक्शे, इसकी वे प्रभु से कामना भी करते हैं।

न्यूज फ्लैश

राजकीय मॉडल प्राथमिक विद्यालय में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

अम्बाला (मनीष कुमार)
राष्ट्रभाषा विचार मंच द्वारा 14 फरवरी को आयोजित श्रुतलेख प्रतियोगिता का आज पुरस्कार वितरण राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय, रामबाग रोड अम्बाला छावनी के प्रांगण में किया गया । इस प्रतियोगिता में कक्षा तीन, चार व पाँच के 40 बच्चों ने भाग लिया था । मुख्य अभ्यागत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर कार्यवाह जीवन जोशी ने प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को मंच की ओर से पुरस्कार व प्रमाण पत्र दिए । इस अवसर पर बोलते हुए जीवन जोशी ने कहानियों के माध्यम से बच्चों को प्रेरणा व प्रोत्साहन का संदेश देते हुए अपनी भाषा व राष्ट्र के प्रति समर्पित भाव से अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर रहने को प्रेरित किया । मंच के महामन्त्री डॉ. जय प्रकाश गुप्ता ने सभी प्रतियोगी विद्यार्थियों की सराहना करते हुए विद्यालय के शिक्षक वर्ग की भी प्रशंसा की व शुभकामनाएं प्रेषित कीं व विद्यालय के प्रति आभार व्यक्त किया । आयोजन में विशिष्ट अभ्यागत के रूप में राजकीय मॉडल संस्कृति उच्च माध्यमिक विद्यालय की पूर्व विज्ञान शिक्षिका देवकी गुप्ता भी उपस्थित रहीं ।

योगा फेडरेशन अम्बाला ने चंदनपुरी में योग शिक्षक मनोराम की हत्या पर किया शोक व्यक्त

अम्बाला (मनीष कुमार)
योगा फेडरेशन के प्रधान राजिंदर विज ने मनोराम की हत्या की घोर निंदा करते हुए कहा कि जो व्यक्ति योग से लोगों को स्वस्थ रखने और जीने की कला सिखा रहा हूं उसके हत्या मानवता का कत्ल है। उन्होंने सरकारों से आग्रह किया है कि वह मनोराम के साथ हुए अपराध को देखते हुए अपराधी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करके सख्त से सख्त सजा दिलाएं ताकि उसके परिवार वालों को यह लगे की सरकार भी इस दुख की घड़ी में उनके साथ है और न्याय के साथ-साथ उसके परिवार की वित्तीय सहायता भी प्रदान करें ' ज्ञात रहे कि इतवार को अंबाला छावनी के चंद पूरी मैं कुछ लोगों द्वारा एक योग शिक्षक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई है।

विश्व भारती विद्या निकेतन में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

पानीपतः देशराज कॉलोनी स्थित विश्व भारती विद्या निकेतन में आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रिंसिपल चारू सिंह एवं प्रबंधक अवनीश कुमार ने की। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में खादी आश्रम की डायरेक्टर निर्मल दत्त एवं महिला चिकित्सक देवलीना भौमिक रहे। इसके अलावा विशिष्ट अतिथि के रूप में गायत्री बत्रा और दीप्ति गुप्ता उपस्थित रही। कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य अतिथि निर्मल दत्त ने महिलाओं को उनके उत्थान एवं अधिकारों को लेकर प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया था। जिसकी विजेता महिलाओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर लता, शिवानी, विशाखा, अंजलि, अंजू, सरला, अनु ग्रोवर व रीतू आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

तहसील कैंप राजकीय स्कूल में ऑटोमोबाइल विद्यार्थियों को बाटी गयी टूल किट

पानीपतः राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तहसील कैंप में आज नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क के अंतर्गत कक्षा नौवीं व ग्यारवी के ऑटोमोबाइल के विद्यार्थियों को ऑटोमोबाइल टूल किट वितरित की गयी। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ.जोगिंद्र सिंह प्रवक्ता कॉमर्स व विशिष्ट अतिथि सीमा रहे। इस अवसर पर डॉ.जोगिन्द्र ने स्कूल शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा के बारे में बताया। सीमा ने बताया की व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थी बेरोजगार नहीं रह सकता और इसके माध्यम से जीवन में हर तरह से उन्नति प्राप्त कर सकता है। रविंद्र प्रवक्ता गणित के बताया की शिक्षा विभाग का मकसद है की विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार के बारे में सीख सकते हैं। प्रधानाचार्या सुभाष चन्द्र ने बच्चों को आगे बढ? के बारे में बताया और कहा की अपने सपने हमेशा खुली आँखों से देखें। वहीं व्यावसायिक अधयापक संजीव ने बच्चों को टूल किट की जानकारी दी व उनके प्रयोग के विषय में विस्तार से बताया। इस अवसर पर दीपक कुमार, प्रवीन, सुरेंद्र, नीरज, इंदु,हर्षा, सोनिया, ओमप्रकाश, शमशेर सिंह व स्कूल का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। मंच संचालन रसायन प्रवक्ता डॉ.आर.के. गर्ग ने किया।

आम नागरिक होली पर कानून एवम व्यवस्था बनाए रखेः रंधावा

अम्बाला (मनीष कुमार)
पुलिस अधीक्षक अम्बाला जशनदीप सिहँ रंधावा ने होली के अवसर पर जिलावासियों/अम्बाला पुलिस के अधिकारियों/कर्मचारियों के परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि वह अधिक सतर्क रहते हुए रंगों व खुशियों के पर्व होली को सुरक्षित एवम इको-फ्रैण्डली तरीके से मनाएँ। यह पर्व लोगों के जीवन में नया रंग भर कर उन्हें समाज में प्रेम और सद्भाव से रहने के लिए प्रेरित करता है। पुलिस अधीक्षक अम्बाला ने अपील करते हुए कहा कि होली पर्व पर काननू एवम व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस को सहयोग करे नागरिक। होली पर्व पर लोगों में उत्साह व उमंग को देखते हुए यह अनिवार्य है कि हम सभी को पर्यावरण संरक्षण के प्रति अधिक संवेदनशील होने की आवश्यकता है। हम सभी के लिए होली पर्व को इको-फ्रैण्डली तरीके से मनाना बेहतरीन कदम होगा। रंगों के इस पर्व पर नागरिक रसायनिक रंगों की जगह प्राकृतिक रंगों का प्रयोग करते हुए बहुमूल्य पानी की बबार्दी ना करते हुए बहुमूल्य जल को बचाएँ।

शरारती तत्वों पर रहेगी पुलिस की पैनी नजरः
पुलिस अधीक्षक अम्बाला ने सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों, प्रबन्धक थाना, निरीक्षक सी.आई.ए., निरीक्षक ए.वी.टी. सैल व चैकी इन्चार्ज को निर्देश दिए कि किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए पर्याप्त व्यापक सुरक्षा प्रबन्धक किए जाएँ। इस अवसर पर शरारती तत्वों पर नजर रखने के लिए अधिक से अधिक नाकेबन्दी करते हुए शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर नजर रखने के लिए विशेष बैरीकेड्स लगाए जाएँ। इसके अतिरिक्त होली समारोहों और सभाओं में सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर गश्त के लिए पुलिस कर्मचारियों की संख्या बढ़ा कर निरन्तर गश्त की जाए। शरारती तत्वों पर विशेष नजर रखते हुए गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वालों पर सख्ती के साथ कानूनी कार्यवाही की जाए।

श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज हमें जीवन जीने की कला सिखाते हैं: रणजीत

अंबाला (मनीष कुमार) श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज हमें जीवन जीने की कला सिखाते हैं। गुरुबाणी द्वारा दी गई शिक्षाओं को यदि इंसान अपने जीवन में आत्मसात करे, तो उसका जीवन सुखमय हो जाएगा। यह विचार भाई रणजीत सिंह ने प्रकट किए। वे ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री पंजोखरा साहिब अंबाला में धार्मिक समागम के दौरान संगत का मार्गदर्शन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों को भी गुरबाणी से जोडना चाहिए। बच्चों को ऐतिहासिक गुरु अस्थानों पर ले जाकर उन्हें इतिहास की जानकारी देनी चाहिए। ताकि उन्हें सिख कौम के गौरवमयी इतिहास का ज्ञान हो सकें। भाई रणजीत सिंह ने कहा कि गुरु साहिबान की शिक्षाओं को आत्मसात करके हम हर हाल में संतोषजनक जीवन व्यतीत कर सकते हैं, बस श्रद्धाभाव की जरुरत है। समागम में भाई रविंदर सिंह तोपखाना, गुरुद्वारा साहिब के हजूरी रागी भाई सुरेंद्र सिंह व भाई कवलजीत सिंह ने शबद कीर्तन करके संगत को निहाल किया। इसके अलावा भाई मलकीत सिंह बी.ए व भाई तरसेम सिंह के ढाड़ी जत्थे ने अपने रचनाओं से संगत में जोश भर दिया, जबकि भाई साहिब सिंह के कविशरी जत्थे ने गुरु इतिहास से संगत को जोड़ा। समागम में गुरुद्वारा साहिब में अमृत संचार भी करवाया गया, जिसमें ७८ प्राणियों ने अमृतपान करके स्वयं को पुण्य का भागीदार बनाते हुए गुरुसिख सजने का सौभाग्य प्राप्त किया।

एसडी कॉलेज में सात दिवसीय विशेष एनएसएस कैंप का रंगारंग समापन

पानीपत/टीम एक्शन इंडिया
एसडी पीजी कॉलेज में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के एनएसएस पाठ्यक्रम के अनुसार 1 से 7 मार्च तक चले सात दिवसीय विशेष एनएसएस शिविर का रंगारंग समापन हो गया। समापन समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि पवन गोयल प्रधान, मनोज सिंगला उप प्रधान, तुलसी सिंगला जनरल सेक्रेटरी और विकुल बिंदल कोषाध्यक्ष ने शिरकत की और सभी 110 एनएसएस स्वयंसेवकों को सर्टिफिकेट वितरित किये। मेहमानों का स्वागत प्राचार्य डॉ.अनुपम अरोड़ा, एनएसएस एवं वाईआरसी प्रभारी डॉ.राकेश गर्ग, डॉ.संतोष कुमारी, डॉ.दीपिका अरोड़ा, डॉ.एसके वर्मा, डॉ.पवन सभरवाल और प्रो.मनोज कुमार ने किया।

अग्रवाल वैश्य समाज द्वारा सिविल अस्पताल में चाय, फल, फ्रूट का लगाया भंडारा

अम्बाला (मनीष कुमार)
होली के शुभ अवसर अवसर पर अग्रवाल वैश्य समाज द्वारा सिविल हॉस्पिटल में चाय,फल,फ्रूट का भंडारा लगाया। इस अवसर पर अग्रवाल वैश्य समाज अंबाला सिटी प्रधान सुरेश जिंदल ने सभी अंबाला वासियों को होली की शुभकामनाएं दी, और कहा कि चाहे बच्चे हो, बड़े हो सालभर सभी इस होली के त्यौहार का इंतजार करते हैं। यह दिलों को मिलाने का मौसम है दूरियां मिटाने का मौसम है। होली का त्योहार ही ऐसा है रंगों में डूब जाने का मौसम है ,साथ मैं

उपप्रधान पवन अग्रवाल, लोकसभा क्षेत्र प्रधान अरुण गुप्ता कैशियर राकेश गुप्ता,सेक्रेटरी अरुण कुमार सह सचिव महेश गोयल व संचित मित्तल, नवनीत गोयल मनीष जैन,राजेश अग्रवाल,प्रेस सचिव रमाकांत मित्तल,विवेक जैन,मयंक गुप्ता,अनिल गुप्ता, साकेत गोयल इत्यादि उपस्थित रहे।

एनएसएस कैंप में स्वयंसेवकों को कराया योगा

पानीपतः जीटी रोड स्थित आईबी महाविद्यालय में एनएसएस यूनिट द्वारा स्पेशल कैंप के चौथे दिन का आयोजन किया गया। प्रातः कालीन सत्र में स्वयंसेवकों को योगा और मेडिटेशन करवाया गया। इसके पश्चात स्वयंसेवकों द्वारा पर्यावरण की सुरक्षा के लिए रैली निकाली गई। जिसमें स्वयं सेवकों ने चलो उठो सब हाथ मिला, पर्यावरण को स्वच्छ बनाएं, आओ मिलकर वृक्ष लगाएं, पर्यावरण को स्वच्छ बनाएं के नारे लगाए। डॉ.प्रवीण लाइब्रेरियन आईबी कॉलेज ने स्वयंसेवकों को लाइब्रेरी की किताबों के बारे में जानकारी दें।

जिला के तीन गुरुद्वारा साहिबान के प्रबंध की सेवा एचएसजीएमसी ने संभाली

अम्बाला (मनीष कुमार)
हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी ने गुरुद्वारा साहिबान की सेवा संभाल का कार्य आगे बढ़ाते हुए सोमवार को जिला कुरुक्षेत्र के तीन गुरुद्वारा साहिबान का प्रबंध संभाला। एचएसजीएमसी के महासचिव गुरविंदर सिंह धमीजा, कार्यकारिणी समिति मैंबर बीबी रविंदर कौर अजराना, जसवंत सिंह दुनियामाजरा, विनर सिंह अंबाला, मोहनजीत सिंह पानीपत, साहब सिंह कैथल, गुरदीप सिंह, मलकीत सिंह गोराया, अंग्रेज सिंह गोराया, गुरमीत सिंह सीवन, स्वर्ण सिंह,

अमरीक सिंह सतपाल सिंह, तजिकंदर सिंह मक्कड व सुरेंद्र कौर की टीम पिहोवा के गुरुद्वारा साहिब पातशाही ६वीं व ९वीं सरस्वती घाट पहुंचे और वहां पर प्रबंध की जानकारी लेते हुए सेवा संभाली। इसके अलावा एचएसजीएमसी की टीम गुरुद्वारा दमदमा साहिब सियाना सैदां और गुरुद्वारा त्रिवेणी साहिब कराह साहिब की सेवा अपने हाथ में ली। महासचिव गुरविंदर सिंह धमीजा ने कहा कि २० सितंबर २०२२ को सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी को मान्यता दे दी थी, लेकिन एसजीपीसी द्वारा छह माह तक हरियाणा के गुरुद्वारा साहिबान की सेवा संभाल देने के लिए कोई भी कदम आगे नहीं बढ़ाया। देश की सर्वोच्च अदालत में केस हारने के बाद भी एसजीपीसी ने एचएसजीएमसी को कोई सहयोग नहीं किया, जिससे उनकी मानसिकता का पता चलता है। इसलिए हरियाणा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अनुपालना करते हुए गुरुद्वारार साहिबान की सेवा संभाल में संस्था की सहायता की।

साइबर ठग ने खाते से उड़ाये हजारों रुपए

गांव तसडोली (मनीष कुमार)
निवासी प्रदीप कुमार ने बताया कि उसने वर्ष 2020 में टाटा कैपिटल फाइनेंस कंपनी से अपनी घरेलू जरूरत के लिए 1.71 लाख रुपए का लोन लिया था। लोन की किश्त उसके दूसरे खाते से समय-समय पर कटती रही। बताया कि वह बकाया पेमेंट जमा कराकर लोन को बंद कराना चाहता था। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसने गूगल से टाटा कैपिटल फाइनेंस कंपनी का नंबर सर्च किया। उसने गूगल पर मिले 93306-37479 नंबर पर कॉल की। उसने अपना लोन बंद करने की अपील की। इस दौरान साइबर ठग ने दोबारा कॉल करने की बात करके लोन बंद करने की बात कही। 9 जुलाई 2022 को उसके पास एक कॉल आई, जिसने बताया कि वह टाटा कैपिटल कंपनी से बात कर रहा है। आरोपी ने उसके पास कंपनी के डॉक्यूमेंट्स भी भेजे। उसने विश्वास हो गया कि कॉल करने वाला कंपनी का कर्मचारी है। आरोपी ने पेमेंट देने के लिए उसको यूनियन बैंक ऑफ का खाता नंबर दिया।
उसने उक्त खाते में 98 हजार 780 रुपए ट्रांसफर कर दिए। शातिर ठग ने 20 हजार रुपए की रसीद दी। आरोपी ने कहा कि ठडउ के लिए 24 हजार 750 रुपए अदा करने होंगे। उसे शक हुआ कि उसके साथ 98 हजार 780 हजार रुपए का फ्रॉड हो गया।

योग टीचर की हत्या के मामले मे पुलिस का घेराव किया

योग टीचर की हत्या के मामले मे गिरफ्तार आरोपियों को अदालत मे पेश किया गया

अंबाला छावनी (मनीष कुमार) अंबाला छावनी के सुदंर नगर क्षेत्र मे गत दिवस हुई योग टीचर की हत्या के मामले मे गिरफ्तार आरोपियों को अदालत मे पेश किया गया। तो वही दुसरी और, बीते रात गुस्साए लोगों ने सुंदर नगर में घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने गई पुलिस टीम का मृतक के परिजनों ने आधे घंटे घेराव किया। पुलिस किसी तरह पड़ाव थाना पहुंची तो परिजन भी पीछे-पीछे थाने पहुंच गए। परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस मामले में ढील बरत रही है। विवाद बढ़ता देख डीएसपी अनिल कुमार, पड़ाव थाना प्रभारी जीत सिंह, प्रभारी संदीप कुमार, कैंट थाना प्रभारी नरेश कुमार, महेश नगर थाना प्रभारी रामपाल समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस अधिकारियों को परिजनों को समझाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। मामला यही शांत नहीं हुआ, परिजन व रिश्तेदार रात को पड़ाव थाना पहुंचे। यहां परिजनों ने काफी देर तक हंगामा किया। पुलिस ने परिजनों को सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। पुलिस की कार्रवाई से नाखुश परिजन देर रात गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज के आवास पर पहुंचे। यहां, उन्होंने गृह मंत्री से मुलाकात करने की मांग की। काफी समय बाद परिजन मंत्री से मुलाकात किए बिना पास लौट गए।
मनोराम हत्या कांड में शामिल 4 आरोपियों ने एक अन्य युवक का भी रास्ता रोक मारपीट की थी। सुंदर नगर निवासी मोंटू ने बताया कि वह रविवार शाम 6 बजे बाजार से अपने घर जा रहा था। जैसे ही वह दूधला चौक पर पहुंचा तो वहां निखिल उर्फ निशु, अशोक उर्फ बाज, अंशुल उर्फ काका और नकुल खड़े थे। यहां चारों आरोपियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। हमले में उसके मुंह और कान के पीछे चोटें आई। यही नहीं, आरोपियों ने जान से मरने की धमकी भी दी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।
विदित हो कि रविवार रात को सुंदर नगर अंबाला कैंट में 35 वर्षीय योग टीचर मनोराम के सीने और माथे में छुरा घोंप मौत के घाट उतार दिया था। हमलावरों ने झगड़े की रंजिश रखते हुए वारदात को अंजाम दिया था।

पानीपत में मिला बंद सूटेकेश में महिला का शव

पानीपत/टीम एक्शन इंडिया
पानीपत में रोहतक-पानीपत हाईवे पर गांव सिवाह के पास रेलवे ओवरब्रिज पर किनारे लगी ग्रिल के साथ एक सूटकेस पड़ा मिला। राहगीरों ने उसे खोलकर देखा तो उनके पैरो तले की जमीन खिसक गई। सूटकेस में सामान नहीं बल्कि एक महिला की डेड बॉडी थी। महिला के हाथ-पैर रस्सी से बंधे हुए थे और मुंह पर टेप लगी थी। जिसकी सूचना राहगीरों ने पुलिस को दी। वहीं सूचना मिलते ही सेक्टर 29 थाना पुलिस व तीनों सीआईए समेत पुलिस बल मौके पर पहुंचा। वहीं पुलिस ने एफएसएल टीम को भी सूचित किया। सभी टीमों ने मौके से जरूरी साक्ष्य जुटाकर मामले की आगामी कार्रवाई शुरू का दी है। मृतक महिला की उम्र करीब 50 वर्ष बताई जा रही है। मृतक की पहचान करवाने के लिए उसके मुंह पर लगी टेप को उतारा गया है। इसके बाद करीब 50 से भी अधिक लोगों से शव की पहचान करवाई गई। बावजूद इसके करीब दो घंटे तक भी मृतक महिला की कोई पहचान नहीं पाई। इसके बाद शव को सिविल अस्पताल भिजवाया गया। जहां उसका पंचनामा भरवा कर शवगृह में रखवा दिया गया है। पोस्टमॉर्टम में महिला के मौत के सही कारणों एवं हत्या करने के तरीकों का खुलासा हो सके।

मायके आई विवाहिता घर से हुई फरार

अंबाला छावनी (मनीष कुमार)
अंबाला में मायके आई विवाहिता घर से फरार हो गई। युवती की 5 सितंबर 2022 को ही अंबाला कैंट में शादी हुई थी। 5 मार्च को वह अपनी सहेली की शादी में गांव तलहेड़ी गई थी। शादी अटैंड करके रात को अपने घर कमरे में सो गई थी। परिजनों ने सुबह देखा तो गायब मिली। मुलाना थाना पुलिस ने पिता की शिकायत पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।
गांव तलहेड़ी निवासी व्यक्ति ने बताया कि उसने अपनी 26 वर्षीय बेटी की 5 सितंबर 2022 को ही कॉलोनी अंबाला कैंट निवासी रवि कांत के साथ शादी की थी। 5 मार्च को उसकी बेटी गांव तलहेड़ी में अपनी सहेली प्रियंका की शादी में गई थी। शादी अटैंड करने के बाद सभी अपने घर आकर सो गए थे। पिता ने बताया कि उन्होंने सोमवार सुबह 7 बजे देखा तो उसकी बेटी अपने कमरे में नहीं थी। उन्होंने अपनी रिश्तेदारी में हर जगह तलाश कर ली, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लगा। मुलाना थाना पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मानव मन का सर्वश्रेष्ठ उल्लास है होली

होली का नाम आते ही मन रंगों के विश्लेषण पर लोटने लगता है। लेकिन चेहरे भाभियों और देवरों का मज़ाक मन में कुलांचे मारने लगता है। मानव मन के उत्कृष्ट उल्लास का नाम होली का त्योहार है। होली हमारे देश का एक विशिष्ट सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक त्योहार है। यह बहुत प्राचीन उत्सव है। जैमिनी के पूर्व मीमांसा सूत्र, जो लगभग 400-200 ईसा पूर्व का है, के अनुसार होली का प्रारंभिक शब्द रूप होलाका था। जैमिनी का कथन है कि इसे सभी आर्यों द्वारा संपादित किया जाना चाहिए। काठक गृह्य सूत्र के एक सूत्र की टीकाकार देवपाल ने इस प्रकार व्याख्या की है :- होला कर्म विशेष : सौभाग्याय स्त्रीणां प्रातरनुष्ठीयते। तत्र होलाके राका देवता

- होला एक कर्म विशेष है जो स्त्रियों के सौभाग्य के लिए संपादित होता है। इसमें राका (पूर्णचन्द्र) देवता हैं।

होलाका संपूर्ण भारत में प्रचलित 20 क्रीड़ाओं में एक है। वात्स्यायन के अनुसार लोग श्रृंग (गाय की सींग) से एक-दूसरे पर रंग डालते हैं और सुगंधित चूर्ण (अबीर-गुलाल) डालते हैं। लिंग पुराण में उल्लेख है कि फाल्गुन-पूर्णिमा को फाल्गुनिका कहा जाता है, यह बाल क्रीड़ाओं से पूर्ण है और लोगों को विभूति (ऐश्वर्य) देने वाली है।

वराह पुराण में इसे पटवास-विलासिनी (चूर्ण से युक्त क्रीड़ाओं वाली) कहा है। हिरण्यकश्यप का पुत्र प्रह्लाद विष्णु का भक्त था। उसने अपने पिता के बार-बार समझाने के बाद भी विष्णु की भक्ति नहीं छोड़ी। हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को मारने के अनेक उपाय किए किन्तु वह सफल नहीं हुआ। अन्त में, उसने अपनी बहन होलिका से कहा कि वह प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठे, क्योंकि होलिका एक चादर ओढ़ लेती थी जिससे अग्नि उसे नहीं जला पाती थी। होलिका जब प्रह्लाद को अपनी गोद में लेकर अग्नि में बैठी तो वह चादर प्रह्लाद के ऊपर आ गई और होलिका जलकर भस्म हो गई। तब से होलिका-दहन का प्रचलन हुआ।

होली मुक्त स्वच्छंद हास-परिहास का पर्व है। यह सम्पूर्ण भारत का मंगलोत्सव है। फागुन शुक्ल पूर्णिमा को आर्य लोग जौ की बालियों की आहुति यज्ञ में देकर अग्निहोत्र का आरंभ करते हैं। कर्मकांड में इसे 'यवाग्रयण' यज्ञ का नाम दिया गया है। बसंत में सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण में आ जाता है। इसलिए होली के पर्व को 'गवंतराम्भ' भी कहा गया है। होली का आगमन इस बात का सूचक है कि अब चारों तरफ वसंत ऋतु का सुवास फैलने वाला है। रवीन्द्रनाथ टैगोर ने कहा है- सहस्त्र मधु मादक स्पर्शों से आलिंगित कर रही सूरज की इन रश्मियों ने फागुन के इस बसंत प्रातः को सुगन्धित स्वर्ण में आह्लादित कर दिया है। यह देश हंसते-हंसाते मुस्कुराते चेहरों का देश है। जिंदगी जब सारी खुशियों को स्वयं में समेटकर प्रस्तुति का बहाना मांगती है तब प्रकृति मनुष्य को होली जैसा त्योहार देती है। । महाकवि बाणभट्ट ने कादंबरी में राजा तारापीड़ के फाग खेलने का अनूठा वर्णन किया है। भवभूति के मालतीमाधव नाटक में पुरवासी मदनोत्सव मनाते हैं। यहां एक स्थल पर नायक माधव सुलोचना मालती के गुलाबी कपोलों पर लगे कुमकुम के फैल जाने से बने सौंदर्य पर मुग्ध हो जाता है। राजशेखर ने अपनी काव्य-मीमांसा में मणिकर्णिका झूला झूलने का भी उल्लेख किया है। यद्यपि आज के समय की तथाकथित भौतिकवादी सोच एवं पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव, स्वार्थ एवं संकीर्णताभरे वातावरण से होली की परंपरा में बदलाव आया है। परिस्थितियों के थपेड़ों ने होली की खुशी और मस्ती को प्रभावित भी किया है लेकिन आज भी ब्रजभूमि ने होली की प्राचीन परम्पराओं को संजोए रखा है। यह परम्परा इतनी जीवन्त है कि इसके आकर्षण में देश-विदेश के लाखों पर्यटक ब्रज वृन्दावन की दिव्य होली के दर्शन करने और उसके रंगों में भीगने का आनंद लेने प्रतिवर्ष यहां आते हैं। होली नई फसलों का त्योहार है, प्रकृति के रंगों में सराबोर होने का त्योहार है। राधा-कृष्ण के जीवनकाल से ही अनुराग के इस त्योहार को ब्रज के गांव-गांव, घर-घर में लोग राग-रंग, मौज-मस्ती, हास-परिहास, गीत-संगीत के साथ परंपरा से आज तक मनाते आ रहे हैं। ब्रज में ऐसा कोई हाथ नहीं होता जो गुलाल से न भरा हो, पिचकारियों के सुगंध भरे रंग से सराबोर न हो। मति मारौ श्याम पिचकारी, अब देऊंगी गारी।

भिजेगी लाल नई अंगिया, चूंदर बिगरैगी न्यारी।

देखेंगी सास रिसाएगी मोपै, संग की ऐसी है दारी।

हंसेगी दै-दै तारी। ब्रज की होली की रसधारा से जुड़ा एक तीर्थ है बरसाना। फागुन शुक्ला नवमी के दिन नंदगांव के हुरिहारे कृष्ण और उनके सखा बनकर राधा के गांव बरसाने जाते हैं। बरसाने की ललनाएं राधा और उसकी सखियों के धर्म का पालन कर नंदगांव के छैल छबीले हुरिहारों पर रंग की बौछार करती हैं। फाग खेलन बरसाने आए हैं नटवर नंदकिशोर

घेर लई सब गली रंगीली। छाय रही छवि घटा रंगीली।

ढप-ढोल मृदंग बजाए है।

बंशी की घनघोर। बुंदेली फागों के एकछत्र सम्राट है लोककवि ईसुरी। ईसुरी ने अपनी प्रेमिका 'रजउ' को अपने कृतित्व में अमर कर दिया। ईसुरी ने फागों की एक विशिष्ट शैली 'चौघड़िया फाग' को जन्म दिया। हम अपनी फाग चर्चा चौघड़िया फागों से ही आरम्भ करते हैं। ईसुरी ने अपनी प्राकृत प्रतिभा से ग्रामीण मानव मन के उच्छ्वासों को सुर-ताल के साथ समन्वित कर उपेक्षित और अनचीन्ही लोक भावनाओं को इन फागों में पिरोया है।

हमखां बिसरत नहीं बिसारी, हेरन-हंसन तुमारी। जुबन विशाल चाल मतवारी, पतरी कमर इकारी। भौंह कमान बान से तानें, नजर तिरीछी मारी। 'ईसुर' कान हमारी कोदी, तनक हरे लो प्यारी। दक्षिण भारत में होलिका के पांचवे दिन रंग-पंचमी के रूप में यह उत्सव मनाया जाता है। पूरे भारत में यह उत्सव विभिन्न तरीके से मनाया जाता है। उत्तर भारत में वृंदावन, मथुरा, बरसाना आदि की होली बहुत प्रसिद्ध है। बरसाना में राधा-रानी मंदिर के प्रांगण में लट्ठमार होली होती है जिसमें स्त्रियां लाठियों से पुरुषों पर प्रहार करती हैं एवं होली गीत गाती हैं। वृंदावन का रसिया गायन, वहां का होली नृत्य; जो कृष्ण और राधा की होली खेलने को दर्शाता है, बहुत प्रसिद्ध है। बिहार प्रांत में उत्तरप्रदेश की भांति ही होली होती है।

भोजपुरी भाषा में इस उत्सव में गाए गए फाग वहां की विशेषता है। अवध, मगध, मध्यप्रदेश, राजस्थान, मैसूर, गढ़वाल, कुमायूं,ब्रज सभी क्षेत्रों में होली का अत्यंत उल्लास और उमंग देखने को मिलता है। बंगाल एवं बांग्लादेश में होलिका-दहन नहीं होता, वहां इसे दोल-यात्रा या वसंतोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसमें कृष्ण प्रतिमा का झूला प्रचलित है।

मूलतः होली का त्योहार प्रकृति का पर्व है। इस पर्व को भक्ति और भावना से इसीलिए जोड़ा जाता है कि ताकि प्रकृति के इस रूप से आदमी जुड़े और उसके अमूल्य धरोहरों को समझे जिनसे ही आदमी का जीवन है। मनुष्य का जीवन अनेक कष्टों और विपदाओं से भरा हुआ है। वह दिन-रात अपने जीवन की पीड़ा का समाधान ढूंढने में जुटा रहता है। इसी आशा और निराशा के क्षणों में उसका मन व्याकुल बना रहता है। ऐसे ही क्षणों में होली जैसे पर्व उसके जीवन में आशा का संचार करते हैं। भारत के बड़े जलसंकट के मद्देनजर हमें पानी बचाने के लिए एकसाथ मिलकर काम करना चाहिए और होली जैसे अवसर पर पानी की बर्बादी रोकना चाहिए। होली खेलने वालों ने अगर प्राकृतिक रंग या गुलाल से होली खेली तो कुल 36 लाख 95 हजार 518 लीटर पानी की बचत होगी। धरती पर लगभग 6 अरब की आबादी में से एक अरब लोगों के पास पीने को भी पानी नहीं है। जब मनुष्य इतनी बड़ी आपदा से जूझ रहा हो ऐसे में हमें अपने त्योहारों को मनाते वक्त संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। इस होली पर जितना संभव हो अधिक से अधिक पानी बचाने का संकल्प लें। सभी को प्यार के रंग में रंग देने वाले होली के त्योहार पर हर व्यक्ति अपने और दूसरों के जीवन में खुशियों के रंग भर देना चाहता है। कोई अबीर, गुलाल से तो कोई पक्के रंग और पानी से होली खेलता है, लेकिन आज भी कुछ लोग हैं जो प्रकृति से प्राप्त फूल-पत्तियों व जड़ी-बूटियों से रंग बना कर होली खेलते हैं। उनके अनुसार इन रंगों में सात्विकता होती है और ये किसी भी तरह से हानिकारक नहीं होते। होली के अवसर पर छेड़खानी, मारपीट, मादक पदार्थों का सेवन, उच्छृंखलता आदि के जरिए शालीनता की हदों को पार कर दिया जाता है। आवश्यकता है कि होली के वास्तविक उद्देश्य को आत्मसात किया जाए और उसी के आधार पर इसे मनाया जाए। होली का पर्व भेदभाव को भूलने का संदेश देता है, साथ ही यह मानवीय संबंधों में समरसता का विकास करता है।

कविता

आई बसंती होली...

ऊपर नीला-नीला आकाश,
नीचे हरी-भरी धरती।
लाल-लाल खिला पलाश
सृष्टि की छवि मन हरती।
फिर अपने आंगन में आई
बसंती होली।
मन पुलकित, तन पुलकित
पुलकित हर दिवस निशा।
कण सुरभित, क्षण सुरभित,
सुरभित दिशा-दिशा।
फिर अपने आंगन में आई
बसंती होली।
यत्र-तत्र रंग ही रंग,
जीवन के रंग अपार।
प्रीति-रीति संग ही संग,
हुआ त्योहार साकार।
फिर अपने आंगन में,
आई बसंती होली।
मानो निकले पाथर के पर,
आनंद का अनूठा लगन।
उभर उठे सप्त स्वर,
गायन में कोकिल मगन।
फिर अपने आंगन में आई
बसंती होली।
बजा मंजीरा, बजा ढोल,
जग झूम-झूम उठ जागा,
कैसे सजे सुंदर बोल,
यह कैसा सुरीला फाग।
फिर अपने आंगन में,
आई बसंती होली।

रंग नहीं पसंद, तो इन 5 तरीकों से मनाएं होली

रंगों की बौछारों में ही होली का असली मजा है, और इनके बगैर होली सूनी सी लगती है। लेकिन कई लोगों को रंगों से सराबोर होना पसंद नहीं होता, लिहाजा वे होली की मस्ती में शामिल नहीं होते। अगर आप भी रंगों से दूर रहते हैं, तो घर पर ऐसे मनाएं होली का त्योहार -

1 होली का असली माहौल तो होली के गीतों से ही बनता है, यह आप भी जानते ही हैं। तो घर बैठे होली मनाने का बढ़िया तरीका है, होली के फिल्मी गानों से घर और मोहल्ले को एहसास करा दें, कि आप भी होली मना रहे हैं।

2 भले ही रंगों में खेलने का मन नहीं है, लेकिन भाई-चारा बढ़ाने में थोड़े ही कुछ जाता है। भई परिवार, दोस्तों-यारों और रिश्तेदारों से मिलें, समय बिताएं या कोई खाने-पीने का बढ़ि??या-सा आयोजन करें, और होली मनाएं।

3 होली पर शुभकामना और मस्ती भरे संदेशों की भी कमी नहीं होती। आप यह काम भी बड़ी शिद्दत से कर सकते हैं। अपनों को ऑडियो, वीडियो या फोटोज के माध्यम से बढ़ि?या होली संदेश भेजें और शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करें।

4 अपने घर के कम्प्यूटर पर होली वाला रंग-बिरंगा वॉलपेपर लगाएं और अपने लिए कपड़ों का चयन भी रंगबिरंगा सा करें। आप चाहें तो इस दिन घर के परदे और चादरें भी रंगबिरंगे लगा सकते हैं।

5 मिठाईयों के बगैर भी भला कोई होली मनाई जाती है...। घर पर आराम से बैठकर कोई फिल्म देखिए, या फिर घर पर कोई नाच-गाने, कविता या शेर-ओ-शायरी कार्यक्रम आयोजित करें और मिठाईयों का लुत्फ लीजिए। साथ में ठंडाई का स्वाद लेकर अपने आनंद में चार चांद लगाइए।

होली स्पेशल गुझिया रंगबिरंगी

सामग्री :

300 ग्राम मैदा, 1 बड़ी कटोरी बारीक मीठी बूंदी, 1 बड़ा चम्मच घी (मोयन के लिए), पाव कटोरी मिक्स मेवों की कतरन, 4-5 केसर के लच्छे, 1-1 बूंद हरा-लाल खाने वाला रंग, 2 तार की डेढ़ कप तैयार चाशनी, पाव कटोरी दूध, तलने के लिए पर्याप्त मात्रा में घी।

विधि :

सबसे पहले केसर को थोड़े-से गुनगुने दूध में कुछ देर भिगो कर घोंट लें। अब मैदे में मोयन मिलाकर उसके तीन हिस्से कर लें। एक में हरा, दूसरे में लाल रंग व तीसरे भाग में जरा-सी केसर मिला कर तीनों को अलग-अलग गूंथ कर लंबे रोल बना लें। तीनों रोल को मिलाकर छोटी-छोटी लोई बना लें।

अब बूंदी (लड्डू का चूरा भी ले सकते हैं) में केसर-मेवा और थोड़े-से दूध के छींटे डालकर अच्छी तरह मिश्रण तैयार कर लें। मैदे की छोटी-छोटी पूरियां बेलें व थोड़ा बूंदी का मिश्रण भर कर उसकी गुझिया बना लें।

एक कड़ाही में घी गर्म करें व धीमी आंच पर सुनहरी होने तक गुझिया तल लें। थोड़ी ठंडी होने पर चाशनी में डालकर वापस निकाल लें। बनाने में आसान व दिखने में सुंदर रंगबिरंगी गुझिया आपके घर आए मेहमानों को जरूर पसंद आएगी।

होली : रंग छुड़ाते वक्त रखें 5 बातों का ध्यान

होली खेलने के बाद त्वचा पर जमा हुआ रंग छुड़ाना काफी मशक्कत भरा काम है। जैसे-तैसे रंग छुड़ाने के बजाए कुछ बातों का ध्यान रखकर आप त्वचा को सुरक्षित रख सकते हैं। जरूर जानिए, कौन-सी हैं ये 5 बातें -

1 होली का रंग निकालने का सबसे आसान और सुरक्षित तरीका है तेल का इस्तेमाल। नारियल के तेल में रुई के फाहे को डुबोकर इससे धीरे-धीरे रंग निकालें। इससे जलन नहीं होगी और रंग भी छूट जाएगा।

2 ध्यान रहे रंग छुड़ाने के लिए कभी भी कपड़े धोने का साबुन, मिट्टी का तेल या चूने के पानी का प्रयोग ना करें। इससे आपकी त्वचा क्षतिग्रस्त हो सकती है और बाद में जलन पैदा हो सकती है।

3 आटे में तेल, हल्दी मिलाकर उबटन तैयार करें। अब इसे लगाकर रखने के बजाए चेहरे और

त्वचा पर रगड़ते रहें जब तक मैल और रंग साफ न हो जाए। यह आपकी त्वचा को नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

4 त्वचा पर सीधे नींबू, सिरका या सिट्रिक चीजें लगाने से परहेज करें यह त्वचा में तेज जलन पैदा कर सकती है। यदि होली खेलने के पहले ही पूरे शरीर पर कोई भी ऑइल अच्छी तरह लगा लिया जाए तो रंग निकालने में आसानी होती है।

5 यदि शरीर पर ग्रीस, ऑइल पेंट या कोई ऐसा ही पदार्थ लगा हो तो सफेद तिल को पानी में भिगोकर उसका पेस्ट बना लें। शरीर पर 10 मिनट लगाकर रखें, रंग खुद-ब-खुद छूट जाएगा।

न्यूज फ्लैश

यहां हिन्दूवादी संगठन सजग पर पुलिस ... !

मथुराः हिन्दूवादी संगठनों की सक्रियता से कटान को जा रहे 22 गोवंश को मुक्त करा लिया गया। वहीं एक अन्य स्थान पर अवैध रूप से ले जाया जा रहा 500 किलोग्राम मीट भी संगठनों के कार्यकताओं की सजगता के चलते पकड़ा जा सका। दोनों ही मामलों में हिन्दूवादी संगठनों की सजगता काम आई। संगठनों से जुड़े कार्यकताओं ने पुलिस को दोनों मामलों की सूचना दी। इसके बाद पुलिस सक्रिय हुई। हालांकि इसके बाद भी गौ तस्करों को पकडा नहीं जा सका। इससे हिन्दूवादी संगठनों में रोष है। इन लोगों का कहना है कि अगर वह लगातार सजगता न बरतें तो इस तरह की घटनाएं होती रहें। मंगलवार सुबह गौ रक्षक दल और बजरंग दल कार्यकर्ताओं की सूचना पर पहुंची पुलिस ने ईको कार से 500 किलो मीट पकडा। पकडे गए युवक ने पुलिस को बताया कि वह मीटर अलीगढ़ से लेकर आया था और कोसीकला लेकर जा रहा था। पुलिस ने गौ रक्षक दल के अध्यक्ष रवि शर्मा की तहरीर पर गोवध निवारण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर ईको कार के चालक सालउद्दीन निवासी मुरसान हाथरस का चालान कर दिया है। पुलिस ने कार को भूतेश्वर तिराहा स्थित श्रीजी बाबा आश्रम के पास पकडा। पुलिस ने वेटनरी मीट का सैंपल भेज कर शेष मीट को नष्ट करा दिया। दूसरे मामले में गोरक्षक दल की सूचना पर पुलिस ने तस्करी कर ले जाए जा रहे गोवंश को मुक्त कराया। एक कैंटर में लादकर गोवंश को ले जाया जा रहा था। पुलिस ने 22 गोवंश को मुक्त कराया जबकि चालक और अन्य तस्कर भाग गए। गोरक्षक दल ने पुलिस को सूचना दी कि एक कैंटर में गोवंश को लेकर आगरा से मेवात की ओर ले जाया जा रहा है। पुलिस को देखकर तस्कर महुअन टोल के समीप कैंटर को छोड कर भाग गए। पुलिस ने गाडी से 22 गोवंश को उतारा और गोशाला भिजवाया। थाना फरह पुलिस ने गोवध निवारण व पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

जेसीआई मथुरा कालिंदी ने आयोजित किया होली मिलन समारोह

मथुरा। छटीकरा स्थित कृष्णा फार्म पर जेसीआई मथुरा कालिंदी द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें संस्था की सदस्यों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। मंच संचालन जेसी रूपाली और जेसी अलका ने किया। सर्वप्रथम सर्कस थीम पर तंबोला कराया गया। उस के बाद सभी पूर्व अध्यक्षों द्वारा खलनायक थीम पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसी क्रम में पप्पू का भांग का ठेका भूकंपेश्वरी, ठरकी पंडित और देवरानी जेठानी की भोजपुरी लड़ाई, नाटिका प्रस्तुत की गई। रूपा गोपाल ने पति का मुरब्बा नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। महिला दिवस के अवसर पर अध्यक्ष जेसी रजनी मालपानी ने अपने विचार रखे। सभी पूर्व अध्यक्षों को हास्य भरे स्लोगन भी दिए गए। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष अलका, अंजलि, मनीषा, रश्मि, साधना, गीतांजलि, निधि, ममिता, मोना, अनीता, नम्रता, नीलिमा, मिताली, ममता, विभा, रुचि, दीपा, ऋचा, ललिता, हेमा आदि उपस्थित रहे।

बिजली के शॉर्ट सर्किट से 800 मण कड़बी जलकर राख किसान को तीन लाख का नुकसान

नारनौल/संतोष यादव

बिजली के शार्ट सर्किट से सोमवार शाम को खाली जमीन पर लगी करीब 800 मन कड़बी जलकर राख हो गई। इस कड़बी को गांव के एक व्यक्ति द्वारा खरीद कर एक जगह लगाई गई थी। इससे व्यक्ति को करीब तीन लाख रुपए का नुकसान हुआ है। पीड़ित ने इसके लिए मुआवजे की मांग की है।

गांव खानपुर के गुरुकुल के पीछे खाली पड़ी जमीन पर खानपुर निवासी दयाराम ने 150 मन कड़वी लगाई हुई थी। उसी ने 650 मन कड़वी नांगल पीपा के व्यक्ति से खरीद कर उसी जगह लगा दी। पीड़ित दयाराम का कहना है कि वह इस कड़बी को 5 से 7 दिन में उठाने वाला था, लेकिन बिजली के तारों की शार्ट सर्किट की वजह से आग लग गई। पीड़ित ने बताया कि खाली खेत में लगी कड़बी में आग लगी देख ग्रामीणों ने ट्रैक्टर की सहायता से इसी जगह लगी अन्य कड़बी को जलने से बचाया, लेकिन करीब 800 मण कड़बी जलकर राख हो गई। इस बारे में ग्रामीणों ने दमकल को सूचित किया। मौके पर पहुंची दमकल ने करीब 1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके अलावा ग्रामीणों ने अपने प्रयासों से भी आग पर काबू पाया।

रेलवे प्रशासन द्वारा बंद किया गया रास्ता चार दिन में खोलने की मांग

सोनीपत/टीम एक्शन इंडिया

हिन्दू कॉलेज रेलवे फाटक के फ्लाईओवर के नीचे रेलवे स्टेशन से सारंग रोड जाने वाले रास्ते को रेलवे प्रशासन द्वारा लोहे का गार्डर डालकर बंद किए जाने से गुस्साये नागरिकों एवं व्यापारियों ने उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन की अगुवाई में प्रदर्शन कर चार दिन में रास्ता खोलने का अल्टीमेटम दिया, अन्यथा स्वयं शहर की जनता रास्ता

खोलने का काम करेगी। दुकानदार सारंग रोड पर इक्ट्ठा हुए और रेलवे प्रशासन मुदार्बाद, तानाशाही नहीं चलेगी के नारे लगाते हुए सीनियर सेक्शन आफिसर (रेलवे) के कार्यालय तक गए और नारेबाजी की। राजीव जैन ने इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारी मुकेश कुमार से फोन पर बातचीत की और जनता के रोष एवं परेशानी से अवगत करवाते हुए रास्ता खोलने की मांग रखी। रेलवे अधिकारी ने बताया कि रास्ता डिविजनल रेलवे प्रबंधक के आदेश से बंद करवाया गया है।

व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष संजय सिंगला ने बताया कि रास्ता बंद होने से आमजन, दैनिक रेल यात्रियों को रेलवे स्टेशन पर जाने के लिए कई किलोमीटर का फेरा काटना पड़ेगा और व्यापारियों का व्यापार चैपट हो जायेगा। रास्ता बंद होने से शहर में दो दिन से ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई है, क्योंकि यह रास्ता कार, मोटर साइकिल, स्कूटर चालकों द्वारा रेलवे स्टेशन पर जाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। राजीव जैन ने कहा कि चार दिन में रेलवे प्रशासन ने रास्ता नहीं खोला तो दैनिक रेल यात्री संघ तथा शहर के व्यापारियों की पंचायत करके अगला कदम उठाया जायेगा। प्रदर्शन में संजीव वलेचा, जोगेन्द्र वर्मा, संजय सिंगला, देवेन्द्र वर्मा (प्रधान), राकेश वर्मा आनन्द पटवा, मोंटी पटवा, सत्तार, विजय, अजय लैब वाला, शमशेर खान, बिट्टू वर्मा, राजेन्द्र कोल्ड ड्रिंक, पंकज वर्मा, महेन्द्र वर्मा, नरेश मल्होत्रा, महेन्द्र बत्रा आदि सारंग रोड के सैंकड़ों व्यापारी उपस्थित रहे।

जिला कारागार में महिला दिवस पर हुए आयोजन

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस जिला कारागार में महिला डिप्टी जेलर करूणेश कुमारी एवं शिवानी यादव के निर्देशन में धूमधाम से मनाया गया। जिसमें महिला बंदियों ने विभिन्न रंगारंग एवं महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नीरू शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में एवं जेल चौकी प्रभारी रित यादव, एंटी रोमियो प्रभारी मथुरा अलका रानी, सम्पूर्ण भारत का बाइक से भ्रमण करने वाली पहली महिला बाइकर पूजा यादव, पीएलवी साहब सिंह एवं प्रतिभा उपस्थित रहे। करूणेश कुमारी एवं शिवानी यादव ने सभी अतिथियों का पटका पहना कर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान दि ब्रज शिल्पी फाउंडेशन की अध्यक्ष शिल्पी केशोरैया के द्वारा कारागार में निरुद्ध सभी 74 महिला बंदियों को साड़ियां एवं उनके साथ रह रहे आठ बच्चों को कपडे खिलोने जूते आदि उपहार दिये।

मेपल बेयर कनाडियन स्कूल में बच्चों के साथ मनाई गईं होली

सोनीपत/टीम एक्शन इंडिया

मेपल बेयर कनाडियन स्कूल ओमेक्स सिटी सोनीपत के प्रांगण में आज स्कूली बच्चों, अध्यापिकाओं व स्टाफ ने बड़े धूमधाम से होली का पर्व मनायो स्कूल चेयरमैन सुरेंद्र मदान ने सभी बच्चों, हेडमिस्ट्रेस, अध्यापिकाओं व स्कूल स्टाफ को होली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं उन्होंने बच्चों से बातचीत के दौरान कहा कि इस दिन लोग एक दूसरे को गले लगाते है, माथे पर गुलाल लगाते है, रंगों से खेलते है, नाचते है, गाते है और स्वादिष्ट व्यंजन खाते हैं हेडमिस्ट्रेस उमा भनोट ने प्राचीन इतिहास का 'होलिका और प्रह्लाद' का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि यह पर्व बुराई के ऊपर अच्छाई की विजय है इस अवसर पर चेयरमैन सुरेंद्र मदान ने स्कूल प्रांगण में नवनिर्मित एक प्ले जोन का भी उद्घाटन कियो चेयरमैन सुरेंद्र मदान ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए स्कूल हेडमिस्ट्रेस उमा भनोट तथा टीचर्ज, रिचा, रिधम, श्रुति, ज्योति, दीपिका, साधिका, नीलम, महिमा तथा स्टाफ सदस्यों का हार्दिक आभार प्रकट किया।

विधायक मोहनलाल बड़ौली ने दी जिलावासियों को होली की शुभकामनाएं

सोनीपतः राई से विधायक एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री मोहनलाल बड़ौली ने रंगों के पर्व होली की जिलावासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता व आपसी भाईचारे का प्रतीक होली का त्यौहार सभी जिलावासियों के जीवन में खुशियों व उमंग का संचार करें। विधायक ने उल्लासपूर्ण अवसर पर कहा कि होली का त्यौहार वसंत के आगमन का परिचायक है। यह देश भर में सभी समूह, वर्ग व समुदाय के लोग मिलकर होली मनाते है। जोकि राष्ट्र की विविधता में एकता का भी परिचय है। उन्होंने आशा जाहिर करते हुए कहा कि यह त्यौहार हम सभी के जीवन में शांति, समृद्धि और प्रसन्नता लेकर आएगा। उन्होंने जिलावासियों से यह अपील भी की कि होली के बहाने हुड़दंग मचा कर पर्व के उल्लास में खलल न डाले और पानी की बबार्दी से बचने का भी प्रयास करें।

स्वावलंबिका सम्मान पुरस्कार : जीवन के अलग अलग पहलुओं पर चमकती महिलाओं को जानने का प्रयास

नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली स्थित कंस्टीट्यूशन क्लब आफ इंडिया में इबीएस इंडिया द्वारा स्वावलंबिका सम्मान पुरस्कार 2023 आयोजित किया गया। कला, उद्यमिता, शिक्षा, नवाचार, कानून, सामाज सेवा, मीडिया जैसे जीवन के अलग अलग पहलुओं पर चमकती महिलाओं और उनकी उपलब्धियों को मान्यता तथा सम्मान देना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रहा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में हेम कुमार पांडे (सेवानिवृत्त) आईएएस और सम्मानित अतिथि के रूप में दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल उपस्थित रहीं। साक्षी एनजीओ की अध्यक्ष डॉ. मृदुला आनंद टंडन भी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में मौजूद रहीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हेम

कुमार पांडे ने समाज में महिलाओं की भूमिका को पहचानने की बात कही। उन्होंने कहा की, "हमारे इस पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं और उनके योगदान की प्रशंसा करना तो दूर अक्सर उनकी मेहनत को नजरंदाज कर दिया जाता है। ये हमारे समाज के लिए बड़ा घाटे का सौदा है। यह अति प्रशंसनीय है की इस कार्यक्रम में महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मानित किया जा रहा है। ऐसे कार्यक्रम महिलाओं के संघर्षों और कामयाबी को जागृत करते हैं, जो आगे ढेरों युवा बालिकाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत का काम करते हैं, साथ ही उन्हें अपने सपनों की उड़ान भरने का हौसला भी देते हैं।"

स्ट्रीट स्कूल के बच्चों के साथ खेली होली

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया

स्ट्रेंजर फ्रेंड्स हैल्पिंग हैंड्स सोसाइटी द्वारा एस.एफ स्ट्रीट स्कूल का संचालन किया जा रहा है। निःशुल्क शिक्षा सेंटर की दोनों शाखा के बच्चों और दिशा इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन एंड टेक्नोलॉजी की छात्राओं के साथ हर वर्ष की तरह होली का पर्व धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत संस्था की अध्यक्ष और दिशा इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन एंड टेक्नोलॉजी की डायरेक्टर शिखा अग्रवाल द्वारा स्ट्रीट स्कूल में निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहे बच्चों को ओर फैशन इंस्टीट्यूट की छात्राओं के गुलाल लगा कर की गई। बच्चों द्वारा होली के गीत

प्रस्तुत किए गए। वरिष्ठ सदस्य पीयूष बंसल ने बच्चों से इस पर्व को मनाने के पीछे का उद्देश्य बताते हुए कहा कि ब्रज की होली देश विदेश में विख्यात है। जिसका मुख्य कारण हमारे श्री कृष्ण हैं। होलिका दहन का पर्व बुराई पर अच्छाई के जीत के रूप में मनाया जाता है। उसी तरह हमें भी हर वक्त हर समय लोगों की मदद के लिए आगे आना चाहिए और अच्छाई के रास्ते पर निरंतर अग्रसर रहना चाहिए। वरिष्ठ सदस्य गौरव गोयल ने कहा कि कुछ लोग या कुछ बच्चे इस ऐसे अवसरों पर भी खुशियों से वंचित रह जाते हैं, यह एक सभ्य समाज के लिए ठीक नही हैं। कार्यक्रम में मौजूद फैशन इंस्टीट्यूट की फैकल्टी अंकिता शर्मा ने बताया कि आज हम सभी स्टाफ और स्टूडेंट एस.एफ स्ट्रीट स्कूल पर आये है और नन्हे मुन्ने बच्चों के साथ इस त्योहार की शुरूआत की है यह अपने आप में अनूठा और संतुष्टि देने वाला है। झुग्गी झोपड़ी में जिंदगी बसर कर रहे लोगों को गुलाल वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंत मे संस्था के वरिष्ठ सदय राजन गुप्ता ने बताया कि संस्था सड़कों पर और झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले निर्धन, वंचित एवं असहाय बच्चों को प्रतिदिन निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने का कार्य विगत कई वर्षों से निरंतर कर रही है। वर्तमान मे संस्था द्वारा 550 से भी अधिक ऐसे बच्चों को शिक्षित किया जा रहा है। खेल कूद के साधन भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। होली के अवसर पर बच्चों के साथ होली खेली गई है, इससे बच्चे और हम सब खुश हैं। इस मौके पर नूपुर, नितेश, सुनैना ,भारत अग्रवाल, राहुल, निशांत, विवेक आशु ,अल्पेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर फ्लिपकार्ट और शॉप्सी ने महिला उद्यमियों के जज़्बे को किया सलाम

पानीपत। फ्लिपकार्ट और शॉप्सी ने मिलकर महिलाओं के नेतृत्व वाले एसएमई को अब नई बुलंदियों पर पहुंचाने के इरादे से कई प्रेरणादायी इनोवेशंस, इंडस्ट्री-फर्स्ट नीतियां और कौशल विकास कार्यक्रमों की शुरूआत की है। 2021 में स्थापित शॉप्सी ने प्रादेशिक स्तर पर महिला सैलर्स को देशभर में टियर 2+ क्षेत्रों के ग्राहकों तक पहुंच दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। फ्लिपकार्ट अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ टैक्नोलॉजी, मजबूत सप्लाई चेन, बड़े ग्राहक आधार और डोमेन विशेषज्ञता के चलते देशभर में महिला उद्यमियों को अपने कारोबार को बढ़ाने और व्यापार में उत्कृष्टता हासिल करने में मदद पहुंचा रहा है। फ्लिपकार्ट और शॉप्सी महिला उद्यमियों को व्यावसायिक कामयाबी और वित्तीय आजादी हासिल करने में भी मदद करते हैं। प्लेटफार्म का प्रयास हमेशा से महिलाओं के नेतृत्व वाले कारोबारों को बढ़ावा देने का रहा है।

फ्लिपकार्ट तथा शॉप्सी से जुड़ी महिला उद्यमी प्लेटफार्म पर अपने सफर से जुड़ी कहानियों का बयान करते हुए दिल्ली की पिंकी सिंह जो कि प्रसुबिन की मालिक है, का कहना है, "सिर्फ एक महिला ही दूसरी महिला को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वास से भरपूर और स्वाभिमानी बनकर दुनिया में अपना खुद का मुकाम हासिल करने के लिए प्रेरित कर सकती है। मैं शॉप्सी के साथ अपने सफर को इसी तरह से देखती हूं। मैं फैशन एक्सेसरीज का बिजनेस चलाती हूं।

शिशु सदन में बच्चों के साथ बांटी होली की खुशियां

मथुरा।भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कार्यकर्ताओं ने होली का महापर्व मथुरा कलेक्ट्रेट स्थित राजकीय बाल गृह शिशु सदन में बच्चों को मिष्ठान, फल, चिप्स, गुलाल पिचकारी बांटकर मनाया। इसके बाद जिला अस्पताल में मरीजों को फल वितरण किए गये। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कार्यकताओं का होली मिलन समारोह हुआ। इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन टिकैत के निवर्तमान जिलाध्यक्ष देवेंद्र कुमार रघुवंशी, पवन चतुर्वेदी, लोकेश कुमार राही ने संयुक्त रूप से कहा कि मथुरा जनपद के सभी समाजसेवी एवं राजनीतिक दल जनपद के पूंजीपति अपने त्योहार जरूरतमंद बच्चों के साथ मनाएं। यह एक परंपरा बननी चाहिए, जिससे हर चेहरे पर मुस्कान लौट सके। यह बच्चे देश का भविष्य हैं। इस मौके पर दिनेश आनंद पापे, रणवीर सिंह प्रधान, राकेश चौधरी, मुजाहिद कुरैशी, हरवीर सिंह एडवोकेट, मोनू पंडित, जीतेंद्र सिंह टीटू, सार्थक चतुर्वेदी, गोविंद चौधरी, लक्ष्मी चौधरी आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह - विरासत शक्ति का उत्सव

नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के एक भाग के रूप में, कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार हथकरघा हाट, जनपथ, नई दिल्ली में एक सप्ताह तक चलने वाला उत्सव कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

बड़ी संख्या में लोगों, विशेषकर महिलाओं को रोजगार प्रदान करने वाले प्रमुख क्षेत्रों में से एक होने के अलावा हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र हमारे देश की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक हैं। सुश्री मुदिता मिश्रा, एडीएल डीसी (हस्तशिल्प), कपड़ा मंत्रालय, श्रीमती रीता हेमराजानी, एमडी एनएचडीसी, श्रीमती शुभ्रा अध्यक्ष एवं डीसी (हथकरघा) अतिरिक्त प्रभार, कपड़ा मंत्रालय, श्रीमती रचना शाह, सचिव (कपड़ा), कपड़ा मंत्रालय, श्रीमती प्राजकाता लवंगारे वर्मा, संयुक्त सचिव, कपड़ा मंत्रालय के द्वारआ प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया।

भारत की आजादी के इस 75वें वर्ष में महिला हथकरघा बुनकरों, शिल्पकारों, उद्यमियों, डिजाइनरों द्वारा 75 स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें से कई मास्टर शिल्पकार और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और महिलाओं द्वारा स्थापित/नेतृत्व वाले संगठन हैं।

आगंतुक सीधे बुनकरों और शिल्पकारों से वास्तविक हथकरघा और हस्तशिल्प वस्तुएं खरीद सकेंगे, जैसे चंदेरी (महेश्वरी), पैठानी, कांचीपुरम साड़ियां, लखनवी चिकनकारी, कोटा डोरिया सहित प्रसिद्ध बुनाई और दस्तकारी वाली साड़ियों/कपड़े की बिक्री।

चिकनकारी, बगरू/सांगानेर ब्लॉक प्रिंट, टाई एंड डाई, आभूषण, कलमकारी, कोल्हापुरी चप्पल, हैंडबैग, चंगुल, फैशन के सामान, लाख की चूड़ियां, बेंत और बांस की वस्तुएं, टेराकोटा, जरी और जरदोजी, कढ़ाई और क्रोशिया सहित फुलकारी, जूट की वस्तुओं सहित दस्तकारी की वस्तुएँ।

उपायुक्त ने जिला परिषद् की उपाध्यक्ष कल्पना को दिलाई पद की शपथ

सोनीपत/टीम एक्शन इंडिया

उपायुक्त ललित सिवाच ने मंगलवार को लघु सचिवालय स्थित उपायुक्त कार्यालय में जिला परिषद की नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष कल्पना को पद एवं सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाते हुए बधाई दी। उन्होंने कहा कि कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विकास में पंचायती राज संस्थाओं की अग्रणी भूमिका होती है। इसलिए प्रशासन की तरफ से उनको पूरा सहयोग दिया जाएगा, ताकि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार लोगों के विकास कार्यो और जनहित के कल्याणकारी कार्यों का बेहतर क्रियान्वयन के साथ-साथ समय पर पूरा करवाया जा सके।

उपायुक्त ने कहा कि कहा कि गांवों के विकास के लिए सरकार और जिला प्रशासन पूरी तरह से सजग है। प्रशासन का प्रयास रहता है कि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान ग्राम-स्तर पर ही किया जाए और सरकारी योजनाओं का लाभ उनके घर द्वार पर ही देने के लिए कटिबद्धता बनी रहे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा गांवों में विकास कार्यों को गति देने में सशक्त जिला परिषद इकाई की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि जिला परिषद के माध्यम से संबंधित विभागीय अधिकारियों से समन्वय स्थापित करके ग्रामीण विकास की सकारात्मक संरचना की जा सकती है। ग्रामीण क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में जिला परिषद जनप्रतिनिधिगण सक्रिय भूमिका निभाते हुए विकास कार्यों में सहभागी बनें। उपायुक्त ने कहा कि गांवों के चहुंमुखी विकास पर सरकार का विशेष फोकस है, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि बिना भेदभाव के गांवों का विकास करवाएं। प्रशासन की ओर से हर स्तर पर सहयोग किया जाएगा। शिक्षित पंचायत कानून बनने के बाद शिक्षित और पढ़ी लिखी पंचायतों के साथ ही महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण दिया गया है। जिससे ग्रामीण विकास में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित हुई है। महिलाओं की भागीदारी बढे के साथ ही पंचायती राज संस्थाओं को मजबूती मिल रही है। उन्होंने कहा कि सभी जिला पार्षद टीम के रूप में काम करें।

शपथ ग्रहण करते हुए जिला परिषद् की उपाध्यक्ष कल्पना ने कहा कि मैं सत्य निष्ठा से प्रतिज्ञान करती हूं कि विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखूंगी और जिला परिषद् के उपाध्यक्ष के पद के रूप में अपने कर्तव्यों को भय या पक्षपात, अनुराग या द्वेष के बिना श्रद्धापूर्वक निर्वहन करूंगी। अतः मुझे सामर्थ्य दें।

यहां ब्रज रज का टीका लगा कर खेली जाती है होली

8 बाई पास स्थित जयगुरुदेव आश्रम में होने वाला जयगुरुदेव होली सत्संग मेला 7 से 9 मार्च तक आयोजित है।

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया

ब्रज में इस समय होली महोत्सव की धूम है। इसी क्रम में पारम्परिक रूप से बाई पास स्थित जयगुरुदेव आश्रम में होने वाला जयगुरुदेव होली सत्संग मेला 7 से 9 मार्च तक आयोजित है। यहां भी होली की विशेषता यह है कि यहां रंग की होली से भिन्न पावन ब्रजरज से तिलक लगाकर खेली जाती है।

मेला परिसर श्रद्धालुओं के आगमन से गुलजार होने लगा है। कार्यक्रम के अनुसार प्रातःकाल व सायंकाल साधना का अभ्यास, प्रातः 6 व सायं 3.30 बजे से सत्संग, समयानुसार सत्संग गोष्ठियां, पूजन व संस्थाध्यक्ष पूज्य पंकज जी महाराज का सत्संग 8 को प्रातः 6 बजे से होगा। दहेज रहित विवाह रात्रि 9.00 बजे से होगा। आज सत्संग का शुभारम्भ बाबूराम यादव व रा. उपदेशक ने सत्संग प्रारंभ करते हुये त्योहारों के महत्व पर प्रकाश डाला। इनके मौलिक रूप से मनाने पर आध्यात्मिक रूझान तथा परस्पर सौहार्द बढ़ता है।

'होली' विशेष

कभी जमुना तट पर राधा और कान्हा की टोली रासरंग में सराबोर नजर आती है, तो कभी ,सरजू तट पर जनक दुलारी राम संग टेसू रंग से होली खेल रही हैं, उधर भोले शंकर ऐर उनके गण मसाने में ही भूत-भभूत संग होली का धमाल मचा रहे हैं। सब ओर होली के रंग बिखर रहे हैं और फगुन की मादक बयार बह रही है। अवध काशी और ब्रज जैसे अलग-अलग अंचलो की होली के विविध रंग अपनी छटा बिखेर रहे हैं....

होलीका में आहुति देने वाली सामग्रीया

होलिका दहन होने के बाद होलिका में जिन वस्तुओं की आहुति दी जाती है, उसमें कच्चे आम, नारियल, भुट्टे या सप्तधान्य, चीनी के बने खिलौने, नई फसल का कुछ भाग है। सप्तधान्य है, गेहूं, उड़द, मूंग, चना, जौ, चावल और मसूर।

सुख - समृद्धि मंत्र

वंदितासि सुरेंद्रेण ब्रह्मणा शंकरेण च। अतस्त्वं पाहि मां देवी! भूति भूतिप्रदा भव ॥ होलिका पूजन के समय इस मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।

अहकूटा भयत्रस्तै : कृता त्वं होलि बालिशै : अतस्वां पूजयिष्यामि भूति-भूति प्रदायिनी।? इस मंत्र का जाप एक माला, तीन माला या फिर पांच माला विषम संख्याके रूप में करना चाहिए।

होली के रंग कान्हा के संग

होली का त्योहार कई पौराणिक गाथाओं से जुड़ा हुआ है। इनमें कामदेव, प्रह्लाद और पूतना की कहानियां प्रमुख है। प्रत्येक कहानी के अंत में सत्य की विजय होती है और राक्षसी प्रवृत्तियों का अंत होता है। कुछ लोग इस उत्सव का संबंध भगवान कृष्ण से मानते हैं। राक्षसी पूतना एक सुंदर स्त्री का रूप धारण कर बालक कृष्ण के पास गई। वह उनको अपना जहरीला दूध पिला कर मारना चाहती थी। दूध के साथ-साथ बालक कृष्ण ने उसके प्राण भी ले लिए। कहते हैं मृत्यु के पश्चात पूतना का शरीर लुप्त हो गया इसलिए ग्वालों ने उसका पुतला बना कर जला डाला। मथुरा तब से होली का प्रमुख केंद्र है।

पुजा विधि

होलिका दहन करने से पहले होली की पुजा की जाती है। इस पुजा को करते समय, पुजा करने वाले व्यक्ति को होलिका के पास जाकर पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठना चाहिए। पुजा करने के लिए निम्न सामग्री को प्रयोग करना चाहिए। एक लोटा जल, माला, रोली, चावल, गंध, पुष्प, कच्चा सूत, गुड़, साबुत हल्दी, मूंग, बताशे, गुलाल, नारियल आदि। इसके अतिरिक्त नई फसल के धान्यों जैसे-पके चने की बालियां व गेहूं की बालियां भी सामग्री के रूप में रखी जाती है। इसके बाद होलिका के पास गोबर से बनी ढाल तथा अन्य खिलौने रख दिए जाते हैं। गोबर से बनाई गई ढाल व खिलौनों की चार मालाएं अलग से घर लाकर सुरक्षित रख ली जाती है। इसमें से एक माला पितरों के नाम की, दूसरी हनुमान जी के नाम की, तीसरी शीतला माता के नाम की तथा चौथी अपने घर-परिवार के नाम की होती है। कच्चे सूत को होलिका के चारों ओर तीन या सात परिक्रमा करते हुए लपेटना होता है। फिर लोटे का शुद्ध जल व अन्य पूजन की सभी वस्तुओं को एक-एक करके होलिका को समर्पित किया जाता है। रोली, अक्षत व पुष्प का भी पूजन में प्रयोग किया जाता है। गंध-पुष्प का प्रयोग करते हुए पंचोपचार विधि से होलिका का पूजन किया जाता है। पूजन के बाद जल से अर्घ्य दिया जाता है। सूर्यास्त के बाद प्रदोष काल में होलिका में अग्नि प्रज्वलित कर दी जाती है। इसमें अग्नि प्रज्वलित होते ही डंडे को बाहर निकाल लिया जाता है।

होली और राधा - कृष्ण का कथा

होली का त्योहार राधा और कृष्ण की पावन प्रेम कहानी से भी जुड़ा हुआ है। वसंत के सुंदर मौसम में एक-दूसरे पर रंग डालना उनकी लीला का एक अंग माना गया है। वृन्दावन की होली राधा और कृष्ण के इसी रंग में डूबी हुई होती है। भगवान श्रीकृष्ण तो सांवले थे, परंतु उनकी आत्मिक सखी राधा गौरवर्ण की थी। इसलिए बालकृष्ण प्रकृति के इस अन्याय की शिकायत अपनी मां यशोदा से करते तथा इसका कारण जानने का प्रयत्न करते हैं। एक दिन यशोदा ने श्रीकृष्ण को यह सुझाव दिया कि वे राधा के मुख पर वही रंग लगा दें, जिसकी उन्हें इच्छा हो। नटखट श्रीकृष्ण यही कार्य करने चल पड़े। हम चित्रों व अन्य भक्ति आकृतियों में श्रीकृष्ण के इसी कृत्य को जिसमें वे राधा व अन्य गोपियों पर रंग डाल रहे है, देख सकते है। यह प्रेममयी शरारत शीघ्र ही लोगों में प्रचलित हो गई तथा होली की परंपरा के रूप में स्थापित हुई। इसी ऋतु में लोग राधा व कृष्ण के चित्रों को सजाकर सड़कों पर घूमते है। मथुरा में होली का विशेष महत्व है।

होली और धुंधी की कथा

भविष्यपुराण में वर्णित है कि सत्ययुग में राजा रघु के राज्य में माली नामक दैत्य की पुत्री ढोंढा या धुंधी थी। उसने शिव की उग्र तपस्या की। शिव ने वर मांगने को कहा तो उसने वर मांगा- प्रभु! देवता, दैत्य, मनुष्य आदि मुझे मार न सकें तथा अस्त्र-शस्त्र आदि से भी मेरा वध न हो। साथ ही दिन में, रात्रि, में शीतकाल में, उष्णकाल तथा वर्षाकाल में, भीतर-बाहर कहीं भी मुझे किसी से भय न हो। शिव ने तथास्तु कहा तथा यह भी चेतावनी दी कि तुम्हें उन्मत्त बालकों से भय होगा। वही ढोंढा नामक राक्षसी बालकों व प्रजा को पीड़ित करने लगी। 'अडाडा' मंत्र का उच्चारण करने पर वह शांत हो जाती थी। इसी कारण उसे 'अडाडा' भी कहते हैं। भगवान शिव के अभिशाप वश वह ग्रामीण बालकों की शरारत, गालियों व चिल्लाने के आगे विवश थी। ऐसा विश्वास किया जाता है कि होली के दिन ही सभी बालकों ने अपनी एकता के बल पर आगे बढ़कर धुंधी को गांव से बाहर धकेला था। वे जोर-जोर से चिल्लाते हुए तथा चालाकी से उसकी ओर बढ़ते ही गए। यही कारण है कि इस दिन नवयुवक कुछ अशिष्ट भाषा में हंसी मजाक कर लेते है, परंतु कोई उनकी बात का बुरा नहीं मानता।

श्री हरि विष्णु - हिरण्यकश्यप कथा

राजा हिरण्यकश्यप अहंकारवश स्वयं को ईश्वर मानने लगा। उसकी इच्छा थी कि केवल उसी का पूजन किया जाए, लेकिन उसका स्वयं का पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का परम भक्त था। पिता के बहुत समझाने के बाद भी जब पुत्र ने श्री विष्णु जी की पूजा करनी बंद नहीं की, तो हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र को दंड स्वरूप उसे आग में जलाने का आदेश दिया। इसके लिए राजा ने अपनी बहन होलिका से कहा कि वह प्रह्लाद को जलती हुई आग में लेकार बैठ जाए, क्योंकि होलिका को यह वरदान प्राप्त था कि वह आग में नहीं जलेगी। होलिका प्रह्लाद को लेकर आग में बैठ गई, लेकिन होलिका जल गई और प्रह्लाद नारायण कृपा से बच गया। यह देख हिरण्यकश्यप अपने पुत्र से और अधिक नाराज हुआ। हिरण्यकश्यप को वरदान था कि वह न दिन में मर सकता है न रात में, न जमीन पर मर सकता है और न आकाश या पाताल में, न मनुष्य उसे मार सकता है और न जानवर या पशुपक्षी, इसीलिए भगवान ने उसे मारने के लिए संध्या का समय चुना और आधा शरीर सिंह का और आधा मनुष्य का, नृसिंह अवतार लिया। नृसिंह भगवान ने हिरण्यकश्यप की हत्या न जमीन पर की, न आसमान पर, बल्कि अपनी गोद में

शिव - पार्वती कथा

पौराणिक कथा के अनुसार प्राचीन समय की बात है कि हिमालय पुत्री पार्वती की यह मनोइच्छा थी, कि उनका विवाह केवल भगवान शिव से हो। सभी देवता भी यही चाहते थे, परंतु श्री भोले नाथ थे कि सदैव गहरी समाधी में लीन रहते थे, ऐसे में माता पार्वती के लिए भगवान शिव के सामने अपने विवाह का प्रस्ताव रखना कठिन हो रहा था। इस कार्य में देवताओं ने कामदेव का सहयोग मांगा। कामदेव ने भगवान शकर की तपस्या भंग करने के लिए प्रेम बाण चलाया, जिसके फलस्वरूप भगवान शिव की तपस्या भंग हो गई। तपस्या के भंग होने से शिवजी को बड़ा क्रोध आया और उन्होंने अपनी तीसरी आंख खोल कर कामदेव को भस्म कर दिया। कुछ समय पश्चात भगवान शिव ने माता पार्वती से विवाह कर लिया। होलिका दहन का पर्व, क्योंकि कामदेव के भस्म होने से भी संबधित है इसलिए इस पर्व की सार्थकता इसी में है कि व्यक्ति होली के साथ अपनी काम वासनाओं को भस्म कर दें और वासनाओं से ऊपर उठ कर जीवन व्यतीत करें।

नारद - युधिष्ठिर कथा

पुराणों के अनुसार श्री नारदजी ने एक दिन युधिष्ठिर से यह निवेदन किया कि है राजन! फाल्गुन पूर्णिमा के दिन सभी लोगों को अभयदान मिलना चाहिए, ताकि सभी कम से कम एक साथ एक दिन तो प्रसन्न रहें। इस पर युधिष्ठिर ने कहा कि जो इस दिन हर्ष और खुशियों के साथ यह पर्व मनाएगा, उसके पाप प्रभाव का नाश होगा। उस दिन से पूर्णिमा के दिन हसना-होली खेलना आवश्यक समझा जाता है।

हरि हर को झुले में झुलाने की प्रथा

होली से जुड़ी एक अन्य कथा के अनुसार फाल्गुन पूर्णिमा के दिन जो लोग चित को एकाग्र कर भगवान विष्णु को झूले में बिठाकर, झूलते हुए विष्णु जी के दर्शन करते हैं, उन्हें पुण्य स्वरूप वैकुण्ठ की प्राप्ति होती है।

राशि अनुसार खेलें रंग जीवन में लाएं खुशी के पल

होली रंगों का त्योहार है और रंग प्रेम के परिचायक होते हैं। इन प्यार मोहब्बत के रंगों को वही व्यक्ति स्वीकार करता है जिन के मन में अनुराग और अपनत्व की भावना होती है। अपनी राशि के अनुसार अपने इष्ट का ध्यान कर अपने मन से सभी बुराईयों का दहन कर भविष्य की पवित्र, सुखद, शाश्वत, पापरहित और प्रेममयी होली के रंग अपने जीवन में लाने का संकल्प करें और सुनहरे भविष्य की उज्वल कामना करें।

- मेष : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममुहूर्त में उठकर होली की पूजा करने के उपरांत मंदिर जाकर शिवालय के दर्शन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए लाल गुलाल का प्रयोग करें।
- वृषभ : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत कन्या पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों मे रंगने के लिए हल्के पीले रंग का प्रयोग करें।
- मिथुन : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममुहूर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत भगवान गणपति के दर्शन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए हरे रंग का प्रयोग करें।
- कर्क : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममुहूर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत शिव परिवार का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए सफेद कपड़े धारण करें और केवल गुलाल से ही होली खेलें।
- सिंह : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत भगवान सूर्य नारायण का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए गुलाल एवं मेहरून रंग का प्रयोग करें।
- कन्या : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममुहूर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत गणपति बप्पा और धन के देवता कुबेर जी के दर्शन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए टेसू रंग का प्रयोग करें।
- तुला : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत मां दुर्गा का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए लाल और पीले रंग का प्रयोग करें।
- वृश्चिक : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममुहूर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत भगवान गणपति और उनकी पत्नियों रिद्धि-सिद्धि का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए गुलाबी रंग का प्रयोग करें।
- धनु : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममुहूर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत भगवान दत्तात्रेय (गुरु महाराज) का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए पीले रंग का प्रयोग करें।
- मकर : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममुहूर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत भगवान श्री राम और उनके प्रिय भक्त हनुमान जी के दर्शन करें तत्पश्चात होली के रंगों मे रंगने के लिए हल्का गुलाबी और पीला रंग प्रयोग में लाए।
- कुंभ : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत श्री राम भक्त हनुमान जी का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए हरे और सिंदूरी रंग का प्रयोग करें।
- मीन : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममुहूर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत बृहस्पति देव का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए पीले रंग का प्रयोग करें।

राग-रंग का लोकप्रिय पर्व होली

होली भारत का प्रमुख त्योहार है। होली जहाँ एक ओर सामाजिक एवं धार्मिक त्योहार है, वहीं रंगों का भी त्योहार है। बाल-वृद्ध, नर-नारी सभी इसे बड़े उत्साह से मनाते हैं। इसमें जातिभेद-वर्णभेद का कोई स्थान नहीं होता। इस अवसर पर लकड़ियों तथा कंडों आदि का ढेर लगाकर होलिकापूजन किया जाता है फिर उसमें आग लगायी जाती है। पूजन के समय मंत्र उच्चारण किया जाता है।

होली खेलने से पहले इन बातों का रखें ध्यान!

रंगों और खुशियों के त्योहार होली के रंग में सराबोर होने के लिए घर से निकलने से पहले आपको त्वचा और बालों की सुरक्षा के संबंध में कुछ बातों का ख्याल जरूर रखना चाहिए, जिससे आपको किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े. त्वचा विशेषज्ञ ने होली खेलने निकलने से पहले त्वचा की देखभाल के संबंध में ये सुझाव दिए हैं -

- कुछ लोग होली खेलने के पहले बाल यह सोचकर नहीं धुलते हैं कि रंग खेलने से बाल गंदे होने ही हैं, लेकिन पहले से गंदे बाल में रंग लगने से आपके बालों को और नुकसान पहुंच सकता है और बाल रुखे हो सकते हैं, इसलिए बाल धुलकर, सुखाने के बाद बालों में अच्छी तरह से तेल लगाकर ही होली खेलने निकलें.
- होली खेलने निकलने से पहले सनस्क्रीन क्रीम लगाना नहीं भूलें, क्योंकि तेज धूप में आपकी त्वचा झुलस सकती है और रंग काला पड़ सकता है.
- बाजार में उपलब्ध सिंथेटिक रंगों में हानिकारक केमिकल और शीशा भी हो सकता है, जिससे आपकी त्वचा और आंखों को नुकसान पहुंच सकता है. इसलिए त्वचा और बालों पर अच्छे से तेल लगाएं और हो सके तो प्राकृतिक रंगों या घर पर बने टेसू के फूल वाले रंग से होली खेलें. कानों के पीछे, उंगलियों के बीच में भी तेल अच्छे से लगाएं और नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाना नहीं भूलें. बालों में नारियल तेल डालकर अच्छे से मसाज करें, इससे आपके बाल रूखे भी नहीं होंगे.
- शरीर के अधिकांश हिस्सों को रंगों से बचाने के लिए पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें, सूती रंग के ही कपड़े पहनें, क्योंकि भीगने पर सिंथेटिक कपड़े शरीर से चिपक जाते हैं और आपको उलझन महसूस हो सकती है.
- फलों और सब्जियों के छिलकों को सुखाकर उसमें टेल्कम पाउडर और संतरे के सूखे छिलकों के पाउडर को मिलाकर होली खेलना एक अच्छा विकल्प है. इसमें हल्दी पाउडर, जिंजर रूट पाउडर व दालचीनी पाउडर भी मिलाए जा सकते हैं, जो आपकी त्वचा के लिए हानिकारक साबित नहीं होंगे, लेकिन इन पाउडर को जोर से त्वचा पर मलें नहीं, क्योंकि इससे लालिमा, खरोंच या दानें पड़ सकते हैं और त्वचा में जलन हो सकती है.
- होली खेलने के बाद सौम्य फेसवॉश या साबुन का ही इस्तेमाल करें, क्योंकि हार्श साबुन से त्वचा रूखी हो सकती है, नहाने के बाद मॉइश्चराइजर और बॉडी लोशन जरूर लगाएं.
- बालों को सौम्य हर्बल शैम्पू से अच्छी तरह से धुलें, ताकि अभ्रक युक्त और केमिकल वाले रंग बालों से अच्छी तरह से निकल जाएं. शैम्पू के बाद बालों का रूखापन दूर करने के लिए एक मग पानी में एक नींबू का रस मिलाकर धुलें या फिर बीयर से भी बाल धुला जा सकता है, इससे आपके बाल मुलायम रहेंगे.

होली वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय और नेपाली लोगों का त्योहार है। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। रंगों का त्योहार कहा जाने वाला यह पर्व पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता है। यह प्रमुखता से भारत तथा नेपाल में मनाया जाता है। यह त्योहार कई अन्य देशों जिनमें अल्पसंख्यक हिन्दू लोग रहते हैं वहां भी धूम-धाम के साथ मनाया जाता है। पहले दिन को होलिका जलायी जाती है, जिसे होलिका दहन भी कहते है। दूसरे दिन, जिसे प्रमुखतः धुलेंडी व धुरड्डी, धुरखेल या धूलिवंदन इसके अन्य नाम हैं, लोग एक दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल इत्यादि फेंकते हैं, ढोल बजा कर होली के गीत गाये जाते है और घर-घर जा कर लोगों को रंग लगाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि होली के दिन लोग पुरानी कटुता को भूल कर गले मिलते है और फिर से दोस्त बन जाते हैं। एक दूसरे को रंगने और गाने-बजाने का दौर दोपहर तक चलता है। इसके बाद स्नान कर के विश्राम करने के बाद नए कपड़े पहन कर शाम को लोग एक दूसरे के घर मिलने जाते हैं, गले मिलते हैं और मिठाइयाँ खिलाते हैं।

राग-रंग का यह लोकप्रिय पर्व वसंत का संदेशवाहक भी है। राग अर्थात संगीत और रंग तो इसके प्रमुख अंग हैं ही पर इनको उत्कर्ष तक पहुँचाने वाली प्रकृति भी इस समय रंग-बिरंगे यौवन के साथ अपनी चरम अवस्था पर होती है। फाल्गुन माह में मनाए जाने के कारण इसे फाल्गुनी भी कहते हैं। होली का त्योहार वसंत पंचमी से ही आरंभ हो जाता है। उसी दिन पहली बार गुलाल उड़ाया जाता है। इस दिन से फाग और धमार का गाना प्रारंभ हो जाता है। खेतों में सरसों खिल उठती है। बाग-बगीचों में फूलों की आकर्षक छटा छा जाती है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और मनुष्य सब उल्लास से परिपूर्ण हो जाते हैं। खेतों में गेहूँ की बालियाँ इठलाने लगती हैं। बच्चे-बूढ़े सभी व्यक्ति सब कुछ संकोच और रूढ़ियाँ भूलकर ढोलक-झाँझ-मंजीरों की धुन के साथ नृत्य-संगीत व रंगों में डूब जाते हैं। चारों तरफ़ रंगों की फुहार फूट पड़ती है। होली के दिन आम्र मंजरी तथा चंदन को मिलाकर खाने का बड़ा माहात्म्य है।

विशिष्ट उत्सव

भारत में होली का उत्सव अलग-अलग प्रदेशों में भिन्नता के साथ मनाया जाता है। ब्रज की होली आज भी सारे देश के आकर्षण का बिंदु होती है। बरसाने की लठमार होली काफ़ी प्रसिद्ध है। इसमें पुरुष महिलाओं पर रंग डालते हैं और महिलाएँ उन्हें लाठियों तथा कपड़े के बनाए गए कोड़ों से मारती हैं। इसी प्रकार मथुरा और वृंदावन में भी 15 दिनों तक होली का पर्व मनाया जाता है। कुमाऊँ की गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की गोष्ठियाँ होती हैं। यह सब होली के कई दिनों पहले शुरू हो जाता है। हरियाणा की धुलंडी में भाभी द्वारा देवर को सताए जाने की प्रथा है। बंगाल की दोल जात्रा चैतन्य महाप्रभु के जन्मदिन के रूप में मनाई जाती है। जलूस निकलते हैं और गाना बजाना भी साथ रहता है। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र की रंग पंचमी में सूखा गुलाल खेलने, गोवा के शिमगो में जलूस निकालने के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा पंजाब के होला मोहल्ला में सिक्खों द्वारा शक्ति प्रदर्शन की परंपरा है। तमिलनाडु की कमन पोडिगई मुख्य रूप से कामदेव की कथा पर आधारित वसंतोतसव है जबकि मणिपुर के याओसांग में योंगसांग उस नन्हीं झोंपड़ी का नाम है जो पूर्णिमा के दिन प्रत्येक नगर-ग्राम में नदी अथवा सरोवर के तट पर बनाई जाती है। दक्षिण गुजरात के आदिवासियों के लिए होली सबसे बड़ा पर्व है, छत्तीसगढ़ की होरी में लोक गीतों की अद्भुत परंपरा है और मध्यप्रदेश के मालवा अंचल के आदिवासी इलाकों में बेहद धूमधाम से मनाया जाता है भगोरिया, जो होली का ही एक रूप है। बिहार का फगुआ जम कर मौज मस्ती करने का पर्व है और नेपाल की होली में इस पर धार्मिक व सांस्कृतिक रंग दिखाई देता है। इसी प्रकार विभिन्न देशों में बसे प्रवासियों तथा धार्मिक संस्थाओं जैसे इस्कॉन या वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में अलग अलग प्रकार से होली के शृंगार व उत्सव मनाने की परंपरा है जिसमें अनेक समानताएँ और भिन्नताएँ हैं।

आधुनिकता का रंग

होली रंगों का त्योहार है, हँसी-खुशी का त्योहार है, लेकिन होली के भी अनेक रूप देखने को मिलते है। प्राकृतिक रंगों के स्थान पर रासायनिक रंगों का प्रचलन, भांग-ठंडाई की जगह नशेबाजी और लोक संगीत की जगह फ़िल्मी गानों का प्रचलन इसके कुछ आधुनिक रूप हैं। लेकिन इससे होली पर गाए-बजाए जाने वाले ढोल, मंजीरों, फाग, धमार, चैती और ठुमरी की शान में कमी नहीं आती। अनेक लोग ऐसे हैं जो पारंपरिक संगीत की समझ रखते हैं और पर्यावरण के प्रति सचेत हैं। इस प्रकार के लोग और संस्थाएँ चंदन, गुलाबजल, टेसू के फूलों से बना हुआ रंग तथा प्राकृतिक रंगों से होली खेलने की परंपरा को बनाए हुए हैं, साथ ही इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान भी दे रहे हैं। रासायनिक रंगों के कुप्रभावों की जानकारी होने के बाद बहुत से लोग स्वयं ही प्राकृतिक रंगों की ओर लौट रहे हैं। होली की लोकप्रियता का विकसित होता हुआ अंतर्राष्ट्रीय रूप भी आकार लेने लगा है। बाज़ार में इसकी उपयोगिता का अंदाज़ इस साल होली के अवसर पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान केन्ज़ोआमूर द्वारा जारी किए गए नए इत्र होली है से लगाया जा सकता है।

होलिका दहन और धुलैंडी का पर्व कब है, 6, 7 या 8 मार्च को?

होलिका दहन को लेकर कंफ्यूजन है, 6 को, 7 को या 8 मार्च को? होली के बाद कब रहेगी धुलेंडी। ज्योतिष मान्यता के अनुसार कब होना चाहिए होलिका दहन और कब मनाएं धुलैंडी का पर्व? इसके बाद रंगपंचमी का त्योहार कब रहेगा।

कब जलाते हैं होली : पूर्णिमा के दिन प्रदोष काल में होलिका दहन किया जाता है और उसके दूसरे दिन धुलेंडी का पर्व मनाया जाता है।

पूर्णिमा तिथि : पूर्णिमा तिथि 06 मार्च दिन सोमवार को शाम 04:17 पर आरंभ होगी और इस तिथि का समापन 07 मार्च दिन मंगलवार को शाम 06:09 पर होगा।

6 मार्च : 06 मार्च को प्रदोष काल में पूर्णिमा तिथि है लेकिन 7 को पूर्णिमा तिथि में प्रदोष काल नहीं रहेगा। कई जगहों पर पंचांग भेद के कारण 06 मार्च को होलिका दहन होगा, क्योंकि इसी दिन प्रदोष काल में पूर्णिमा तिथि रहेगी।

7 मार्च : 06 मार्च को पूर्णिमा तिथि के प्रारंभ होने के साथ ही भद्रा भी शुरु हो जाएगी जो 07 मार्च सुबह 05:15 तक रहेगी। कुछ लोग भद्रा में होलिका दहन नहीं करना चाहते है। अन्य मतानुसार पूर्णिमा तिथि दो दिन प्रदोष व्यापिनी हो तो दूसरे दिन दहन किया जाता है। यानी 07 मार्च को शाम को या रात्रि में होलिका दहन होगा।

धुलैंडी : धुलैंडी का पर्व अगले दिन मनाया जाएगा। अधिकतर मतानुसार 07 मार्च को होलिका दहन होगा और 08 मार्च को होली खेली जाएगी। यानी धुलैंडी मनाई जाएगी।

क्या है होली और राधा-कृष्ण का संबंध

होली के पर्व का जिक्र आते ही मन रंगों से खेलने लगता है और प्रेम के इस पर्व में हर कोई राधा व कृष्ण हो जाना चाहता है। आप सोच रहे होंगे कि राधा व कृष्ण का होली से क्या नाता है तो आइये जानते हैं। होली और राधा-कृष्ण का क्या संबंध है।

भगवान विष्णु ने जितने भी अवतार धारण किये हैं चित्रों के माध्यम से उन्हें सांवले रंग का दिखाया जाता है और भगवान श्री कृष्ण का तो नाम ही श्याम लिया जाता है। लेकिन उनका यह श्याम रंग बनने की कहानी है। दरअसल जब श्री कृष्ण के मामा कंस ने राक्षसी पुतना को जन्माष्टमी के दिन जन्मे शिशुओं को स्तन से विषपान करवाकर मरवाने के लिये भेजा तो श्री कृष्ण ने विषपान तो किया लेकिन भगवन का क्या बिगड़ना था, पुतना तो मारी गई लेकिन बाल गोपाल विषपान करने से श्याम वर्ण के हो गये। अब उन्हें यह चिंता सताने लगी कि इस श्याम रंग के साथ प्रिय सखी राधा सहित अन्य गोपियां उन्हें भाव नहीं देंगी। गौर वर्णीय राधा को जब भी वे देखते उन्हें स्वयं का श्याम वर्ण होना अखरने लगता। वे इसकी शिकायत अपनी मैया यशोदा से करते हैं वो गीत तो आपने भी सुना होगा यशोमति मैया से बोले नंदलाला, राधा क्यों गोरी मैं क्यूं काला। तो माता उन्हें प्रसन्न करने के लिये सुझाव देती हैं वह भी राधा के मुख पर वैसा ही रंग लगा दे जैसा वे चाहते हैं। बस माता की शय मिलने की देर थी, नटखट श्याम राधा सहित सभी गोपियों को रंगने लग जाते हैं। धीरे-धीरे उनकी यह शरारत फैलने लगती है और ऋतुराज वसंत के इस प्यार भरे मौसम में एक दूसरे पर रंग डालने की यह लीला एक प्रेममयी परंपरा के रूप में हर साल फाल्गुन के महीने में निभायी जाने लगती है। होली के दिनों में मथुरा वृंदावन का नज़ारा तो आज भी देखते ही बनता है।

क्या है महत्व

वैसे यह श्री राधा व भगवान श्री कृष्ण की होली पर खेली गई यह प्रेम लीला एक प्रतीक भर है कि यह रंग कोई भौतिक रंग नहीं है बल्कि भक्ति का रंग है। भगवान का रंग है, सद्भावना का रंग है, विश्वास का रंग है जिनसे होली खेली जाती है। और जो होली जलाई जाती है वह संदेह की, अहंकार की, वैरभाव की, ईर्ष्या की होली जलाई जाती है जिसके उपरांत ही निष्काम प्रेम की कामना पूर्ण होती है और अपने आराध्य श्री कृष्ण की अपने ठाकुर जी की कृपा प्राप्त होती है।

हरियाणा सरकार

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस और होली महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

हरियाणा की बेटियों ने प्रशासनिक सेवा, खेल, स्वास्थ्य, शिक्षा, राजनीति, अंतरिक्ष विज्ञान, पुलिस सेवा, पर्वतारोहण, सौंदर्य प्रतियोगिता, सेना तथा जन सेवा से जुड़े क्षेत्रों में लहराया परचम

हरियाणा सरकार महिलाओं के उत्थान के लिए कटिबद्ध

- पंचायती राज संस्थानों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण।
- प्रदेश में लिंगानुपात सुधरकर 871 से 917 हुआ।
- महिलाओं की सुरक्षा व हर समय उनकी मदद के लिए महिला हेल्पलाइन नम्बर 1091 शुरू।
- दुर्गा शक्ति ऐप, दुर्गा शक्ति वाहिनी, दुर्गा शक्ति रैपिड एक्शन फोर्स की स्थापना।
- महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के मामलों में तेजी से सुनवाई के लिए 16 फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित।
- छात्राओं के लिए रोडवेज़ की बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा।
- 33 प्रतिशत राशन डिपो महिलाओं को।

राज्य स्तरीय महिला सम्मान एवं पुरस्कार समारोह

मुख्य अतिथि

श्री मनोहर लाल
मुख्यमंत्री, हरियाणा

दिनांक: 10 मार्च, 2023 | समय: प्रातः 11:30 बजे
स्थान: अनाज मण्डी, करनाल

- श्रीमती सुषमा स्वराज पुरस्कार
- इन्दिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार
- कल्पना चावला शौर्य पुरस्कार
- लाइफटाईम अचीवमेंट पुरस्कार
- वुमन आउटस्टैंडिंग अचीवर्स पुरस्कार
- घटते लिंगानुपात में सुधार प्रोत्साहन पुरस्कार
- पोषण स्तर पर सुधार के लिए न्यूट्रिशन पुरस्कार

सूचना, लोक सम्पर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग, हरियाणा

www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana